राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

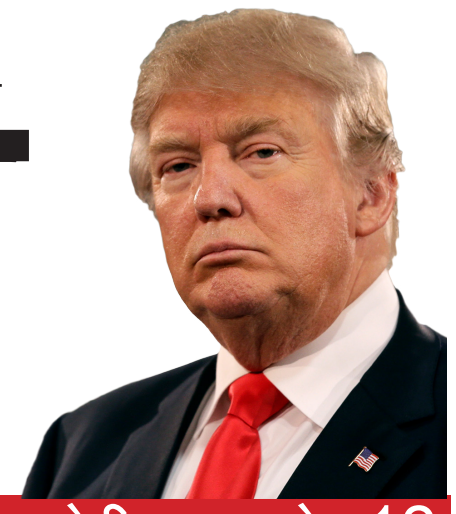

11 पेरिस ओलंपिक में इतिहास रचने के बाद मनु भाकर ने कहा ...

डोनाल्ड ट्रंप का भारतवंशी नेता पर वार- राष्ट्रपति पद के लिए बाइडन से ... 12

वर्ष : 12 | अंक : 110 | पटना, बुधवार, 31 जुलाई, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम अधिकतम तापमान 31°C
न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां 30%
नहीं 50%
कह नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 59,340

चांदी 55,350

सेंसेक्स 63,327

निफ्टी 18,816

मनु ने दूसरा पदक जीतकर रचा इतिहास, सरबजोत के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल में जीता कांस्य

ओलंपिक के एक संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं

प्रात : किरण

शेटराउ/एजेंसी। आत्मविश्वास से भरी मनु भाकर ने स्वतंत्रता के बाद एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रच दिया जिन्होंने सरबजोत सिंह के साथ पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम वर्ग में दक्षिण कोरिया को हराकर कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने कोरिया के ली वोन्हो और ओ ये जिन को 16.10 से हराकर देश को इस ओलंपिक में दूसरा पदक दिलाया। यह उपलब्धि उनकी पिछली सफलता के बाद आई है, जहां उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया था, जो भारतीय शूटिंग के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर था। भाकर की डबल पोडियम फिनिश ने न केवल 2024 पेरिस ओलंपिक में भारत की पदक तालिका खोली, बल्कि उन्हें भारतीय एथलीटों के एक विशिष्ट समूह में भी शामिल किया। वह पीवी सिंधु से जुड़ती है जो दो ओलंपिक पदक जीतने वाली एकमात्र भारतीय महिला थीं। तोक्यो ओलंपिक में मनु पिस्टल में खराबी आने के कारण फाइनल के लिये क्वालीफाई नहीं कर सकी थी लेकिन यहां दो पदक जीतकर उन्होंने हर जख्म पर मरहम लगा दिया। मनु को अभी 25 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भी उतरना है और उनके पास तीसरा पदक जीतने का भी मौका है। सरबजोत 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत वर्ग में क्वालीफिकेशन में 577 के स्कोर के साथ नौवें स्थान पर रहे थे और फाइनल में जगह नहीं बना सके थे। मनु और सरबजोत ने क्वालीफिकेशन दौर में 580 स्कोर करके कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बनाई थी। मनु ने जीत के बाद कहा, मैं बहुत ही गर्व महसूस कर रही हूं। सभी को शुभकामनाओं के लिये धन्यवाद। उन्होंने कहा, हम विरोधी टीम के प्रदर्शन पर नियंत्रण नहीं कर सकते लेकिन अपना प्रदर्शन तो अपने साथ में है। मैने और मेरे जोड़ीदार ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके अंत तक जुझारूपन नहीं छोड़ा।

पीएम मोदी ने दी बधाई : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पेरिस ओलंपिक 2024 में मंगलवार को 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर भारतीय निशानेबाजों मनु भाकर और सरबजोत सिंह को बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, हमारे निशानेबाज हमें गौरवान्वित करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर मनु भाकर और सरबजोत सिंह को बधाई। दोनों ने शानदार कौशल और टीम वर्क दिखाया है। भारत अविश्वसनीय रूप से प्रसन्न है।

मनु और सरबजोत को सीएम ने दी बधाई : पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पेरिस ओलंपिक 2024 की 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में कांस्य पदक जीतने वाली मनु भाकर एवं सरबजोत सिंह को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें दी हैं एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों ने अद्भुत कौशल और प्रतिभा के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है और देशवासियों को गौरवान्वित किया है। सुश्री मनु भाकर ने एक ही ओलंपिक में लगातार दो पदक जीते हैं, यह हम सभी के लिये गौरव की बात है।

संक्षिप्त खबरें

शाह ने केरल के मुख्यमंत्री से बात कर हर संभव मदद का आश्वासन दिया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बाद केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन से बात कर वायनाड में भूस्खलन के कारण उत्पन्न स्थिति के बारे में जानकारी ली तथा केन्द्र की ओर से उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि श्री शाह ने श्री विजयन के साथ टेलीफोन पर बात कर हादसे के बारे में विस्तार से जानकारी ली है। मंत्रालय ने कहा है कि श्री शाह ने केरल के मुख्यमंत्री को संकट की इस घड़ी में केन्द्र सरकार की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। उल्लेखनीय है कि वायनाड जिले के मेप्पाडी के नजदीक पहाड़ी क्षेत्र में भूस्खलन की घटनाओं में 10 लोगों की मौत हो गयी।

राहुल ने सरकार से वायनाड में राहत एवं बचाव कार्य तेज करने का आग्रह किया

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केरल के वायनाड में हुई विनाशकारी भूस्खलन की घटना के बाद मंगलवार को सरकार से राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने का आग्रह किया। श्री गांधी ने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान केरल के वायनाड में कई भूस्खलन की घटना के बारे में कहा, आज सुबह-सुबह वायनाड में कई विनाशकारी भूस्खलन हुए। 70 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। मुंडकाई गांव का संपर्क टूट गया है और त्रासदी के पैमाने के कारण लोगों की जान और व्यापक क्षति का आकलन अभी किया जाना बाकी है। उन्होंने कहा, मैंने रक्षा मंत्री और केरल के मुख्यमंत्री से बात की है। मैं केंद्र सरकार से अनुरोध करता हूं कि बचाव और चिकित्सा देखभाल के लिए हर संभव सहायता प्रदान की जाए, मृतकों को तत्काल मुआवजा दिया जाए।

राजनाथ ने वायनाड में बचाव अभियान के लिए सेना प्रमुख से बात की

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी से बात कर केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन की बड़ी आपदा से निपटने के लिए चलाये जा रहे बचाव अभियान के बारे में जानकारी ली है। रक्षा मंत्री के कार्यालय ने मंगलवार को बताया कि श्री सिंह ने जनरल द्विवेदी से बचाव अभियान में सेना की तरफ से हर संभव मदद पहुंचाने को कहा है। सेना की ओर से बताया गया है कि राज्य सरकार की ओर से मदद का अनुरोध मिलने पर सेना ने तत्काल चार टुकड़ियों को वहां रवाना कर दिया। सेना ने करीब ढाई सौ सैनिकों को बचाव अभियान में मदद के लिए भेजा है।

पुंछ में संदिग्ध आतंकी गतिविधि के बाद सुरक्षाबलों का तलाशी अभियान शुरू

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में मंगलवार को संदिग्ध गतिविधियां देखी गईं। इसके बाद सुरक्षाबलों ने जिले में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि जिले के एक दूरदराज गांव में दो आतंकवादियों की गतिविधि के बारे में सूचना मिली। इसके बाद घेराबंदी एवं तलाशी अभियान शुरू किया गया। कथित तौर पर काले कपड़े पहने दो हथियारबंद संदिग्धों को सोमवार देर रात देहरा की गली के पास सलामपुरा गांव में घूमते देखा गया। अधिकारियों ने बताया, पुलिस ने सूचना मिलने पर कोई देर न करते हुए राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ की मदद से संयुक्त अभियान शुरू किया। संदिग्ध आतंकवादियों को निचले पंगई इलाके की तरफ बढ़ते देखा गया। तलाशी अभियान जारी है। लेकिन अभी तक संदिग्ध आतंकवादियों से कोई संपर्क नहीं हो पाया है।

वायनाड के चूरलमाला में रात करीब 2 बजे हुआ भूस्खलन, तबाही का आलम

केरल: भूस्खलन से 63 की मौत, 100 घायल!

प्रात : किरण

वायनाड। केरल में वायनाड जिले के वेल्लारीमाला गांव में मंगलवार सुबह दो बड़े भूस्खलन की घटना में 63 लोगों की मौत हो गयी और 70 अन्य घायल हो गये। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक आठ महिलाओं सहित 43 शवों को वायनाड जिले के मेप्पाडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रखा गया है जबकि आठ अन्य शव वायनाड जिले के मेप्पाडी में निजी अस्पताल में रखे गये हैं। मलप्पुरम जिला पुलिस अधीक्षक एस शशिधरन ने संवाददाताओं को बताया कि पोथुकल में चलियार नदी में तैरते हुए मिले आठ शवों को नीलांबुर के सरकारी जिला अस्पताल में रखा गया है। जिले में पांच स्थानों पर पीड़ितों के कई शवों के अंग भी बरामद किए गए हैं।

पीड़ितों को बचाने के लिए आपातकालीन बल और पुलिस ने चलियार नदी में तलाशी अभियान शुरू किया है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की टीम ने भारी बारिश के बावजूद वायनाड जिले के कलपेट्टा शहर से 08 किलोमीटर दूर चूरलमाला नदी को पार किया और बचाव अभियान चलाया। रक्षा कर्मियों की एक टीम दोपहर करीब दो बजे चूरलमाला पहुंची और वहां फंसे 250 लोगों को बचाने के लिए चूरलमाला और मुंदकई को जोड़ने वाला एक अस्थायी पुल बनाया। उन्होंने बताया कि मुंदक्कई के पहाड़ी इलाकों में करीब 150 लोग फंसे हुए हैं और करीब 100 लोग एक रिसॉर्ट में फंसे हुए हैं। मलबे से शवों को निकालने के लिए डॉग स्क्वायड को भी लगाया गया है।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने घटना पर जताया दुःख

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को केरल के वायनाड में हुई भूस्खलन की घटना पर दुःख जताया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने आधिकारिक ट्वीटर हैंडल एक्स पर लिखा, केरल के वायनाड में हुए भीषण भूस्खलन में लोगों की मौत से दुःखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदना व्यक्त करती हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को केरल के वायनाड में भारी वर्षा और भूस्खलन से जानमाल की क्षति पर दुःख जताया है। उन्होंने केरल के मुख्यमंत्री से टेलीफोन पर बात कर हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स लिखा कि वायनाड के कुछ हिस्सों में भूस्खलन से व्यथित हूं। मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है और जो घायल हुए हैं। मैं उनके स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वायनाड में बचाव अभियान चल रहा है। इस संबंध में केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से टेलीफोन पर बातचीत की है। उन्होंने केंद्र की ओर से केरल के मुख्यमंत्री विजयन को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

झारखंड के जमशेदपुर से लगभग 80 किमी दूर बड़ाबम्बू के पास हुआ हादसा

मुंबई-हावड़ा मेल के 18 डिब्बे पटरी से उतरे; दो लोगों की मौत, 20 घायल

प्रात : किरण

जमशेदपुर/रांची/कोलकाता/एजेंसी। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में मंगलवार तड़के मुंबई-हावड़ा मेल के कम से कम 18 डिब्बे पटरी से उतर जाने के कारण दो लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना तड़के पौने चार बजे दक्षिण-पूर्व रेलवे (एसईआर) के चक्रधरपुर डिवीजन के अंतर्गत जमशेदपुर से लगभग 80 किलोमीटर दूर बड़ाबम्बू के पास हुई। एसईआर के प्रवक्ता ओम प्रकाश चरण ने बताया कि पास में एक मालगाड़ी के भी पटरी से उतरने की सूचना है, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ये दोनों दुर्घटनाएं एक साथ हुई हैं या नहीं। दुर्घटनास्थल पर मौजूद पश्चिम सिंहभूम जिले के उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने कहा, बड़ाबम्बू के पास हावड़ा-मुंबई मेल के 18 डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे दो लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य लोग घायल हो गए। बचाव अभियान जारी है।

एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा मोचन बल) की एक टीम मौके पर पहुंच रही है। दुर्घटनास्थल पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिलों की सीमा के पास है। एसईआर प्रवक्ता ने कहा, तड़के पौने चार बजे 22 डिब्बों वाली मुंबई-हावड़ा मेल के कम से कम 18 डिब्बे एसईआर की चक्रधरपुर डिवीजन के अंतर्गत बड़ाबम्बू रेलवे स्टेशन के पास पटरी से उतर गए। इन डिब्बों में 16 यात्री डिब्बे, एक पावर कार और एक पैंट्री कार शामिल है। एसईआर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, दुर्घटना में घायल यात्रियों को बड़ाबम्बू में चिकित्सा सहायता प्रदान करने के बाद बेहतर इलाज के लिए चक्रधरपुर ले जाया गया। अधिकारी के मुताबिक, बचाव अभियान जारी है। उन्होंने कहा कि यह ट्रेन सोमवार रात हावड़ा से रवाना हुई थी और मंगलवार तड़के बड़ाबम्बू रेलवे स्टेशन के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। स्थानीय प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि रेल दुर्घटना सरायकेला-खरसावां जिले के खरसावां ब्लॉक के पोटोबेड़ा में हुई। उन्होंने कहा, मुंबई-हावड़ा मेल और एक मालगाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हुई। अधिकारी प्रभावित यात्रियों की संख्या के बारे में पता लगा रहे हैं। अधिकारी के अनुसार, दुर्घटना के मद्देनजर एसईआर ने मंगलवार को कुछ यात्री और एक्सप्रेस ट्रेन रद्द कर दीं, जिनमें 22861 हावड़ा-टिटलागढ़-कांतबांजी इस्पात एक्सप्रेस और 12021 हावड़ा-बारबिल जनशताब्दी एक्सप्रेस शामिल हैं। उन्होंने बताया कि बड़ाबम्बू स्टेशन के पास हुई दुर्घटना के कारण कुछ अन्य ट्रेन की यात्रा या तो गंतव्य स्टेशन से पहले समाप्त कर दी गई है या फिर उनके मार्ग में बदलाव किया गया है। एसईआर ने एक बयान में बताया कि हादसे के बाद मुंबई, भुसावल, नागपुर, टाटा, चक्रधरपुर, राउरकेला, झारसुगुड़ा, हावड़ा, शालीमार और खड़गपुर के लिए अलग-अलग हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं।

देश के सभी हिस्सों में विकसित किये जा रहे हैं अन्न भंडारण केंद्र : शिवराज

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। सरकार ने कहा है कि किसानों की आय बढ़ाने और उनके लिए ढांचागत सुविधा विकसित करने के लिए देश के सभी हिस्सों में सरकार अन्न भंडारण की पर्याप्त व्यवस्था कर रही है ताकि किसान को खेती का पर्याप्त लाभ मिल सके। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को लोकसभा में एक पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि किसान अन्नदाता है, वह हमें अन्न देता है इसलिए किसान जीवनदाता भी है। सरकार के लिए किसान सेवा भगवान सेवा जैसी है इसलिए किसान का उत्पादन बढ़ाना भी एक सेवा है। किसान पर्याप्त अन्न उत्पादन कर देश का पेट भर रहे हैं इसलिए अन्न के भंडारण जैसी ढांचागत सुविधा के लिए सरकार ने एक लाख करोड़ रुपये की व्यवस्था की है और देश के हर हिस्से में अन्न भंडारण की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों को बेकार भूमि पर सोलर पैनल लगाने की सुविधा दी है। इससे वह बिजली बेचकर लाभ भी अर्जित कर सकता है और अपना सोलर पैनल लगाकर, वह इससे प्राप्त ऊर्जा से अपनी खेती को बढ़ाने का काम भी कर सकता है।

केंद्रीय मंत्री ने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि जल्दी खराब होने वाली फसलों के रखरखाव के लिए कोल्ड स्टोरेज का तेजी से निर्माण किया जा रहा है और हर जगह के किसान को यह सुविधा मिले, इसके लिए पर्याप्त कदम उठाए जा रहे हैं।

मनरेगा के तहत 100 दिन दिया जाएगा काम : मंत्री

नई दिल्ली/एजेंसी। सरकार ने मनरेगा को लेकर अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा है कि मनरेगा को बढ़ाने के लिए हर कदम उठाए जाएंगे और हर गांव में इसके तहत 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को लोकसभा में एक पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि 100 दिन का रोजगार देना सरकार की प्रतिबद्धता है। मनरेगा के लिए मोदी सरकार ने तीन गुना प्रावधान किया है और जरूरत पड़ी तो इसे और बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह रोजगार की योजना है और ग्रामीण क्षेत्र के लिए इसे हर हाल में जारी रखा जाएगा। ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने एक अन्य प्रश्न के जवाब में कहा कि मोदी सरकार ने मनरेगा का फंड कई गुना बढ़ाया है। सरकार मनरेगा के तहत हर गांव में 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराने के लिए काम कर रही है और यह काम तेजी से किया जा रहा है।

2047 तक हम विकसित भारत बनाएंगे : सीतारमण

वित्त मंत्री ने कहा-विकसित भारत के लिए है ये बजट 2024-25

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि साल 2047 तक हम विकसित भारत बनाएंगे। उन्होंने लोकसभा में केंद्रीय बजट 2024-25 पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि यह विकसित भारत का बजट है। वित्त मंत्री ने लोकसभा में केंद्रीय बजट 2024-25 के बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि यह बजट विकसित भारत के लिए है। भौगोलिक विकास के हिसाब से यह बजट तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत सरकार का विजन है इस इस वित्त वर्ष में 48.2 लाख करोड़ रुपये खर्च होने जा रहा है। उन्होंने सदन को बताया कि सरकार का व्यय तेजी से बढ़ा है, जो 48.21 लाख करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में इसमें 7.3 फीसदी और 2023-24 के पूर्व वास्तविक व्यय की तुलना में 8.5 फीसदी की वृद्धि होने का अनुमान है। सीतारमण ने कहा कि केंद्रीय बजट 2024-25, विकसित भारत की दिशा में पहला कदम है। उन्होंने अपने जवाब में कहा कि प्रधानमंत्री ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मैं बहुत अभिभूत हूं। उन्होंने कहा कि इससे मुझे और भी अधिक मेहनत करने की प्रेरणा मिलती है। वित्त मंत्री ने कहा कि हम सभी को वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए काम करना होगा। उन्होंने लोकसभा में बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि हम राजकोषीय घाटे को 2025-26 तक 4.5 फीसदी से नीचे लाएंगे। विपक्षी दलों के आरोपों पर बोलते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि मैं ये साफ कर देना चाहती हूं कि अगर किसी राज्य का बजट में नाम नहीं लिया गया, इसका मतलब यह कतई नहीं है कि उस राज्य को पैसे जारी नहीं किए गए। विपक्ष को लोगों के बीच ऐसी धारणा नहीं बनानी चाहिए।

स्वदेश में उपकरण निर्माण कर देश बन रहा है आत्मनिर्भर: मंत्री

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। सरकार ने कहा है कि देश को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है और जिन उपकरणों का पहले विदेश से आयात होता था, उनका घरेलू स्तर पर ही निर्माण हो रहा है तथा जरूरत पूरा होने के बाद उनका निर्यात भी किया जा रहा है। लोकसभा में वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने मंगलवार को एक सवाल के जवाब में कहा कि योजना थी कि बड़ी कंपनी आएंगी तो छोटे उद्योग भी विकसित होते रहेंगे। छोटे उद्योगों को बढ़ाने की योजना को और महत्वपूर्ण बनाया जा रहा है और बड़ी संख्या में इसमें तेजी से निवेश आ रहा है। कई राज्यों में इसको लेकर अच्छा काम मिल रहा है और मेक इन इंडिया के तहत विनिर्माण क्षेत्र में तेजी से काम हो रहा है। पहले जो उपकरण विदेश से आते थे, वे अब देश मे बन रहे हैं और घरेलू बाजार को बढ़ावा दिया जा रहा है।

सम्मेलन विकसित भारत की यात्रा: बजट 2024-25 के बाद का सम्मेलन को पीएम ने किया संबोधित

बीते दस वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले : मोदी

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विज्ञान भवन में विकसित भारत की यात्रा: केंद्रीय बजट 2024-25 के बाद का सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। यह कार्यक्रम कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री की ओर से आयोजित किया गया है। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, मेरा देश कभी पीछे नहीं हट सकता। भारत बहुत ही जल्द विकास के पथ पर दौड़ेगा। आज भारत किस ऊंचाई पर है। आज भारत 8 प्रतिशत की रफ्तार से ग्रो कर रहा है। आज हम सभी डिस्कस कर रहे हैं, जर्नी टुवार्ड विकसित भारत। यह बदलाव सिर्फ सेंटिमेंट का नहीं है यह बदलाव कॉन्फिडेंस का है। आज देश विकसित भारत के संकल्प को लेकर चल रहा है। बीते दस वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। हम देश के नागरिकों की क्वालिटी ऑफ लाइफ पर ध्यान दे रहे हैं। हमने कौशल विकास और रोजगार पर ध्यान केंद्रित किया है। इसमें मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया युवाओं की मदद कर रही है। मुद्रा योजना की मदद से आठ करोड़ से ज्यादा साथियों ने पहली बार कोई बिजनेस शुरू किया है। स्टार्टअप्स शुरू हुए हैं, लोगों युवाओं को इनमें काम मिला है। बजट में हुई पीएम पैकेज की घोषणा से चार करोड़ युवाओं को लाभ मिलेगा।

भारत बहुत सधे हुए कदमों से लगातार आगे बढ़ रहा : पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक ताकत है। और वो दिन दूर नहीं जब भारत दुनिया की तीसरे सबसे बड़े इकोनॉमिक पावर बन जाएगा। पीएम ने कहा, मैं जिस बिरादरी से आता हूं उस बिरादरी की पहचान बन गई है चुनाव से पहले जो बातें करते हैं चुनाव के बाद भुला देते हैं। मैं वैसा नहीं हूं। इसलिए मैं याद दिला देता हूं मैंने कहा था मेरे तीसरे टर्म में देश तीसरे नंबर की इकोनॉमी बनेगा। भारत बहुत सधे हुए कदमों से लगातार आगे बढ़ रहा है।

हम भारत को महासंकट से निकालकर इस ऊंचाई पर लाए: पीएम ने दावा किया कि हम भारत को उस महासंकट से निकाल कर इस ऊंचाई पर लाए हैं। बजट 16 लाख से 48 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। कैपेक्स जिसे रिसोर्स इन्वेस्टमेंट कहा जाता है यूपीए सरकार के पहले बजट में कैपेक्स के लिए 90 हजार करोड़ था, इस साल सरकार चलाने के बाद 2014 में यह बजट 2 लाख करोड़ रुपये था। आज कैपेक्स 11 लाख करोड़ रुपये से भी ज्यादा है। हमारी सरकार में कैपेक्स 5 गुना की रफ्तार से बढ़ा है। बात सिर्फ बजट बढ़ाने की नहीं है बात गुड गवर्नेंस की है। पहले बजट की घोषणाएं भी जमीन पर नहीं उतार पाते थे। ऐसी अनिश्चितता के समय में भी विदेशी मुद्रा भंडार में अच्छी खासी वृद्धि हुई है। हाई ग्रोथ लो इन्फ्लेशन वाला इकलौता देश है। इतनी बड़ी महामारी के बावजूद भारत का फिस्कल प्रूडेंस पूरी दुनिया के रोल मॉडल है।

दिल्ली कोचिंग हादसे पर हाई कोर्ट में याचिका, आज सुनवाई

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के राव आईएएस स्टडी सर्कल के बेसमेंट में तीन यूपीएससी परीक्षार्थियों की मौत की उच्चस्तरीय जांच की मांग वाली याचिका पर 31 जुलाई को सुनवाई करेगा। मंगलवार को याचिकाकर्ता कुटुंब की ओर से वकील रुद्र विक्रम सिंह की ओर से कार्यकारी चीफ जस्टिस मनमोहन की अध्यक्षता वाली बेंच से जल्द सुनवाई की मांग की गई। इसके बाद कोर्ट ने 31 जुलाई को सुनवाई करने का आदेश दिया। कुटुंब नामक संस्था की ओर से याचिका दायर कर कहा गया है कि इस मामले की जांच के लिए उच्चस्तरीय कमेटी का गठन किया जाए। याचिका में मांग की गई है कि दिल्ली में चल रहे कोचिंग संस्थानों के अनधिकृत व्यावसायिक निर्माण और बिना किसी मानक के चलाए जाने की जांच का दिशा-निर्देश जारी किया जाए। याचिका में कहा गया है कि विभागों के अधिकारियों के भ्रष्टाचार की वजह से पिछले कुछ सालों में कई जानें चली गई। याचिका में दिल्ली सरकार, दिल्ली नगर निगम, दिल्ली जल बोर्ड और दिल्ली फायर सर्विस को पक्षकार बनाया गया है। वकील सत्यम सिंह ने कार्यकारी चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर मांग की है कि दिल्ली के सभी कोचिंग सेंटर और लाइब्रेरीज का सुरक्षा आडिट कराया जाए। पत्र में मांग की गई है कि दिल्ली नगर निगम के सभी नियमों, आग से सुरक्षा संबंधी नियमों और बिल्डिंग से जुड़े सभी नियमों का कड़ाई से पालन किया जाए। पत्र में कहा गया है कि बाढ़ से सुरक्षा से उपकरण स्थापित किए जाएं और नालियों की उचित व्यवस्था हो खासकर बेसमेंट के लिए। पत्र में मांग की गई है कि इस पत्र पर हाई कोर्ट स्वतः संज्ञान ले और कार्यवाही करे।

संक्षिप्त खबरें

यूजी सेमेस्टर-वन व बी लिस के छात्राओ का इंडक्शन मीट का किया आयोजन

दानापुर खगौल नगर के अंतर्गत महिला कॉलेज खगौल में सत्र 2024 - 2028 बैच के यूजी सेमेस्टर-1 एवं बी लिस के छात्राओ का इंडक्शन मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज की प्राचार्या उषा विद्यार्थी ने किया। उन्होने छात्राओं को अनुशासन, नियमित उपस्थिति, कॉलेज के नियमों और शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक गतिविधियों के विषय में जानकारी दी। अर्थशास्त्र की विभागाध्यक्ष डा बुलबुली कानू ने छात्राओं को यूनिफॉर्म में आने की सलाह दी। डॉ उदयराज उदय ने फणीश्वरनाथ रेणु के उपन्यास कितने चौराहे के माध्यम से छात्राओं को बताया कि लक्ष्य की प्राप्ति बिना भटकाव के कैसे की जा सकती है। कालेज की डा आराधना सिंह, डॉ खुशबू फातमा, डॉ सुमन कुमारी, डॉ शालिनी कुमारी, डॉ मधुश्री, डॉ दिलीप कुमार चौधरी, डॉ शैलेंद्र कुमार, रुचिका, निशु, डॉ हरिशंकर कुमार ने अपने-अपने विषयों के संबंध में अहम जानकारी देते हुए लक्ष्य साध कर पढाई करने एवं अनुशासन को जीवन में अपना कर आगे बढने की बात कही। नामांकित नई छात्राओं को कॉलेज के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों से परिचय कराया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन डा मधु श्री ने किया।

अपार्टमेंट के लिफ्ट का लोहा बांधने के दौरान नीचे गिड़ने से एक मजदूर की मौत

दानापुर। नगर के रूपसपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत नहर रोड स्थित पीलर संख्या 214 के निकट एक अपार्टमेंट के 11 वे तल्ले पर लिफ्ट का लोहा बांधने के दौरान नीचे गिड़ने से एक मजदूर की मौत हो गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई में जुटी। इस संबंध में मृतक के भाई वैशाली के लालगंज थाना क्षेत्र के सिरसाविरन निवासी अशोक कुमार साह के ब्यान पर पुलिस ने शिकायत दर्ज की है। प्राप्त समाचार के अनुसार वैशाली के लालगंज थाना क्षेत्र के सिरसाविरन निवासी अनिल कुमार साह 32 वर्षीय नहर रोड स्थित पीलर संख्या 214 के निकट एक कंस्ट्रशन कंपनी के अपार्टमेंट में काम कर रहा था। इसी में उसका भाई अशोक भी काम करता था। पुलिस को दिये ब्यान में अशोक ने बताया कि अपार्टमेंट के 11 वे तल्ले पर लिफ्ट लगाने का कार्य चल रहा था। इसी क्रम में लोहा बांधने के दौरान पैर फिसलने से अनिल नीचे गिड़ गया। जिससे वो गंभीर रूप से जख्मी हो गया। गंभीरावस्था में लोग उसे लेकर अस्पताल भागे जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

महिलाओं के लिए हेल्थ कैंप

पटना सिटी (प्राकि)। राधेश्याम परिवार सेवा संस्थान एवं इनर व्हील क्लब का पाटलिपुत्र के द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। महिलाओं के लिए आयोजित स्वास्थ्य शिविर का आयोजन मिरचाई गली स्थित क्लिनिक में डॉ अर्चना कुमारी एवं डॉ विवेक रंजन के नेतृत्व में किया गया। जिसमें करीब 65 महिलाओं की समस्याओं को सुन कर चिकित्सकीय परामर्श दिया गया।

दादी जी का झूलन महोत्सव चार को

पटना सिटी (प्राकि)। श्री दादी जी भक्त मंडल पटना सिटी के तत्वावधान में चार अगस्त रविवार को मिरचाई गली स्थित श्री राणी सती दादी मंदिर परिसर में श्रावण मास के पर धार्मिक आयोजन किया गया है। एक दिवसीय श्री दादी जी झूलन महोत्सव होगा। मंडल के उपाध्यक्ष चंद्र प्रकाश झुनझुनवाला और मीडिया प्रभारी संजीव देवड़ा ने बताया कि श्रावण मास पर श्री दादी जी का झूलन महोत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर हरियाली, फल-फूल के श्रृंगार के बीच दादी जी को झूलन पर बिठाकर उनका श्रृंगार किया जाएगा। दादी जी का अलौकिक श्रृंगार, मेहंदी उत्सव, छप्पन भोग, सामूहिक मंगल पाठ का आयोजन किया गया है। मंगल पाठ को स्वर देंगी अर्चना और संध्या। महोत्सव को सफल बनाने में सहयोगी संस्था श्री नारायणी महिला मंडल की सदस्याएओं के साथ अध्यक्ष प्रभु दयाल भरतिया, अमित झुनझुनवाला, राजाराम शर्मा, प्रशांत झुनझुनवाला, अशोक झुनझुनवाला, सतीश अग्रवाल, ओम राजगढ़िया, पप्पू मोदी, पवन मोदी, संजीव त्रिपाठी आदि सक्रिय हैं।

निरोग रहने को जागरुकता अभियान

पटना सिटी (प्राकि)। मेहंदीगंज के हकीमगंज के समीप आयोजित योग सह जागरुकता कार्यक्रम में योग गुरु अजीत सिंह ने कहा कि उल्टा पैदल चलने से जोड़ों के दर्द, खासतौर पर घुटने के दर्द में राहत मिलती है। लीवर व किडनी की बीमारी से बचाव होता है। कार्यक्रम का संचालन सहयोगी बाल्मिकी प्रसाद और धन्यवाद ज्ञापन प्रशांत कुमार ने किया। आयोजन में उपस्थित लोगों से अभ्यास भी कराया गया और उल्टा पैदल चलने व दौड़ने के फायदे बताए गए।

एम्स पटना में आई बैंक जल्द ही हो जाएगा कार्यशील : जी के पाल

एलवीपीईआई हैदराबाद आई बैंक टीम के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

पटना। एम्स पटना में एलवी प्रसाद आई इंस्टीट्यूट हैदराबाद के सहयोग से स्ट्रेट ऑफ आई बैंक की स्थापना की जाएगी। एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक और सीईओ प्रो डॉ गोपाल कृष्ण पाल की उपस्थिति में एलवीपीईआई हैदराबाद आई बैंक टीम के साथ चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर डॉ अनूप कुमार ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस अवसर पर प्रो डॉ गोपाल कृष्ण पाल ने कहा कि 2022 में उनके योगदान के बाद राज्य अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन, बिहार से पंजीकरण के बाद कॉर्निया प्रत्यारोपण केंद्र को मंजूरी दी गई थी, लेकिन डोनर कॉर्निया के लिए अन्य नेत्र बैंकों पर निर्भरता के कारण अब तक केवल कुछ ही कॉर्निया प्रत्यारोपण किए गए हैं। इस एमओयू के साथ, एम्स पटना में आई बैंक जल्द ही कार्यशील हो जाएगा, जो एम्स पटना में एक ऐतिहासिक सेवा होगी। इस अवसर पर नेत्र रोग विभागाध्यक्ष प्रो डॉ अमित राज ने इस अवसर को इस क्षेत्र के कॉर्निया दृष्टिहीन लोगों के लिए महत्वपूर्ण बताया, जो कॉर्निया प्रत्यारोपण के लिए राज्य के बाहर जाने को मजबूर हैं। पहले चरण में, एलवीपीईआई हैदराबाद ने एम्स ऋषिकेश, आईएमएस बीएचयू वाराणसी और क्षेत्रीय नेत्र विज्ञान संस्थान, सरकारी मेडिकल कॉलेज गुवाहाटी में नेत्र बैंक स्थापित किया है। दूसरे चरण में. एलवीपीईआई हैदराबाद ने नेत्र बैंक विकसित करने के लिए एम्स पटना और क्षेत्रीय नेत्र विज्ञान संस्थान, रिम्स रांची का चयन किया है। प्रो डॉ प्रेम कुमार डीन एकेडमिक्स, डीडीए नीलोत्पल बल, एफ एंड सीएओ प्रो त्रिभुवन कुमार, संकाय प्रभारी खरीद डॉ बिनोद कुमार पति और एलवीपीईआई आई बैंक प्रभारी श्री हरिहरन और आई बैंक मैनेजर श्री श्रीनिवास इस अवसर पर उपस्थित थे।

एसडीओ ने कोचिंग संस्थान जाकर की जांच-पड़ताल

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

बहादुरपुर थाना क्षेत्र के बाजार समिति और बहादुरपुर मुहल्ला में स्थित कोचिंग संस्थान और पुस्तकालय की जांच एसडीओ गुंजन सिंह ने जाकर मंगलवार को की। इस दौरान दस कोचिंग संस्थान और पुस्तकालय की जांच जिलाधिकारी डॉ चंद्रशेखर सिंह के निर्देश पर अनुमंडल प्रशासन की टीम ने की है। एसडीओ गुंजन सिंह के नेतृत्व में जांच को पहुंची टीम ने संस्थानों में बुनियादी सुविधाएं, फायर सेफ्टी, भवन में आने-जाने कारास्ता सहित अनेक बिंदुओं पर जांच-पड़ताल की गई। एसडीओ ने संचालकों को निदेशित किया कि वो मानक के अनुकूल सुविधाएं उपलब्ध कराएं। जांच के दौरान फायर आफिसर गयानंद सिंह, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, बहादुरपुर थानाध्यक्ष पुणेर्दु कुमार व दंडाधिकारी के साथ अन्य शामिल थे। एसडीओ ने बताया कि जांच रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेजा जाएगा। इसके बाद जिला स्तर पर जो फैसला होगा, उसका अनुपालन कोचिंग संस्थानों से कराया जाएगा।

चेन स्नेचर समेत एक दुकानदार को किया गिरफ्तार

प्रात :किरण संवाददाता

दानापुर नगर के। रूपसपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस ने दो चेन स्नेचर समेत एक दुकानदार को गिरफ्तार किया। पुलिस इनके पास से एक सोने का चेन व घटना में प्रयुक्त अपाची बाइक भी बरामद किया। गिरफ्तार स्नेचरो में एक अरशद का अपराधिक इतिहास रहा है। वो पहले भी जेल जा चुका है। इसके विरूद्ध रूपसपुर, हवाई अड्डा एवं फुलवारीशरीफ थाने छीनतई, लूट व आर्मस एक्ट के मामले दर्ज है। बताया जाता है कि सोमवार को पूर्वी रूपसपुर निवासी निवासी प्रकाश कुमार अपनी पत्नी के साथ बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान लोरिस्टन वेली स्कूल के निकट पीछे से आये बाइक सवार बदमाशो ने उनकी पत्नी के गले से सोने का चेन झपट कर भागने लगे। जिस पर वे हल्ला करते पीछे भागे। जिस पर लोगो ने एक बदमाश को कुछ दूरी पर धड दबोचा व पुलिस को सौप दिया। पकड़े गये बदमाश की पहचान फुलवारी थाना क्षेत्र के बिरला कालोनी निवासी अरशद के रूप में हुआ। उसके पास से महिला की चेन व बाइक भी बरामद किया गया। उसके निशानदेही पर पुलिस ने फुलवारी के नौसा निवासी रोहित उर्फ छोटू व स्नेचरो से चेन खरीदने वाले एक दुकानदार सबजपुरा निवासी सूरज कुमार को गिरफ्तार किया। एएसपी दीक्षा ने बताया कि रूपसपुर में सोमवार की शाम एक महिला से सोने का चेन छीनकर भाग रहे एक बाइक सवार बदमाश अरशद को लोगो के सहयोग से पकड़ा। जिसके पास से एक सोने का चेन बरामद व घटना में प्रयुक्त अपाची बाइक बरामद किया गया। उसके निशानदेही पर फुलवारी के नौसा निवासी रोहित कुमार उर्फ छोटू व चोरी का चेन खरीदने वाले सोनारी दुकानदार सूरज कुमार को सबजपुरा से गिरफ्तार किया गया। उन्होने बताया कि अरशद का अपराधिक इतिहास रहा है। उसके विरूद्ध रूपसपुर, हवाई अड्डा एवं फुलवारीशरीफ थाने छीनतई, लूट व आर्मस एक्ट के तहत मामले दर्ज है। पूर्व में वो जेल जा चुका है।

तख्तश्री पटना साहिब के ज्ञानी इकबाल सिंह को फिर जत्थेदार बनने से रोकें

सेवादार कल्याण समिति के संरक्षक ने श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार को भेजा पत्र

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

सेवादार कल्याण समिति के संरक्षक बलराम सिंह ने कहा कि पंथक गुटों में यह बात सुनने में आ रही है और वृहद चर्चा है कि प्रबंधक कमेटी, तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के कुछ पदाधिकारीगण और सदस्य ज्ञानी इकबाल सिंह को फिर से टकसारी पटना साहिब का जत्थेदार बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इसे लेकर पत्र भी श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघुवीर सिंह को भेजा गया है। पत्र में कहा गया है कि ज्ञानी इकबाल सिंह जत्थेदार के लिए किसी भी तरह से उपयुक्त नहीं हैं। इसमें कारण बताते हुए कहा गया है कि उन्होंने तीन शादियां की हैं। उनकी पहली पत्नी इंद्रजीत कौर, दूसरी बलजीत कौर और तीसरी बनाए गए पासपोर्ट के अनुसार कुलबंत कौर है। यह पासपोर्ट नौ जुलाई, 2005 को क्रमांक 2-087456 के माध्यम से पटना में जारी किया गया। यही नहीं, तीन जुलाई, 1993 को भी इन्होंने एक युवा छात्र के साथ कुकर्म किया था, जिसका भी साक्ष्य है। उनके पुत्र गुर प्रसाद सिंह शराब आदि की तस्करी करता है। शराब की बरामद भी हुई है और इस संबंध में मुकदमा 79/2021 दर्ज है। गुर प्रसाद ने तख्त साहिब के आवास पर मांस, शराब, धूम्रपान आदि के साथ वीडियो वायरल हुआ था। हम सेवादार कल्याण समिति पटना साहिब के संरक्षक के रूप में आपसे अनुरोध करते हैं कि यदि इकबाल सिंह को किसी भी कीमत पर तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब का जत्थेदार नहीं बनाया जाना चाहिए। आप इसमें प्रत्यक्ष रूप से हस्तक्षेप करें, ताकि पटना साहिब का माहौल खराब नहीं हो पाए।

खगौल केन्द्रीय विद्यालय में खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रात :किरण संवाददाता

दानापुर खगौल नगर के अंतर्गत। मंगलवार को केन्द्रीय विद्यालय में खेलकूद प्रतियोगिता 2024 का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता 30 व 31जुलाई को होगा। यह प्रतियोगिता केन्द्रीय विद्यालय संगठन प्रत्येक वर्ष अपने विद्यार्थियों के लिए आयोजित करती है। इस आयोजन मे लगभग 200 लड़कियों ने भाग लिया। जहां बच्चियों को जुडो, हैंडबाल,एवं बॉक्सिंग मे बच्चियों के बीच मुकाबला कराई जाएगी। मौके पर केंद्रीय विद्यालय खगौल के प्राचार्य श्रीमती स्निग्धा आनंद ने बताया कि इस प्रतियोगिता के चयनित छात्रों आगे राष्ट्रीय मुकाबले में भाग लेने का मौका मिलेगा। जिसके लिए उन छात्रों को अलग से प्रशिक्षित भी किया जायेगा, ताकि हमारे संभाग का प्रदर्शन राष्ट्रीय स्तर पर ज्यादा से ज्यादा बेहतर हो सके। प्राचार्य ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहाँ कि बच्चों को नियमित योगाभ्यास, खेलकूद और संतुलित भोजन करके अपना शारीरिक एवं मानसिक विकास करना चाहिए इसके बाद ही शिक्षा में अच्छा प्रदर्शन कर अपने देश का नाम रौशन कर सकते है।

वही शारीरिक शिक्षा के शिक्षक एवं प्रतियोगिता के संयोजक प्रभात कुमार ने बताया कि इस प्रतियोगिता के लिए लगभग सभी रेफरी बिहार सरकार के विविध खेल संगठनो से बुलाएँ गए है।

अपहरण का झुठा नाटक करने वाला युवक गिरफ्तार

प्रात :किरण संवाददाता

दानापुर। रूपसपुर ने अमित रंजन द्वारा खुद के अपहरण का झुठा नाटक करने का खुलासा कर दिया। एएसपी दीक्षा ने बताया अमित रंजन ने आन लाईन गेम्स खेलने में कर्ज लेकर हारे हुए करीब बीस लाख रूपए को लेकर अपहरण का झुठा नाटक रचा था।26 जुलाई को उसकी पत्नी मनीषा ने रूपसपुर थाना आकर खबर दी थी कि उसके पति अमित रंजन का अपहरण कर लिया गया है और बीस लाख रुपए मांगा जा रहा है।साथ ही बताई कि 25 जुलाई अमित गोला रोड स्थित लवकुश नगर से खगड़िया जाने के लिए निकले थे।रात को वाट्सएप मैसेज कर बताया कि सिमरी बख्तियारपुर में उनका अपहरण कर लिया गया है और बीस लाख रुपए मांगा जा रहा है। जिसको देखते हुए रूपसपुर थानाध्यक्ष द्वारा एक टीम बनाकर सहरसा भेजा गया। लेकिन वहां अमित के संदर्भ में कोई जानकारी नहीं मिली। बावजूद छानबीन की जा रही थी। तभी मालूम चला कि अमित आन लाईन गेम्स खेलता था और अपने दोस्तों से रूपए लेते रहता था। बीच-बीच में विश्वास जमाने के लिए कुछ रूपए वापस भी करते रहता था। उसके बाद भी उसके उपर करीब बीस लाख कर्ज हो चुके हैं। रूपए देने को लेकर लोगों द्वारा दवाब दिया जा रहा था।परत दर परत बात खुलने लगी तो अमित ने सोमवार को रूपसपुर थाना में फोन कर बताया कि वह सकुशल है। एएसपी ने बताया कि अमित ने जिन लोगों से रूपए लिया है। उससे शिकायत दर्ज कराया जा रहा है। उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। बताया जाता है कि अमित शेखपुरा के बरबिघा का रहने वाला है और रूपसपुर के लवकुश नगर रहता है। छानबीन की जा रही है।

सावन के मंगलवार को भगवती व हनुमान जी का हुआ श्रृंगार

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

सावन मास में एक तरफ जहां बाबा भोलेनाथ की पूजा की जाती है, तो शिव के साथ लोग शक्ति की भी आराधना करना नहीं भूलते हैं। यही कारण है कि श्रवण मास के दूसरे मंगलवार को शक्तिपीठ स्थल श्री बड़ी पटनदेवी, श्री छोटी पटनदेवी मंदिर से लेकर विभिन्न भगवती मंदिरों में भगवती का श्रृंगार किया गया। इस दौरान दोपहर से लेकर शाम तक महिलाओं की टोली भजन कीर्तन भी करती रहीं। रात में कुछ मंदिरों में पुरुषों के द्वारा भी भजन किया गया। श्री बड़ी पटनदेवी में महंत विजय शंकर गिरी, विकास गिरी, श्री छोटी पटनदेवी मंदिर में आचार्य अनंत अभिषेक द्विवेदी, विवेक द्विवेदी, श्री प्राचीन काली मंदिर नीम घाट खाजेकलां में मुन्ना बाबा, दीरापर स्थित श्मशान काली मंदिर में आचार्य शशिकांत मिश्रा की देखरेख में भगवती का श्रृंगार किया गया।

अगमकुआं स्थित श्री शीतला माता मंदिर, प्यारेलाल का बाग स्थित बुढ़िया माई के मंदिर से लेकर अन्य भगवती मंदिरों से एवं हनुमत मंदिरों में भी श्रृंगार किया गया। श्री जल्ला वाले हनुमान मंदिर, श्री काले हनुमान मंदिर में पंडित राजेश मिश्रा की देखरेख में, श्री संकट मोचन हनुमत मंदिर से लेकर अन्य हनुमत मंदिरों में भी हनुमान जी का श्रृंगार कर उन्हें तुलसी का माला और लड्डू व चना का भोग अर्पित किया गया।

खास विषय पर छात्रों का दो ग्रुप बना प्रतियोगिता कराना फायदेमंद

- बढ़ता है आत्मविश्वास व मिलता है फायदा

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

प्रतियोगिता प्रतिस्पर्धी भावना को प्रोत्साहित करने का एक सुंदर तरीका है। यही कारण है कि छात्र-छात्राओं को स्वच्छ एवं निष्पक्ष प्रतिस्पद्धि माहौल प्रदान करने की कोशिश की गई है, ताकि वे हर क्षेत्र की गतिविधियों में विकास कर सकें। मंगलवार को टेढ़ी घाट स्थित इन्फेंट जीसस स्कूल परिसर में छात्र-छात्राओं के बीच वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसकी शुरूआत मुख्य अतिथि अनुज नरेंद्र चवण, विद्यालय के निदेशक पास्कल पीटर ओस्टा, प्रधानाचार्य रंजन जोसेफ, पीआरओ शुभदा रंजन ने दीप जला कर किया। प्रतियोगिता हिन्दी और अंग्रेजी में आयोजित की गई थी इसमें कक्षा छह से 12 तक के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। वर्ग छह से आठ तक का हिन्दी माध्यम का विषय बढ़ती हुई जनसंख्या भारतीय अर्थव्यवस्था की दृष्टि से वरदान है या अभिशाप। वहीं कक्षा 9 से 12 का विषय था क्या स्कूल में राजनीति के बारे में चर्चा से बचना चाहिएं। अंग्रेजी माध्यम में वर्ग छह से आठ के छात्रों ने आर वार्स एन इजीयर वे टू सॉल्व द इंटरनेशनल डिस्प्यूट तथा नौवीं से 12वीं के छात्र ने जुवेनाइल शुड बी ट्राइड एंड टेस्टेड लाइक एडल्ट्स था। छात्र-छात्राओं ने पक्ष और विपक्ष में अपने तर्क समूह बनाकर रखा। वर्ग 6 से 8 से विपक्ष प्रस्ताव की जीत हुई। अच्छा वक्ता का खिताब तनवीय अग्रवाल एवं साक्षी बागला को मिला। अंग्रेजी माध्यम से भी विपक्ष प्रस्ताव की जीत हुई। अच्छे वक्ता तहसीया हसीन हुई नवमी से 12वीं से हिन्दी माध्यम से विपक्ष प्रस्ताव की जीत हुई। अच्छा वक्त रितु हुआ। अंग्रेजी माध्यम से पक्ष की जीत हुई। इसमें भी साद फारिक अच्छे वक्ता साबित हुआ। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों में तार्किक, बौद्धिक और आत्मविश्वास की भावना को विकसित करना था। इसका समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

बिहार पुलिस पर लोगों का बढ़ा विश्वास, सोशल मीडिया पर बना नंबर-1

फॉलोअर्स की संख्या में राज्य के अन्य सरकारी विभाग व संस्थाओं में सबसे आगे

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। प्रो-एक्टिव पुलिसिंग के साथ अपराध के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के कारण आमलोगों का बिहार पुलिस पर विश्वास बढ़ रहा है। परिणामस्वरूप, प्रदेश में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस पर अन्य सरकारी विभाग व संस्थाओं के मुकाबले अब बिहार पुलिस सबसे अधिक फॉलो किए जाने वाला सरकारी संस्थान बन गया है। बिहार पुलिस के सोशल मीडया प्लेटफार्मस एक्स पर दी गई जानकारी के मुताबिक फेसबुक, इंस्टाग्राम व ट्विटर पर लगभग 13 लाख 8 हजार फॉलोअर्स के साथ बिहार पुलिस अब राज्य में प्रथम स्थान पर पहुंच गई है। राज्य में तीनों प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मर्ट्स फेसबुक, इंस्टाग्राम व ट्विटर पर फॉलो किए जाने के मामले में बिहार पुलिस के बाद बिहार बोर्ड दूसरे नंबर पर है। तीसरे स्थान पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, बिहार है। भारतीय गुणवत्ता परिषद वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित एक स्वायत्त निकाय के एक सर्वे के अनुसार बिहार पुलिस के सोशल मीडिया पेज के बारे में 32 प्रतिशत लोगों को जानकारी है, वही इनमें से 62 लोगों ने बिहार पुलिस के अधिकारिक सोशल मीडिया प्लेट्सफॉमों को फॉलो कर रखा है। राज्य के अन्य सरकारी विभाग व संस्थाओं के मुकाबले फेसबुक पर भी बिहार पुलिस के ही सबसे अधिक फॉलोअर्स हैं। प्रदेश के अन्य सरकारी विभाग व संस्थाओं की तुलना में फेसबुक पर 7 लाख 12 हजार फॉलोअर्स के साथ सबसे अधिक फॉलोअर्स बिहार पुलिस के ही हैं। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, बिहार फेसबुक पर दूसरे स्थान पर है। जबकि बिहार में तीसरे स्थान पर बिहार बोर्ड है। देशभर में अन्य राज्यों की पुलिस के मुकाबले सोशल मीडिया पर कुल फॉलोअर्स की संख्या में बिहार पुलिस 5वें स्थान पर है। अन्य राज्यों की पुलिस की तुलना में ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर 1.3 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स के साथ बिहार पुलिस 5वें स्थान पर है। वहीं, पहले स्थान पर केरल, दूसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश है। फेसबुक पर बिहार पुलिस 7 लाख 12 हजार फॉलोअर्स के साथ अन्य राज्यों की पुलिस की तुलना में तीसरे नंबर पर है। बिहार पुलिस के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस पर फॉलोअर्स की संख्या में निरंतर वृद्धि : यदि बीते जून माह की बात की जाए तो बिहार पुलिस के फेसबुक पेज का रीच 90 लाख 30 हजार रहा साथ ही फॉलोअर्स की संख्या में 60 हजार 893 की वृद्धि हुई है। वहीं, बिहार पुलिस के इंस्टाग्राम का रीच 23 लाख से अधिक रहा एवं फॉलोअर्स की संख्या में 10 हजार 146 की वृद्धि हुई है। बीते माह जून में ट्विटर का रिच 23 लाख से अधिक है।

ड्राइवर से मारपीट कर ट्रक, मोबाइल और दस हजार रुपए की लूट

फतुहा। मंगलवार को नयका रोड से हथियारबंद अपराधियों द्वारा चालक के साथ मारपीट कर ट्रक, मोबाइल व दस हजार रुपए लूट लिए जाने का मामला सामने आया है। इस सन्दर्भ में ट्रक चालक हिलसा के लक्ष्मी बिगहा गांव निवासी धीरज कुमार ने थाने पर लिखित शिकायत दर्ज करायी है। यह घटना बीते सोमवार की है। ट्रक चालक धीरज कुमार के मुताबिक वह जहानाबाद जिले के घोषी थाना क्षेत्र के डहरपर गांव निवासी रेखा देवी का मिनी ट्रक चलाता है। बीते सोमवार को वह ट्रक पर कोकाकोला का पेय पदार्थ लेकर बिहटा गया था। माल अनलोड होने के बाद वह ट्रक लेकर बिहटा शरमेरा पथ होते हुए फतुहा आ रहा था। दिन में ही फतुहा थाना क्षेत्र के ढिबरा पर हाईस्कूल के पास दो बाइक पर सवार हथियारबंद अपराधियों ने ओवरटेक कर ट्रक रुकवा दिया। इसके बाद हथियार के बल पर मारपीट करते हुए दस हजार रुपया व मोबाइल फोन छीन लिया। पैसे व मोबाइल फोन छीनने के बाद अपराधियों ने ट्रक से नीचे उतार दिया तथा एक अपराधी ट्रक पर सवार होकर ट्रक को भी लेकर भाग गया। ट्रक चालक किसी तरह इसकी सूचना ट्रक मालिक रेखा देवी को दिया।

कृषि विज्ञान केंद्रों के साथ बिहार के जलीय पारिस्थितिकीय तंत्र संरक्षण पर की गई चर्चा

प्रात :किरण संवाददाता

पटनाः बिहार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान जोन-चार, पटना, बिहार के तत्वाधान में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें बिहार राज्य के जलीय पारिस्थितिकीय तंत्र के संरक्षण और विकास पर विचार-विमर्श किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विभिन्न कारकों की वजह से बिहार राज्य के जलीय परिस्थितिकीय तंत्र में हो रहे क्षरण को रोकना और इसमें कृषि विज्ञान केन्द्रों (केवीके) की भूमिका को चिन्हित करना था। कार्यशाला के मुख्य अतिथि डॉ. रंजयकुमार सिंह, सहायक महानिदेशक (कृषिप्रसार) भाकृअनुप, नई दिल्ली ने राज्य से आए 25 कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि आई.सी.ए.आर.नई दिल्ली(भारत सरकार) का कृषि प्रसार संभावयॉर्क विश्वविद्यालय डॉ. इलिन रजीव के साथ मिलकर जलीय पारिस्थितिकीय तंत्र और उसके आस-पास रहने वाले समुदायों के साथ समगतिशील जीविका पर एक अनुसंधान कर रहा है। डॉ. सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि भारत सरकार, जो कि रामसर अंतर-सरकारी संधि का सदस्य है, जलीय पारिस्थितिकीय तंत्र के विकास और संरक्षण के लिए विभिन्न योजनाओं और नीतियों पर काम कर रही है। कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान पटना के निदेशक डॉ. अंजनी कुमार सिंह के नेतृत्व में केवीके के लगभग 25 वैज्ञानिकों ने बिहार के 18 जिलों के जलीय पारिस्थितिकीय तंत्र की स्थिति का विश्लेषण प्रस्तुत किया। उन्होंने वहां की कृषि प्रणाली और समुदायों की जीविका की वर्तमान स्थिति का भी आकलन किया। कार्यशाला में यह पाया गया कि बिहार के जलीय पारिस्थितिकीय तंत्र जलवायु परिवर्तन, भौगोलिक बदलाव और सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन के कारण क्षरण का सामना कर रहे हैं। केवीके के वैज्ञानिकों, निदेशक और मुख्यअ तिथि ने इस पर जोर दिया किस मुदायों की क्षमता का विकास और कुछ तकनीकी उपायों के समावेश से जलीय तंत्र के क्षरण को रोका जा सकता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के जलीय पारिस्थितिकीय तंत्र पर यॉर्क विश्वविद्यालय के साथ किए गए अनुसंधान को प्रस्तुत करते हुए मुख्य अतिथि ने केवीके की गतिविधियों में इसे सम्मिलित करने का आग्रह किया। कार्यशाला का समापन सामूहिक सहभागिता बढ़ाने के दृष्टिकोण के साथ किया गया, जिससे जलीय पारिस्थितिकीय तंत्र और उससे संबंधित जीविका को नई रणनीतियों के माध्यम से सशक्त किया जा सके।

किसानों की होगी फार्मर रजिस्ट्री एवं डिजिटल क्रॉप सर्वे : मंगल

डिजिटल क्रॉप सर्वे विषय पर आयोजित प्रशिक्षण सह कार्यशाला में बोलें, कृषि मंत्री

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

कृषि मंत्री मंगल पाण्डेय ने कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों के हित में एक ऐसा डिजिटल प्लेटफार्म बनाया जा रहा है जिसपर किसानों का सभी विवरण यथा खेत का विवरण, खेत में उगाई जा रही फसल का विवरण, खेत का रकबा आदि उपलब्ध रहेगा। इन विवरण के आधार पर किसानों को सरकार द्वारा पारदर्शी तरीके से त्वरित गति से योजनाओं का लाभ दिया जा सकेगा, जैसे पीएम किसान सम्मान निधि, केसीसी की स्वीकृति, फसलों की अधिप्राप्ति, फसल क्षति का मुआवजा का भुगतान आदि। इन कार्यों में एग्रीस्टैक के माध्यम से ससमय निर्णय लिया जा सकेगा। कृषि मंत्री ने मंगलवार को डिजिटल क्रॉप सर्वे विषय पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला को संबोधित करते हुए उक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि बजट 2024 में भारत सरकार ने घोषणा किया है कि देश के 400 जिलों में डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य किया जायेगा। अगले 03 वर्षों में डिजिटल पब्लिक आधारभूत संरचना का विकास किया जायेगा, इसका उद्देश्य किसान तथा किसान की भूमि से संबंधित आँकड़ों को संग्रहित करना है। बिहार में पिछले रबी फसल मौसम से ही डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य 20 जिलों में कराया जा रहा है।

20 जिलों में डिजिटल क्रॉप सर्वे कराया गया :

इस अवसर पर कृषि विभाग के सचिव संजय अग्रवाल ने कहा कि पिछले रबी फसल मौसम में 20 जिलों के 2069 ग्राम में डिजिटल क्रॉप सर्वे कराया गया है। इस खरीफ फसल मौसम में राज्य के 28 जिलों के 10 हजार ग्राम में डिजिटल क्रॉप सर्वे कराने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने आगे बताया कि डिजिटल क्रॉप सर्वे के माध्यम से किसानों के खेत में वास्तविक रूप से उगाए जा रहे फसल का विवरण एवं क्षेत्रफल का डाटाबेस तैयार किया जायेगा। इससे फसल के आच्छादन एवं उत्पादन का सटीक आँकड़ा प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला के दूसरे दिन 28 जिलों के जिलास्तरीय पदाधिकायों एवं कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जायेगा।

दरअसल, कृषि मंत्री की अध्यक्षता में मंगलवार को कृषि भवन के सभागार में एग्रीस्टेक (डिजिटल क्रॉप सर्वे) विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर कृषि मंत्री व कृषि सचिव के अलावा कृषि निदेशक मुकेश कुमार लाल, निदेशक उद्यान अभिषेक कुमार, अपर सचिव, कृषि विभाग शैलेन्द्र कुमार सहित कृषि विभाग तथा राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के पदाधिकारीगण और सूचना प्राद्यौगिकी से संबंधित तकनीकी विशेषज्ञ उपस्थित थे। इस कार्यशाला में भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के डिजिटल क्रॉप सर्वे के परामर्शी महेश बोकाड़े तथा तकनीकी विशेषज्ञ कृति कुमारी ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से एग्रीस्टेक (डिजिटल क्रॉप सर्वे) की विशेषताओं के बारे में बताया तथा तकनीकी सत्र के दौरान एग्रीस्टेक ऐप एवं वेबपोर्टल के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

जदयू के प्रति जनता का झुकाव देखकर विचलित है विपक्ष :विजय

- विपक्ष अपनी भूमिका अदा करने में नकाम रहा है : लेसी सिंह
- राजद के शासनकाल में सत्ता संरक्षित अपराधियों का तांडव था: जमा खां

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार के जलसंसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा विपक्ष पर तंज कसा है। मंगलवार को जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के बाद मीडिया से मुखातिब श्री चौधरी ने कहा कि जदयू के प्रति जनता का झुकाव देखकर विपक्ष पूरी तरह से विचलित है और केवल अपना क्रेडिट स्कोर करने के लिए मीडिया में बयानबाजी कर रहा है। श्री चौधरी ने आगे कहा कि बिहार सरकार आशान्वित है कि सुप्रीम कोर्ट आरक्षण में बढ़ोत्तरी के मामलें पर पूरी सुनवाई कर हमारे पक्ष में फैसला देगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में जातीय गणना कराकर दलित, पिछड़ा और अतिपिछड़ा वर्ग के बढ़े हुए जनसंख्या के अनुरूप आरक्षण की सीमा में बढ़ोत्तरी का निर्णय लिया गया। हमारी सरकार ने आरक्षण की सीमा बढ़ाने का समुचित आधार दिया है, जनसंख्या के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक आँकड़े भी सरकार ने उपलब्ध कराएं हैं। साथ ही उन्होंने बार-बार हो रही रेल हादसों पर दुख जताया और चिंता जाहिर की। कहा कि केंद्र सरकार एवं रेलमंत्री इस विषय पर बेहद गंभीर है और जल्द ही इसके रोकथाम हेतु जरूरी उपाय किए जाएंगे। इस अवसर पर मंत्री लेसी सिंह ने कहा कि आरक्षण के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में जब सुनवाई होगी तो हमारी सरकार पूरी मजबूती से अपना पक्ष रखेगी। पूरा देश और प्रदेश इस बात का गवाह है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जातीय गणना के बाद आरक्षण में बढ़ोतरी का ऐतिहासिक फैसला लिया। साथ ही उन्होंने कहा कि विपक्ष को जनता के हितों से कोई सरोकार नहीं है, नेता प्रतिपक्ष विधानसभा के पूरे मानसून सत्र से गायब थे। विपक्ष अपनी भूमिका अदा करने में नकाम रहा है, जनता के प्रति उनकी उदासीनता का यह एक ठोस प्रमाण है। मंत्री जमा खां ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अपराध के विषय पर उपदेश देने से पहले अपने माता-पिता का कार्यकाल याद कर लें। राजद के शासनकाल में सत्ता संरक्षित अपराधियों का तांडव था और सूरज ढलते ही आम लोग घर से बाहर निकलने में भी डरते थें। साथ ही उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में विकास की लंबी लकीर खींची है। हमारे नेता पूरे बिहार को अपना परिवार मानते हैं और सभी के कल्याण में दिन-रात जुटे रहते हैं। इस अवसर पर मंत्रीगण ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचें आमजनों की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निष्पादन हेतु आवश्यक पहल की। इस दौरान अरुण कुमार सिंह, लोकप्रकाश सिंह एवं प्रो नवीन आर्या चंद्रवंशी मौजूद रहें।

आरक्षण को नौवीं अनुसूची में शामिल किया जाए : राजद

प्रवक्ता बोलें- जदयू और लोजपा रामबिलास केन्द्र सरकार पर बनाएं दवाब

प्रवक्ता बोलें- जदयू और लोजपा रामबिलास केन्द्र सरकार पर बनाएं दवाब

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए प्रवक्ता चितरंजन गगन एवं मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि बिहार आरक्षण को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करना जनता दल यू की नैतिक और वैधानिक जिम्मेदारी है। ज्ञातव्य है कि 1951 में संविधान में किये गये पहले संशोधन में नौवीं अनुसूची को जोड़ा गया था। इसमें शामिल कानूनों की न्यायिक समीक्षा नहीं हो सकती है। राजद प्रवक्ताओं ने कहा कि अगस्त 2022 में बिहार में महागठबंधन की सरकार बनने के बाद प्राथमिकता देते हुए बिहार में जातीय गणना करायी गई। हालांकि भाजपा के अपरोक्ष समर्थन और सहयोग से इसे बाधित करने का भरपूर प्रयास किया गया। राजद प्रवक्ताओं ने कहा कि जातीय गणना से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर महागठबंधन सरकार द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, इबीसी और ओबीसी के लिए आरक्षण के सीमा को बढ़ाया गया। शिक्षकों सहित अन्य नियुक्तियों में इसका लाभ अभ्यर्थियों को मिला। शिक्षण संस्थानों में भी इसका लाभ उक्त वर्गों को प्राप्त हुआ। राजद प्रवक्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा के अपरोक्ष समर्थन और सहयोग से बढ़ाये गये आरक्षण के खिलाफ उच्च न्यायालय ने रीट दायर की गई। उच्च न्यायालय द्वारा बढ़ाये गये आरक्षण पर रोक लगा दी गई। राज्य सरकार उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गयी है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट द्वारा उच्च न्यायालय के आदेश पर स्थगन देने से इंकार कर दिया गया है। राजद प्रवक्ताओं ने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अब राज्य में होने वाली नियुक्तियों में बढ़े हुए आरक्षण सीमा के लाभ से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अतिपिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थी वंचित रह जायेंगे। यदि सुप्रीम कोर्ट के अंतिम फैसले की प्रतीक्षा की जाती है तो फिर होने वाली नियुक्तियों में विलंब होगा और बहुत से छात्रों का सत्र छूट जायेगा। ऐसी स्थिति में यह अनिवार्य हो जाता है कि बिहार में बढ़ाये गये आरक्षण सीमा को संविधान की नौवीं अनुसूचि में शामिल किया जाए। राजद प्रवक्ताओं ने कहा कि जदयू प्रमुख एवं मुख्यमंत्री यदि केन्द्र सरकार पर दबाव बनाते हैं तो बिहार आरक्षण को नौवीं अनुसूचि में शामिल कर लिया जाएगा। राजद प्रवक्ताओं ने कहा कि जदयू के साथ हीं एनडीए में शामिल लोजपा (रामविलास) एवं हम पार्टी से भी हमें अपेक्षा है कि वे अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर बिहार आरक्षण को नौवीं अनुसूची में शामिल करवायें। संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश महासचिव मदन शर्मा, संजय यादव, निर्भय अम्बेदकर, अभिषेक सिंह एवं पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार यादव उपस्थित थे।

कार्यभार संभालते ही एक्शन में दिखे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

मुलाकातों का दौर जारी रहा, प्रदेश पदाधिकारियों के साथ की बैठक

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का कार्यभार संभालते ही एमएलसी और बिहार के मंत्री दिलीप जायसवाल एक्शन में नजर आ रहे हैं। सोमवार को अध्यक्ष पद संभालने के बाद उन्होंने मंगलवार को प्रदेश पदाधिकारियों के साथ बैठक की। दिलीप जायसवाल मंगलवार को दिल्ली से लौटते ही प्रदेश कार्यालय पहुंचे और प्रदेश पदाधिकारियों, प्रकोष्ठ तथा मंच प्रमुखों के साथ बैठक की। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, बैठक में उन्होंने सभी से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और अपने काम करने के तरीकों को संगठन के लोगों को बताया। इस दौरान दिलीप जायसवाल ने कहा कि मैं अपनी पहली बैठक संगठन को मजबूत करने के लिए शुरू कर रहा हूं, इसकी जिम्मेदारी मेरे कंधों पर है। उन्होंने बैठक में संगठन को मजबूत करने पर बल दिया। साथ ही कार्यकताओं को तरजीह और सम्मान देने की भी बात कही। बताया जा रहा है कि बैठक में बिहार में चल रही केंद्र सरकार की योजनाओं की भी चर्चा की गई है और इसे घर-घर पहुंचाने की भी योजना तैयार की गई है। दिलीप जायसवाल ने कहा कि इसे लेकर वो भाजपा कोटे के बिहार के मंत्रियों से भी बात करेंगे। सोमवार को जायसवाल प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के बुलावे पर दिल्ली गए थे और मंगलवार को वो वापस पटना पहुंचे हैं। दिलीप जायसवाल बिहार सरकार में मंत्री और एमएलसी हैं। केंद्रीय नेतृत्व ने उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाकर जायसवाल को प्रदेश का नेतृत्व सौंपा है।

राजद शासनकाल का आपराधिक बुलेटिन जारी करें नेता प्रतिपक्ष : उमेश

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने मंगलवार को बयान जारी कर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था के विषय पर नीतीश सरकार को जंगलराज के युवराज से नसीहत की आवश्यकता नहीं है। बिहार में सुशासन का राज है और इस सच से कोई भी इनकार नहीं कर सकता। बगैर प्रमाणिक आधार के ट्वीटर पर आपराधिक आँकड़े जारी कर तेजस्वी यादव जनता को गुमराह करने में कभी सफल नहीं होंगे। श्री कुशवाहा ने कहा कि लालू-राबड़ी की सरकार में सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग संगठित अपराध को बढ़ावा देते थे। तत्कालीन सरकार द्वारा अपराधियों को संरक्षण प्राप्त था। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव कभी अपने माता-पिता के शासनकाल का आपराधिक बुलेटिन जारी करने की हिम्मत जुटायें। उनके कलम की स्याही खत्म हो जाएगी लेकिन उस जंगलराज के काले और खौफनाक इतिहास का कोई अंत नहीं है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नीतीश सरकार में कानून के साथ खिलवाड़ करने वालों की खैर नहीं है। आपराधिक घटनाओं में शामिल असमाजिक तत्व अब किसी भी सूरत में बख्शे नहीं जाते हैं, सरकार उन्हें पाताल से ढूंढकर सलाखों के पीछे भेजती है और यही हमारे सुशासन की असली पहचान है। वहीं राजद के शासन में हत्या, लूट और अपहरण जैसी घटनाओं को अंजाम देने वाले अपराधी अपने बचाव के लिए सबसे पहले सरकार के शरण में जाते थे। श्री कुशवाहा ने कहा कि नीतीश सरकार के खिलाफ में बोलने के लिए विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है, जनता में केवल भ्रम फैलाने के लिए विपक्ष अनर्गल प्रलाप कर रहा है। जिस प्रकार लोकसभा चुनाव में बिहार की जनता ने श्री तेजस्वी यादव के झूठ की राजनीति को ध्वस्त करने का काम किया है, वही हश्र 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में भी होना तय है।

आम बजट से अलग हो रेल बजट, तभी रुकेंगी रेल दुर्घटनाएं: राठौड़

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पिछले हफ्तों में दर्जनों रेल हादसों का मुख्य कारण रेलवे के उन्नयन को स्थापित रेल बजट का मोदी सरकार द्वारा आम बजट में मर्ज करना रहा है क्योंकि इस कारण रेलवे अपने विकास के लिए समुचित फंड नहीं प्राप्त कर पा रहा है और न ही खुलकर काम कर पा रहा है। ये बातें बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने कही। उन्होंने कहा कि देश के आम आदमी के लिए दूरस्थ क्षेत्रों में पहुंचने का सस्ता और सुगम व्यवस्था है भारतीय रेलवे लेकिन इस सरकार में इसे भी आम जनता से दूर करने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। आज लगातार रेल दुर्घटनाएं हो रही हैं लेकिन मजाल है कि कोई रेल मंत्री इस्तीफा दे कर नैतिकता का प्रदर्शन करें। बिहार कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने कहा कि देश के आम नागरिकों की रेल को भी महंगा कर दिया गया और सुविधाओं के नाम पर टिकट के दाम बढ़ा दिए गए लेकिन आज आम भारतीय जब ट्रेन पर चढ़ता है तो पूरा परिवार भयभीत रहता है कि क्या पता रेलवे की यह आखिरी यात्रा न साबित हो जाएं। केंद्रीय रेल बजट को समाप्त करके आम बजट में जब से रेलवे को डाला गया है तब से पूरी तौर पर रेलवे का विकास अवरूद्ध है और कोई रेल यात्रा सुरक्षित नहीं रहा। आज ट्रेन की रफ्तार उन्हीं पुरानी पटरियों पर बढ़ाने की कवायद की जा रही है और बिना नए कर्मचारियों के भर्ती के उन ट्रैक्स पर ट्रेन को अधिकतम गति पर चलाने का प्रयोग किया जा रहा है जो घोर निंदनीय है। प्रधानमंत्री को यदि सच में जनता के प्रति जिम्मेदारी है तो रेल मंत्री से इस्तीफा लेकर केंद्रीय बजट से रेलवे बजट को अलग करने का ऐलान करना चाहिए।

09 अगस्त से रालोमो का सदस्यता अभियान की शुरूआत

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व भारत सरकार के पूर्व मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा के निदेशार्नुसार बिहार के 38 जिलों में बुथ स्तर तक पार्टी की सदस्यता अभियान चलाई जायेगी जिसका शुभारंभ क्रांति दिवस 09 अगस्त से होगी। उक्त आशय की जानकारी राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश महासचिव व प्रवक्ता राम पुकार सिन्हा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी है। श्री सिन्हा ने बताया की सदस्यता अभियान की शुरूआत के पूर्व बिहार के 38 जिलों में दिनांक 01 अगस्त से 07 अगस्त तक पार्टी की बैठक आयोजित की गई है। जिसमे 01 अगस्त को मधुबनी, मुजफ्फरपुर, लखीसराय, समस्तीपुर, जहानाबाद, पश्चिम चम्पारण जिला में, 02 अगस्त को नवादा, औरंगाबाद, भागलपुर, सीतामढ़ी, गोपालगंज, बेगुसराय, सहरसा जिला में, 03 अगस्त को रोहतास, शेखपुरा, सिवान, शिवहर, मधेपुरा, मुंगेर जिला में, 04 अगस्त को जमुई, बांका, कैमूर, वैशाली, पूर्वी चंपारण, सुपौल, किशनगंज जिला में, 05 अगस्त को खगड़िया, कटिहार, भोजपुर, अरवल, दरभंगा, पूर्णिया जिला में, 06 अगस्त को सारण, नालंदा, अररिया, बक्सर, पटना जिला में तथा 07 अगस्त को गया जिला में बैठक होगी। जिसमे क्षेत्रिय प्रभारी, जिला प्रभारी, जिला अध्यक्ष एवं जिले के प्रखण्ड स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर के नेता को उपस्थित होना अनिवार्य है। पार्टी के प्रभारी प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी एवं सदस्यता अभियान प्रभारी प्रशांत पंकज एवं महासचिव सुभाष चंद्रवंशी ने सदस्यता अभियान को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया है।

अपराधियों में शासन-प्रशासन का खौफ समाप्त : एजाज

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने बिहार में कानून व्यवस्था तथा सरकार के इकबाल खत्म हो जाने पर जिन सवालों को उठाया और सरकार को सच का सामना कराया है तो उसपर जनता दल यू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार बेचैनी क्यों दिखा रहे हैं, क्या यह बात सही नहीं है कि बिहार में अपराध और अपराधियों के रहमोकरम पर आमजनों को छोड़ दिया गया है, और अपराधी जब जैसा चाहते हैं अपराध करके निकल जाते हैं। अपराधियों में शासन-प्रशासन का खौफ समाप्त हो गया है, और आम लोग पूरी तरह से डरे सहमें हुए हैं, ऐसा लगता है कि बिहार में अपराधी मस्त हैं, पुलिस अपराधियों के सामने पस्त है और सरकार में बैठे नेता और पदाधिकारी मलाई काटने में व्यस्त है। एजाज ने आगे कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने जो अपराध के मामले उठाएं हैं, इस पर शीर्ष नेतृत्व चुप्पी क्यों साधे हुए हैं। एजाज ने कहा कि मंगल राज की बात करने वाले अब यह बतायेंगे कि आज जिस तरह से हत्याओं का सिलसिला और महिलाओं पर अत्याचार की घटनाएं बढी है, उस पर यह लोग बोल क्यों नहीं रहे हैं। एजाज ने आगे कहा कि इस तरह से हर दिन दर्जन भर से अधिक होने वाले अपराध के मामले को उजागर करके नेता प्रतिपक्ष ने सत्ता पक्ष के नेताओं को जो आईना दिखाया है। राज्य सरकार से जो सवाल पूछे हैं उसपर एनडीए के नेता चुप्पी क्यों साधे हुए हैं यह स्पष्ट करें।

पूर्व मध्य रेल

खुली ई–निविदा सूचना

खुली ई–निविदा सूचना सं०–09ए सोनपुर 2024–25. मंडल रेल प्रबन्धक (इजी०) / सोनपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई–निविदा आमंत्रित करते हैं। ई–निविदा की अंतिम तिथि 16.08.2024 को 17.30 बजे तक निर्धारित है। ई–निविदा संबंधी एवं निविदा प्रपत्र का अवलोकन वेबसाइट www.ireps.gov.in पर किया जा सकता है।

कार्य का नाम (मद सं० सहित) : 1. सोनपुर में नमामि गंगे के एसटीपी से जोड़ने के लिए रेलवे कॉलोनियों में आरसीसी नाले का निर्माण।, अनुमानित लागत (रु. में) : 1,47,19,208.57, बयाने की राशि (रु. में) : रु. 2,23,600.00. उपरोक्त निविदा सूचना वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदा संबंधी रेल का अधिकार–किसी भी निविदा को स्थगित करने/निरस्त करने अथवा निविदा में सुधार करने हेतु रेलवे का अधिकार सुरक्षित रहेगा। निविदादाता का इसमें कोई दावा मान्य नहीं होगा।

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.), पूर्व मध्य रेल, सोनपुर

पीआर/0782/एसईई/ईंजी./टी/24–25/32

जनसुराज का जनसमर्थन देख घबड़ा गई है सभी पार्टियां : संजय

पटना। जन सुराज के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय कुमार ठाकुर ने कहा है कि प्रशांत किशोर के जनता के बीच बढ़ते प्रभाव और राजद, कांग्रेस,जदयू, भाजपा के जमीन पर सिमटते जनाधार से ये सभी पार्टियां बौखला गई है और जन सुराज तथा उसके संस्थापक प्रशांत किशोर पर हमलावर हो गई है। मुख्य प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी श्री ठाकुर ने कहा है कि बिहार में अब जदयू की विश्वसनीयता खत्म हो चुकी है । श्री ठाकुर ने पलटवार करते हुए कहा है कि प्रशांत किशोर पदयात्रा अभियान से लोगों को गुमराही से बाहर निकाल रहे हैं और उन्हें अपने बिहारी होने का अहसास करा रहे हैं। श्री ठाकुर ने कहा है कि बिहार में सबसे अधिक अठारह वर्षों से शासन करने वाली जदयू और भाजपा ने बिहार को देश का सबसे गरीब, सबसे अशिक्षित, सबसे ज्यादा बेरोजगारी और पलायन करने वाला राज्य बना दिया है। अपराधी, शराब माफिया,बालू माफिया और अधिकारी सब मिलजुल कर लूटने में लगे हुए हैं। राजद के पन्द्रह वर्षों के जंगल राज से भी भयावह स्थिति अभी बनी हुई है। लूट , हत्या, डकैती, बलात्कार अब यहां रोजमर्रे की घटना हो गई है। विधि व्यवस्था चौपट है। विकास के नाम पर हल्ला मचाने वाले के राज में एक दर्जन से अधिक पुल नदी में बह गए जो भ्रष्टाचार का जीवंत प्रमाण है। उन्होंने कहा है कि अब बिहार की जनता प्रशांत किशोर के नेतृत्व में जग गई है और आगामी विधानसभा चुनाव में इण्डिया और एनडीए दोनों गठबंधनों का सूपड़ा साफ कर जन सुराज पार्टी की सरकार बनाएगी।

एनडीए के 10 वर्षों के कार्यकाल में बजट का आकार तीन गुना बढ़ा : विजय

प्रधानमंत्री की प्रेरणा और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में तेजी से आगे बढ़ रहा बिहार

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने भारतीय उद्योग परिसंघ के तत्वावधान में आयोजित बजट उपरांत चर्चा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को प्रेरणादायी करार देते हुए कहा कि मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प में हमारा विकसित बिहार भी उल्लेखनीय भूमिका निभाएगा। हम मुख्यमंत्री के नेतृत्व में साफ नीयत, स्पष्ट नीति और दृढ़ निश्चय के साथ बिहार को बहुमुखी विकास के पथ पर तेजी से बढ़ाने में सफल होंगे।श्री सिन्हा ने आगे कि हमारे प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री दोनों के लिए विकास केवल सेंटीमेंट नहीं बल्कि कमिटमेंट है । यही वजह है कि इनके नेतृत्व में आज देश के साथ-साथ हमारा राज्य भी सधे हुए कदमों के साथ बड़ी तेजी से आगे बढ़ रहा है। दोनों लोगों ने आम लोगों के जीवन को स्वस्थ, सुगम और संभावनामय बनाने का सफल प्रयास किया है।श्री सिन्हा ने कहा कि केंद्र की एनडीए सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल में बजट का आकार तीन गुना बढ़ा है। संसाधनों पर निवेश का सबसे उत्पादक माध्यम समझा जाने वाला पूंजीगत व्यय 5 गुना से ज्यादा बढ़ा है। सड़क अवसंरचनाओं पर 8 गुना और कृषि पर बजट में 4 गुना से ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। और ये तमाम उपलब्धियां करों में ऐतिहासिक कटौती के साथ हासिल की गई हैं। आज देश में जिस गति और स्तर पर बुनियादी ढांचे का विकास हो रहा है दुनियाभर में उसकी तारीफ हो रही है। श्री सिन्हा ने कहा कि राज्य की अगर बात की जाए तो मुख्यमंत्री के नेतृत्व में एनडीए की सरकार 2005 की तुलना में राज्य का बजट करीब 12 गुना बढ़ाने में सफल हुई है। सामाजिक सेवाओं पर व्यापक व्यय में 13 गुना से अधिक, स्वास्थ्य पर 11 गुना से अधिक और शिक्षा पर 10 गुना वृद्धि हासिल की गई है। 2005 से अब तक सड़क अवसंरचना पर समेकित रूप से डेढ़ लाख रुपए से अधिक व्यय किया गया है ।

श्री सिन्हा ने कहा कि लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और राज्य के नेता प्रतिपक्ष दोनों पर आजकल आभासी दुनिया का एक्टिविस्ट बनने की खुमारी हावी है । उन्हें ठऊअ की डबल इंजन सरकार की इन उपलब्धियों को देखकर अपने-अपने परिवार के कृत्यों का विश्लेषण करना चाहिए। तब शायद उन्हें वास्तविकता ज्ञान भी होगा और धरातल पर उतर कर सकारात्मक राजनीति करने की प्रेरणा भी मिलेगी। श्री सिन्हा ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री ने चुनाव के दौरान ये वादा किया था कि उनके तीसरे टर्म में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बडी ताकत बनेगा । उनका यह वादा जल्द ही सच होने जा रहा है। उसी तरह उनके विकसित भारत का संकल्प भी साकार होकर रहेगा जिसमें देश के पूर्वी इलाके और विशेष रूप से हमारे विकसित बिहार की भी निर्णायक भूमिका होगी।

हावड़ा-मुंबई एक्सप्रेस के बेपटरी होने के कारण कई ट्रेनों के परिचालन में बदलाव

प्रात : किरण संवाददाता

हाजीपुर। चक्रधरपुर मंडल के बड़ाबाम्बो स्टेशन के समीप गाड़ी संख्या 12810 हावड़ा-मुंबई एक्सप्रेस के अवपथन के फलस्वरूप कई ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है।

13287 दुर्ग-आरा एक्सप्रेस 30 जुलाई को खुलने वाली परिवर्तित मार्ग वाया राउरकेला-नवागांव-मूरी-कोटशिला-बोकारो स्टील सिटी-भोजूडीह-जयचंडी पहाड़-आसनसोल के रास्ते। 13288 आरा-दुर्ग एक्सप्रेस 29 जुलाई को खुलने वाली परिवर्तित मार्ग वाया आसनसोल-जयचंडी पहाड-भोजूडीह-बोकारो स्टील सिटी-मूरी-नवागांव- राउरकेला के रास्ते।

आंशिक समापन, प्रारंभः 13301 धनबाद-टाटा एक्सप्रेस का 30 जुलाई को आद्रा में आंशिक समापन। 13302 टाटा-धनबाद एक्सप्रेस का 30 जुलाई को आद्रा से आंशिक प्रारंभ। 08151 टाटा-बरकाकाना स्पेशल का 30 जुलाई को मूरी से आंशिक प्रारंभ। 08152 बरकाकाना-टाटा स्पेशल का 30 जुलाई को मूरी में आंशिक समापन। 13287 दुर्ग-आरा 31 जुलाई को झारसुगूडा में आंशिक समापन। 13288 आरा-दुर्ग 30 जुलाई को टाटा में आंशिक समापन।

परिचालन रद्द की गई गाड़ियांः

18115 नेसुबो गोमो-चक्रधरपुर एक्सप्रेस दिनांक 30 एवं 31 जुलाई को। 18116 चक्रधरपुर-नेसुबो गोमो एक्सप्रेस 30 एवं 31 जुलाई को ।

18019 झारग्राम-धनबाद एक्सप्रेस दिनांक 30 एवं 31 जुलाई को।18020 धनबाद-झारग्राम एक्सप्रेस 30 एवं 31 जुलाई को। 08151 टाटा-बरकाकाना स्पेशल 31 जुलाई को। 08152 बरकाकाना-टाटा स्पेशल 31 जुलाई को। 18602 हटिया-टाटा एक्सप्रेस 31 जुलाई को।

इसकी जानकारी पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चन्द्र ने दी है।

लालकुआं और हावड़ा के मध्य स्पेशल ट्रेन का परिचालन

हाजीपुर। यात्रियों की अत्याधिक भीड़ के मद्देनजर रेलवे द्वारा लालकुआ और हावड़ा के मध्य एक स्पेशल ट्रेन गाड़ी सं. 05060/05059 लालकुआँ-हावड़ा-लालकुआँ स्पेशल का परिचालन किया जाएगा । यह स्पेशल लालकुआँ से प्रत्येक गुरूवार को तथा हावड़ा से प्रत्येक शुक्रवार को परिचालित की जायेगी। गाड़ी सं. 05060 लालकुआँ-हावड़ा स्पेशल 01 से 29 अगस्त तक प्रत्येक गुरूवार को लालकुआँ से 13.35 बजे खुलकर शुक्रवार को 09.10 बजे हाजीपुर, 10.05 बजे मुजफ्फरपुर, 11.12 बजे समस्तीपुर, 12.25 बजे बरौनी, 14.35 बजे किउल सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 21.30 बजे हावड़ा पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी सं. 05059 हावड़ा-लालकुआँ स्पेशल दिनांक 02 से 30 अगस्त तक प्रत्येक शुक्रवार को हावड़ा से 23.30 बजे खुलकर शनिवार को 06.48 बजे किउल, 09.50 बजे बरौनी, 11.40 बजे समस्तीपुर, 13.00 बजे मुजफ्फरपुर, 14.18 बजे हाजीपुर सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए रविवार को 13.55 बजे लालकुआँ पहुंचेगी । इस स्पेशल में प्रथम एवं द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी का 01-01, तृतीय वातानुकूलित इकोनॉमी श्रेणी के 05, शयनयान श्रेणी के 06 एवं साधारण श्रेणी के 03 कोच होंगे। उक्त जानकारी पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चन्द्र द्वारा दी गई है।

बिहार सरकार

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय

पटना भवन प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग, पटना

अति अल्पकालीन कोटेशन आमंत्रण सूचना सं0–04/प.भ.प्र./2024–25

(ee.patna.bcd@gmail.com)

पटना जिला अन्तर्गत पटना व्यवहार न्यायालय, पटना में तीन अदद्(03) पोटा केबीन का कार्य हेतु समाग्रीयों के आपूति अधिष्ठापन हेतु भवन निर्माण विभाग, पटना में समुचित श्रेणी में निबंधित संवेदक/ख्याति प्राप्त डिकोरेटर/फर्म से निम्नलिखित कार्यों हेतु मुहरबंद कोटेशन आमंत्रित किया जाता है, जो अधीक्षण अभियंता, दक्षिण बिहार अंचल, भवन निर्माण विभाग, पटना, एवं अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक–12.08.2024 के अपराहन 02:00 बजे तक प्राप्त किया जायेगा एवं उसी दिन 03:30 बजे अपराह्न में कोटशनदाताओं या उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जाएगा।

कोटेशन का मूल्य (रू0) में:–

प्रत्येक कार्य क्रमांक के कोटेशन पत्र के साथ कोटेशन मुल्य जो ''संयुक्त सचिव, भवन निर्माण विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक–10840(भ) दिनांक–30.10.2019 के आलोक में ONLINE GOVERNMENT REVENUE AND ACCOUNTING SYSTEM(O-Gras) पोर्टल–(https://e receipt.bihar.gov.in) के E-payment/payment over the bank counter(cash/ Cheque) के माध्यम से अद्योहस्ताक्षरी कार्यपालक अभियंता, पटना भवन प्रमंडल, पटना के पदनाम से प्रत्येक कार्य के लिए अलग–अलग जमा करना अनिवार्य होगा। कोटेशन प्रकाशन के पूर्व के निर्गत O-Gras का (computerize receipt) रसीद पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। O-Gras द्वारा निर्गत चालान में चालान one time period का ही मान्य होगा, जो पन्द्रह दिनों के लिए वैद्य है। निर्गत चालान की तिथि कोटेशन का दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशन की तिथि से बाद ही मान्य होगा। कोटेशन मूल्य संवेदक के द्वारा कुल कोटेड राशि का अनुसार होगा, जो निम्न प्रकार है:–

0 से 50000.00 रू0 तक 250.00रू0/ 50001.00 से 250000.00 रू0 तक 500.00रू0/250001.00 से 500000.00 रू0 तक 750.00रू0/500001.00 से 1000000.00 रू0 तक 1250.00रू0/1000001.00 से 1500000.00 रू0 तक 2500.00रू0

कार्य का विवरणी :–

क्र0	कार्य का नाम एवं विशिष्टियॉ	मात्रा	ईकाई	उदृत दर(अंक एवं अक्षर में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6
	Porta Cabin				Ten Days
(i)	Supply & installation of Porta Cabin with PUF Panel, Porta Cabin size(12'x10'x8'). 50mm thick PUF Panel used in wall & roof with PPGI sheet both side and PUF Panel density 40±2 KG/M3. Colour of top & bottom side of PUF Panel will be off white with flushing & top ridge.(complete work with Civil & Electrification)	1911	Sft		
(ii)	Structure with Hollow Section M.S Pipe	960	KG		
(iii)	Supply of flushing in 0.6mm PPGI sheet for window canopy	214	KG		
(iv)	Supply & installation of window(3'x3')	6	Nos.		

आपुर्ति की जाने वाली सामग्रियें के मॉडल, मेक, साइज, क्षमता, नमूने, क्वालिटी इत्यादि की अधिक जानकारी हेतु संबंधित सहायक अभियंता, एवं अधोहस्ताक्षरी कार्यालय के प्राक्कलन शाखा से संपर्क करेंगें। विशेष शर्त्ते, मद एवं मात्रा की विस्तृत जानकारी हेतु सूचना पट्ट या बेबसाईटः www.state.bihar.gov.in/prdbihar देखें या अद्योहस्ताक्षरी कार्यालय के प्राक्कलन शाखा से संपर्क करें।

कार्यपालक अभियंता
पटना भवन प्रमण्डल, पटना

PR- 004966 (BCD) 2024-25

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

संक्षिप्त खबरें

बहू की हत्या के आरोप में सास समेत 2 गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। मीनापुर थाने के तलिमपुर उत्तर टोली में पिछले दिन हुई एक महिला की हत्या मामले में पुलिस ने मृतका की सास एवं उसकी चचेरी गोतनी को गिरफ्तार किया है यह जानकारी एसएसपी कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है। बताया गया है कि बीते 20जुलाई को मृतका की सास यशोदा देवी, पति-स्व० भरत महतो ग्राम तालीमपुर थाना मीनापुर के बर्थ बयान के आधार पर मीनापुर थाना कांड सं0 230/24 दर्ज किया गया था। वादिनी ने अपने फर्दबयान में अपने पुत्रवधु सविता देवी से नजदीकी बना चुके गाँव के ही भोला महतो द्वारा हत्या कर मोबाईल एवं गले का मंगलसूत्र ले लेने का जिक्र किया था।कांड की संवेदनशीलता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक, मुजफ्फरपुर के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक, पूर्वी-1 के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। एफएसएल की टीम द्वारा भी घटनास्थल से साक्ष्य का संकलन कराया गया। मानवीय एवं तकनीकी बिंदुओं के आधार पर साक्ष्य संकलन करते हुए उक्त हत्याकांड में संलिप्त कांड की वादिनी यशोदा देव एवं मुनचुन देवी को मृतका के मंगलसूत्र के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है।

अज्ञात युवक का शव बरामद

मुजफ्फरपुर। जिले के गायघाट थाना क्षेत्र के बेरुआ एनएच 27 पर बने पुल के नीचे मंगलवार को एक व्यक्ति का शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु एसकेएमसीएच भेज दिया है।प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष पूजा कुमारी ने बताया कि सुबह में पुल के नीचे बागमती नदी की पुरानी धारा के किनारे एक शव बरामद किया गया है। हालांकि शव की पहचान नहीं हो सकी है। उसकी उम्र लगभग 35 साल होगी। वह केवल नीला रंग का फूल पैंट पहना हुआ था। सिर के पीछे गहरे जख्म पाया गया है। आशंका जताई जा रही है कि किसी लोहे की रॉड से प्रहार कर उसकी हत्या की गयी है। उन्होंने बताया कि एफएसएल टीम मौके पर पहुंच सैंपल एकत्रित की है। आशंका जताई जा रही है कि उसकी कहीं और हत्या कर बेरुआ पुल के नीचे शव फेंक दिया गया है।

संगठन को मजबूत करने सहित कई निर्णय

बेनीपुर(दरभंगा)। ग्राम कचहरी सचिव संघ की अनुमंडल स्तरीय बैठक बेनीपुर प्रखंड के प्रांगण में रामनाथ कांति की अध्यक्षता में रविवार को हुई। जिला अध्यक्ष जय नारायण सहनी, जिला उपाध्यक्ष ललित कुमार राम एवं जिला कोषाध्यक्ष शशिकांत मंडल ने कहा कि संगठन की मजबूती के साथ अपनी बात रखी जाएगी। समस्याओं का समाधान समय करने की बात कही। बेनीपुर अनुमंडल की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया प्रदेश संघ के नेतृत्व में जो भी निर्णय व कार्य करने का आदेश आएगा, उसका पालन किया जाएगा। बैठक में अलीनगर से बैजनाथ यादव, ऋषिकेश कुमार, बेनीपुर से प्रमोद कुमार यादव, अमर ठाकुर, बहेड़ी से ललन कुमार झा, शिव शंकर राम एवं केवटी से क्षमा कुमारी आदि उपस्थित थे।

सात पशु तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

बेनीपुर(आससे)। बहेड़ा थाना पुलिस गिरफ्तार सात पशु तस्कर को सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पशु क्रूरता एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। बहेड़ा एसएचओ चंद्रकांत गोंड़ी ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर सभी को सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। एसएचओ ने बताया कि बेनीपुर मुख्य बाजार से तीन पिकअप पर 21 पशु एवं पांच बछड़े को ले जा रहे तस्करों को स्थानीय लोगों ने घेर लिया तथा बहेड़ा थाना पुलिस को सूचना देकर बुलाया। पुलिस पहुंचकर वह तीनों पिकअप को जप्त कर पुछताछ किया। एसएचओ ने बताया कि तस्कर से पुछताछ कर किया। पुछताछ के क्रम उक्त लोगों ने मधुबनी जिला के विस्फी थाना क्षेत्र के नरसार निवासी रहान खां, सोयब धनबन्ना, मो आजाद, कबीला निवासी मो आशिक जबकि रहिका थाना क्षेत्र के तोलिया पोखर निवासी नूर आलम, सकड़ी निवासी मो दुलारे तथा अलीनगर थाना क्षेत्र के अलीनगर निवासी मो शफरीउद्दीन बताया। उन्होंने बताया कि सभी गाय एवं बछड़े को धेरुख गौशाला में भेज दिया गया है। एसएचओ ने बताया कि तीनों पिकअप को जप्त कर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

सचेतक बनने के बाद पहली बार गृह मंत्री से मिले दरभंगा के सांसद, जताया आभार

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। संसद भवन स्थित गृहमंत्री कार्यालय में दरभंगा सांसद गोपाल जी ठाकुर ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर मिथिला परंपरा अनुसार पाग, चादर, मखान माला एवं मिथिला पेंटिंग देकर स्वागत व अभिनंदन किए। इस दौरान सांसद ने पीएम नरेंद्र मोदी जी की नेतृत्व वाली लगातार तीसरी बार के एनडीए सरकार द्वारा ऐतिहासिक एवं जनकल्याणकारी केंद्रीय बजट पेश करने के लिए गृहमंत्री को समस्त मिथिलावासी की ओर से बधाई दिए, वहीं लोकसभा में उन्हें भाजपा संसदीय दल का सचेतक मनोनित करने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी सहित सभी केंद्रीय नेतृत्व का आभार प्रकट किए। सांसद ने गृह मंत्री से दरभंगा में स्वीकृत एवं नवनिर्मित विभिन्न केंद्रीय परियोजना के जल्द शिलान्यास एवं लोकार्पण करने का भी अनुरोध किए, जिस पर गृहमंत्री ने सकारात्मक जवाब दिया। सांसद ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए लगभग 48,20,512 करोड़ वाला यह बजट विकसित राष्ट्र के लक्ष्य को गति प्रदान करेगा साथ ही साथ मिथिला एवं बिहार के समुचित विकास के नए द्वार भी खोलेगा। उन्होंने मिथिला एवं उत्तर बिहार में प्रतिवर्ष आने वाली बाढ़ की विभीषिका के स्थाई निदान हेतु केंद्र सरकार द्वारा 11500 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान करने के लिए पीएम एवं गृह मंत्री के प्रति विशेष आभार प्रकट किए। उन्होंने कहा कि जहां बाढ़ का स्थाई समाधान हो जाने से मिथिला एवं उत्तर बिहार का आर्थिक विकास तेज गति से होगा वहीं क्षेत्र में आधारभूत संरचना निर्माण एवं उद्योग स्थापना में यह मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि मिथिला के करोड़ों लोगों को बाढ़ से स्थाई निदान दिलाने हेतु वह दशकों से प्रयत्नशील रहे है और इसको लेकर पूर्व में भी कई बार प्रधानमंत्री, गृहमंत्री एवं संबंधित मंत्रालय के मंत्री से अनुरोध करते आ रहे है।

सांसद ने कहा कि विकसित भारत के रोडमैप वाले इस बजट में किसान, महिला, युवा, गरीब, उद्यमी सहित सभी वर्ग एवं सभी क्षेत्र के लोगों के सर्वसमावेशी विकास को प्राथमिकता दिया गया है।

परिवार के हर व्यक्ति का बनेगा नि:शुल्क आयुष्मान कार्ड

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।उप विकास आयुक्त ने अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्य में तेजी लाने, जीविका, आई.सी.डी.एस., आशा कार्यकर्ता को आपसी समन्वय बनाते हुए जागरूकता अभियान मे तेजी लाने तथा अधिकाधिक लाभुकों को अयुष्मान कार्ड से आच्छादित कराने का निर्देश दिया।आयुष्मान भारत कार्ड जिलान्तर्गत सभी सार्वजनिक जन वितरण प्रणाली की दुकानों पर विशेष अभियान के तहत 18 जुलाई से बन रहा है। विदित हो कि परिवार के हर व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनना है। उप विकास आयुक्त आशुतोष द्विवेदी की अध्यक्षता में संबंधित अधिकारियों के साथ अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में बैठक की गयी तथा सभी अधिकारियों को मिशन मोड में राशन कार्ड के सभी लाभुकों को आयुष्मान भारत कार्ड से आच्छादित करने का निर्देश दिया। इसके लिए सभी मार्केटिंग ऑफिसर को नोडल पदाधिकारी के रूप में नामित करते हुए इस अभियान का सफल एवं सुचारू संपादन सुनिश्चित करने का सख्त निर्देश दिया गया है। उल्लेखनीय है कि जिलान्तर्गत सभी राशन कार्डधारी के प्रत्येक यूनिट के हिसाब से व्यक्तियों को अलग-अलग आयुष्मान कार्ड बनाना है। इसके लिए जिले में 18 जुलाई से विशेष अभियान जारी है। इस अभियान के सफल संपादन करने तथा अधिकाधिक लाभुकों को आच्छादित कराने हेतु प्रखण्ड विकास पदाधिकारी के नेतृत्व में आई.सी.डी.एस. सेविका सहायिका, जीविका दीदी, आशा वर्कर आदि के माध्यम से डोर टू डोर कैम्पेनिंग कर लाभुकों को पी.डी.एस. सेन्टर तक लाया जा रहा है। जिलाधिकारी ने जिलेवासियों से सरकार के इस महत्वपूर्ण अभियान के तहत आयुष्मान भारत कार्ड से अधिकाधिक लाभुकों को लाभान्वित होने की अपील की है। आयुष्मान भारत कार्ड बन जाने के उपरान्त प्रत्येक नागरिक 05 लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त में संबद्ध अस्पताल से करा सकते है। इसके लिए प्रत्येक नागरिक निश्चित रूप से इस अभियान से जुड़े तथा लाभ उठाएं। उप विकास आयुक्त ने बैठक में जीविका दीदीयों, आंगनबाड़ी सेविका सहायिका तथा आशा कार्यकर्ता सभी को अपना तथा अपने परिवार के सदस्यों का कार्ड निश्चित रूप से बनाने तथा दूसरों को भी प्रेरित करने का निर्देश दिया है। विदित हो कि जिले में अबतक 1353740 लोग आयुष्मान कार्ड बनाये हैं, जबकि 18 जुलाई से संचालित विशेष अभियान के तहत 40383 व्यक्ति आयुष्मान कार्ड बनाये हैं। उप विकास आयुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय बनाते हुए अधिकाधिक लाभुकों को अयुष्मान भारत कार्ड से आच्छादित करने हेतु जन जागरूकता अभियान में तेजी लाने का निर्देश दिया है। आई.सी.डी.एस. के सेविका सहायिका को अपने पोषक क्षेत्र के अन्तर्गत प्रत्येक दिन 20-20 लाभुकों को पी.डी.एस. दुकान पर लाने तथा कार्ड बनाने में सहयोग करने का निर्देश दिया है।बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी, पूर्वी अमित कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रभात कुमार, सिविल सर्जन डॉ अजय कुमार, डी.पी.एम. जीविका अनिशा गांगूली सहित कई अन्य अधिकारी उपस्थित थें।

स्नातक निर्वाचन सूची में नाम जोड़ने हेतु आवेदन 3 सितम्बर तक

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक सूची का सफल एवं सुचारु तैयारी सुनिश्चित कराने हेतु प्रमंडलीय आयुक्त तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर सह निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी गोपाल मीणा ने मुजफ्फरपुर , सीतामढ़ी, वैशाली, शिवहर जिला के जिलाधिकारी तथा सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की। सूचना जनसंपर्क विभाग के अनुसार इस बैठक में अवगत कराया गया कि ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जो भारत का नागरिक हो तथा उस निर्वाचन क्षेत्र का सामान्य रूप से निवासी है एवं 1नवंबर 2024 से कम से कम 3 वर्ष पहले या तो भारत के राज्य क्षेत्र में किसी विश्वविद्यालय का स्नातक है अथवा समतुल्य अर्हता रखता है तो वह निर्वाचक सूची में शामिल होने का पात्र है। 3 वर्ष की अवधि का परिकलन उस तारीख से किया जाएगा जब से विश्वविद्यालय या अन्य संबंधित प्राधिकरण द्वारा अर्हक डिग्री परीक्षा का परिणाम घोषित और प्रकाशित किया गया था। निर्वाचक सूची में नाम जोड़ने हेतु आवेदक अपना आवेदन फार्म 18 में 29 जुलाई से 3 सितंबर तक जमा कर सकते है। इसके लिए सभी जिलाधिकारी , सभी उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, भूमि सुधार उपसमाहर्ता, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी के कार्यालय में तथा सभी मतदान केन्द्रों पर आवेदन जमा किया जा सकता है। मतदान केंद्र की संख्या 89 है। फार्म जमा कराने संबंधी दिशानिर्देश एवं सावधानी के बारे में अवगत कराया गया कि बड़ी संख्या में जमा कराए गए आवेदनों, चाहे उन्हें प्रत्यक्ष रूप से जमा करवाया गया हो या डाक द्वारा, पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा समावेशन हेतु विचार नहीं किया जाएगा।किसी परिवार का एक सदस्य अपने परिवार के अन्य सदस्यों के फार्म 18 जमा करवा सकता है। कोई भी व्यक्ति जो आवेदन में ऐसा वक्तव्य या घोषणा करता है जो असत्य है और इसके संबंध में वह ऐसा मानता है या जानता है कि वह असत्य है या ऐसा मानता है कि वह सत्य नहीं है तो यह लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 31 के अधीन दंडनीय होगा। निर्वाचन क्षेत्र के लिए पब्लिक नोटिस का प्रकाशन 29 जुलाई को हो गया है। पब्लिक नोटिस का प्रथम पुर्नप्रकाशन 13 अगस्त को तथा द्वितीय पुनर्प्रकाशन 23 अगस्त को किया जाएगा। निर्वाचक सूची का प्रारूप प्रकाशन 24 सितंबर को तथा निर्वाचक सूची का अंतिम प्रकाशन 6 नवंबर को किया जाएगा। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, वैशाली, शिवहर के जिलाधिकारी तथा उन जिलों के सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी संबद्ध थे तथा आयुक्त कार्यालय में आयुक्त के सचिव मोहम्मद हामिद, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री आर निलय, आरटीए सेक्रेटरी सुरेंद्र कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बगमती नदी में पहली बार भव्य गंगा आरती का हुआ आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा ।राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव के तहत पहली बार हजारीनाथ मंदिर घाट पर गंगा आरती का आयोजन हुआ। वाराणसी के आचार्य विद्वान पंडितों ने नगर विधायक संजय सरावगी सहित शहर के बड़ी संख्या में जुटे शिव भक्तों के साथ बागमती नदी के तट पर भव्य गंगा आरती की शुरूआत की, जिसकी छटा देखते ही बन रही थी। बागमती के कलकल पानी में जब गंगा आरती का प्रतिबिंब दिखाई दिया तो श्रद्धा और भक्ति जीवंत हो उठी। भक्तों के हर हर महादेव और घंटा घड़ियाल के शंखनाद से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। नदी के दोनों ओर से भारी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने गंगा आरती का आनंद लिया। नगर विधायक श्री सरावगी ने कहा कि अंतिम सोमवारी को भी वाराणसी के पंडितों की ओर से गंगा आरती का आयोजन होगा जबकि बीच में आने वाले दो सोमवारी को कुशेश्वरस्थान की टीम की ओर से बागमती के तट पर भव्य आरती का आयोजन होगा। इसके बाद भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भगवान शिव के भजन का आनंद उठाया। पूरी संध्या श्रद्धालु महादेव के भजन पर झूमते रहें।

प्रॉपर्टी डीलर का अपहरण, पुलिस ने पूछताछ के लिए एक को उठाया

प्रात : किरण संवाददाता

बोचहा ।गरहां थाना क्षेत्र के पटियासा चैक के समीप से सोमवार को जमीनी विवाद में जमीन कारोबारी मुकेश कुमार पाण्डे का अपहरण किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। इस मामले में पुलिस ने त्वरित करवाई करते हुए एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। हथौड़ी थाना क्षेत्र के मधेपुरा गांव टोला प्रयागवारी के मुकेश पाण्डे का पटियासा चौक के समीप जमीन है, उस जमीन को देखने के लिए सुबह घर से निकला था। वहां पहले से घात लगाए वाहन सवार बदमाशों ने मारपीट की और अपहरण कर अपने साथ ले गया। इस घटना की जानकारी जब परिजनो मिली तब वे घटनास्थल पर पहुंचे। परिवार के लोगो तशने देखा कि जमीन पर मुकेश की बाइक लगी हुई थी, । हेलमेट जमीन पर गिरा हुआ था और बाइक के गलास टूटे हुए थे।, आस पास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाल गया तो स्कॉर्पियो व अन्य वाहन से मुकेश को अगवा करने का फुटेज मिला । अपहृत मुकेश के भाई संतोष कुमार पांडे और राजीव ने पुलिस को बताया कि उक्त जमीन को लेकर बरहेता के एक व्यक्ति से रविवार को दूरभाष पर दोनों के बीच विवाद हुआ था। मुकेश सोमवार की सुबह अपनी जमीन के पास गया था। उसी समय उन लोगों ने अपने सहयोगियों के साथ मारपीट की और अपहरण कर लिया। यह घटना सीसीटीवी फुटेज में घटनास्थल से तीन गाड़ियां जाते हुए दिख रही है। हो सकता है कि मुकेश को गाड़ियों से ले गया होगा। थाना अध्यक्ष आशीष कुमार ठाकुर ने बताया की अपहृत मुकेश के भाई ने नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है, पुलिस मामले की जांच कर रही ह।

मारपीट को लेकर स्थानीय थाना में प्राथमिकी दर्ज

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी खजौली थाना क्षेत्र के सुक्की गांव निवासी गिरजा देवी ने मारपीट की स्थानीय में प्राथमिकी दर्ज कराया है. उन्होंने प्राथमिकी आवेदन में आरोप लगाया है कि मेरी सास जितनी देवी ने मुझसे जमीन की कबाला मांग करने पर कागजात की जानकारी नही होने की बात बताने पर तैस में आकर चारा काटने वाले गरासा से सर पर वार करने से मेरा सर फट गया . वही खून से लतफत घायल महिला को ग्रामीणों के सहयोग से सीएचसी में भर्ती कराया गया. सीएचसी में डियूटी पर तैनात डा. तारकेश्वर प्रसाद सिंह ने घायल महिला को प्राथमिकी इलाज करके बेहत्तर इलाज के लिए सदर हास्पिटल रैफर कर दिया गया.वही डॉक्टरों द्वारा मारपीट में घायल महिला के बारे में थाना को सूचना मिलने पर एसआई विनोद कुमार ने हास्पिटल पहुँच कर घायल महिला से व्यान दर्ज किया गया.वही थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि घायल महिला के व्यान पर प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान जारी कर दिया गया.

दरभंगा के सांसद को सचेतक बनाकर प्रधानमंत्री ने मिथिला को खास महत्व दिया है : पप्पू सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा ।दरभंगा के सांसद गोपालजी ठाकुर को केंद्र की मोदी सरकार द्वारा लोकसभा में सचेतक बनाए जाने पर दरभंगा के बीजेपी कार्यकताओं में गजब का उत्साह देखा जा रहा है। किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष संजय सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने गोपालजी ठाकुर को बधाई देते हुए कहा कि मिथिला के लोगों को बेसब्री से इंतजार कर रहे थे कि गोपालजी ठाकुर को महत्वपूर्ण जिम्मेवारी दी जाए। देर से ही सही लेकिन सचेतक जैसे महत्वपूर्ण पद को देकर पीएम मोदी ने एक बार फिर से साबित कर दिखाया है कि उनके दिल में मिथिला और दरभंगा का खास महत्व है। पप्पू सिंह ने आगे बताया कि लोकसभा में सत्तापक्ष के सचेतक को व्हिप भी कहते हैं। संसद और राज्य विधानमंडलों का सुचारू कामकाज, काफी हद तक सचेतकों के काम पर निर्भर करता है। सचेतक को यह सुनिश्चित करना होता है कि पार्टी नेतृत्व के निदेर्शानुसार, दल के सदस्य सदन में मौजूद रहें और विधेयक पर मतदान करें। पप्पू सिंह ने उम्मीद जताते हुए कहा कि गोपालजी ठाकुर संगठन में काम कर चुके हैं। विधायक और सांसद रहने के कारण उनके पास लंबा अनुभव है, जिसका लाभ लोकसभा में केंद्र सरकार को दिखने को मिलेगा।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में डीएम ने दिए महत्वपूर्ण निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।जिला पदाधिकारी सुब्रत कुमार सेन की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति, खनन टास्क फोर्स ,उत्पाद, विधि व्यवस्था तथा राजस्व की बैठक की गई तथा आवश्यक निर्देश दिया गया। सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में अवगत कराया गया कि पूर्व से चिन्हित ब्लैक स्पॉट पर सड़क दुर्घटना के कारणों की पहचान कर उन स्थानों पर अपेक्षित सुधारात्मक कार्रवाई की गई है। ब्रेकर , लाइट की व्यवस्था, साइनेज की व्यवस्था, सड़क को ठीक करने आदि की कार्रवाई पथ निर्माण, एनएचएआई द्वारा की गई है। जिलाधिकारी ने संबंधित अभियंता एवं एमवीआई को स्थलीय निरीक्षण कर भौतिक सत्यापन करने का निर्देश दिया। साथ ही 8 नए ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए हैं। जिलाधिकारी ने इन स्थलों पर भी आवश्यक अपेक्षित सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में अवगत कराया गया की हिट एंड रन के 185 मामले का भुगतान किया जा चुका है जिसमें गंभीर चोट तथा मृत्यु के मामले शामिल हैं। सड़क दुर्घटना के मामले में कमी लाने तथा आम लोगों को सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूक करने हेतु महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों पर फ्लेक्स लगाने का निर्देश दिया ताकि अधिक से अधिक लोगों को सड़क सुरक्षा तथा यातायात नियमों के बारे में जानकारी हो सके। बैठक में अवगत कराया गया कि मुख्यमंत्री प्रखंड परिवहन योजना की शुरूआत 1 अगस्त से होगी जिसके तहत 1 अगस्त से प्रखंडवार आवेदन करने की तिथि है। इस योजना के तहत प्रखंडों एवं सुदूर पंचायत को जिला मुख्यालय से जोड़ने एवं आम जनों को परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस योजना की शुरूआत की गई है। उल्लेखनीय है कि इस योजना के तहत प्रति प्रखंड अधिकतम सात लाभार्थी को बस के क्रय पर अनुदान का लाभ दिया जाएगा एवं लाभुक को प्रति बस 5 लाख रुपए अनुदान का भुगतान जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा लाभार्थी के खाते में किया जाएगा। एक प्रखंड में साथ साथ लाभुकों का चयन किया जाना है जिसमें से अनुसूचित जाति के दो, अत्यंत पिछड़ा वर्ग के दो, पिछड़ा वर्ग के एक, अल्पसंख्यक समुदाय के एक ,सामान्य वर्ग के एक व्यक्ति होगा। लाभार्थी का चयन जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में गठित एक समिति द्वारा की जाएगी। व्यापक जन-जागरूकता कायम करने तथा योजना के बारे में लोगों को अवगत कराने हेतु परिवहन विभाग द्वारा जिला परिवहन पदाधिकारी को निर्देश दिया गया है कि प्रखंड विकास पदाधिकारी के सहयोग से प्रखंड स्तर पर बस के क्रय हेतु वाहन मेला का आयोजन करें। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी अंचल अधिकारी को थाना पर थानाध्यक्ष के साथ संयुक्त रूप से नियमित बैठक कर भूमि विवाद के मामलों का निष्पादन करने का निर्देश दिया।

ठाहर गांव के पास मुख्य सड़क पर आम की पेड़ मौत की यमराज

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी खजौली प्रखंड क्षेत्र के राजकीय मध्य विद्यालय ठाहर विद्यालय से सटे उत्तर दिशा में खजौली, कलुआही मुख्य पीडब्ल्यू मुख्य सड़क पर चार आम का पुराना पेड़ रहने से उक्त जगह पर आये दिन दो चक्का एव चार चक्का वाहन पेड़ में टकराने पर वाहन सवार व्यक्ति की मौत हो जाती है. इस आम का पेड़ मुख्य पक्की सड़क पर ही वर्षो पुराना आम की पेड़ होंने से दो चक्का वाहन एव चार चक्का वाहन पेड़ से टकराने से प्रति वर्ष आधा दर्जन राहगीर की दुर्घटना में मौत जाती है.इस समस्या को लेकर जिप सदस्य दीपक कुमार सिंह ने मुख्य सड़क पर आम की पेड़ को कटवाने को लेकर जिला पदाधिकारी मधुबनी एव वन विभाग के वरीय पदाधिकारी को लिखित आवेदन देकर पेड़ को कटवाने की मांग की है.उन्होंने जिला पदाधिकारी एव वन विभाग को आगाह किया है कि पीडब्ल्यू मुख्य सड़क पर लगे आम की पेड़ से विगत दस वर्षों में एक दर्जन से अधिक व्यक्ति की वाहन पेड़ में बाइक एव चार चक्का टकराकर मौत हो गयी है.उन्होंने कहा कि इस आम की पेड़ को प्रसाशन द्वारा अविलंब नही कटाते है तो कितने लोग दुर्घटना ग्रस्त होकर मौत हो सकती है.

हजारी नाथ मंदिर पर श्रावणी मेला का नगर विधायक ने किया उद्घाटन

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा ।भगवान शिव को समर्पित सावन माह के दूसरे सोमवार को बाबा हजारीनाथ मंदिर में राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव 2024 का शुभारंभ हुआ। वरिष्ठ भाजपा नेता व नगर विधायक संजय सरावगी ने वैदिक मंत्रोच्चरण के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर मेले का उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री सरावगी ने कहा कि श्रावणी मेला में श्रद्धालुओं को किसी कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ेगा। शिव भक्तों के लिए सभी जरुरी व्यवस्थाएं की गई है। उन्होंने हजारीनाथ मंदिर के श्रावणी मेला को भू एवं राजस्व विभाग के राजकीय सूची में सूचीबद्ध होने पर श्रद्धालुओं को बधाई दी। कहा कि शहर के मध्य में अवस्थित हजारीनाथ मंदिर लोगों की आस्था से जुड़ा हुआ है। अब यहाँ हर वर्ष श्रावण माह में सरकारी राशि से मेले का आयोजन होगा। उन्होंने कहा मंदिर की महत्ता को देखते हुए यहां लगने वाले श्रावणी मेला को भव्य रूप से मनाने के लिए गत दिनों राज्य सरकार की ओर से राशि प्रदान की गई है। इस राशि से पूरे सावन माह में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा एवं मंदिर में शिव भक्तों की तमाम सुविधाओं का ध्यान रखा जाएगा। कार्यक्रम के दौरान नगर विधायक ने बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के प्रति दरभंगावासियों की ओर से आभार व्यक्त की। कार्यक्रम में सदर अंचलाधिकारी, पूर्व महापौर अजय जालान, पूर्व उप महापौर भरत सहनी, सदर प्रखंड प्रमुख उदय सहनी, पार्षद सोनी पूर्वे, सुशील गुप्ता, श्याम सुंदर जाजोदिया, रंजीत झा, राजकुमार नायक, माधव झा, अमर गुप्ता, नंद किशोर नागवंशी, अनुराग सरावगी , संतोष पोद्दार ,अंकुर गुप्ता, प्रमोद शरण साहू, श्याम पंसारी, पिंटू गुप्ता, ज्योति गुप्ता, राजू तिवारी, लक्ष्मण कांस्यकार, अंकुर गुप्ता, सपना भारती सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे।

अश्लील वीडियो वायरल मामले में चार को 20 साल की सश्रम कारावास व अर्थदण्ड की सजा

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। सिविल कोर्ट दरभंगा के पॉक्सो एक्ट की आदालत के बिशेष न्यायाधीश प्रोतिमा परिहार ने मंगलवार को दुष्कर्म एवं अश्लील वीडियो वायरल करने के जूर्म में दरभंगा जिला के जाले थाना अन्तर्गत मलिकपुर गाँव के मुरारी कुमार, रोहन कुमार, सागर कुमार और अशोक कुमार को 20 साल की सश्रम कारावास और 50,500 रुपये अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। पीड़िता को 9 लाख रुपये मुआवजा भुगतान करने का आदेश कोर्ट ने दिया है ।यह मुआवजा जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा की जायेगी। पूर्व में ही एक विधि बिरुद्ध किशोर के मामले को किशोर न्याय वोर्ड में निष्पादन के लिए भेजा गया है। अभियोजन पक्ष का कथन है कि 24,25 अप्रैल 2020 में जब पीड़िता अपने नये घर से पुराने घरारी पर 10 बजे रात में अपने दादी के साथ सोने जा रही थी कि एकाएक सभी जूर्मियों ने जबरन पीड़िता को पकड़कर बगल के गाछी में ले जाकर दुष्कर्म किया और उसका वीडियो बना लिया ।जूर्मियों ने धमकी दिया कि किसी से कहोगी तो वीडियो वायरल कर देंगे। शर्म और डर से पीड़िता ने घटना कि जानकारी किसी को नहीं दिया लेकिन दुष्कर्मियों के द्वारा वीडियो वायरल कर दिया गया। विडियो वायरल होने कि जानकारी पर पीड़िता की माता- पिता ने जब उससे पूछताछ किया तो सारी घटना को सही बताई। जिसकी प्राथमिकी जाले थाना में दिनांक 8 मई 2020 को दर्ज कराया गया। पुलिस ने अभियुक्त रोहन कुमार के पास से मोबाईल बरामद कर टेक्निकल सेल से जांचोपरांत पीड़िता का फोटो और दुष्कर्म वाली वीडियो प्राप्त किया । अभियोजन पक्ष के गवाहों की गवाही एवं दस्तावेजी सबूतों और प्रस्तुत सीडी पर अदालत ने इस मामले की सूनवाई पुरी कर दूष्कर्मी अभियुक्त को घारा- 341/34, 506/34,354(बी) /34,376 (डी)भादवि एवं पॉक्सो की घारा 6 में दोषी करार दी थी। सजा के बिंदु पर सुनवाई पश्चात सभी चार दुष्कर्मी को भारतीय दण्ड विधान संहिता की धारा 376 डी में 20 साल का सश्रम कारावास और 20 हजार रुपये अर्थदण्ड, 341 /34 में 1 माह का सश्रम कारावास और 500 रुपये अर्थदण्ड, 506 /34 में 7 साल का सश्रम कारावास और 5 हजार रुपये अर्थदण्ड, 354बी /34में 7 साल का सश्रम कारावास और 5 हजार रुपये अर्थदण्ड एवं 6 पॉक्सो ऐक्ट में 20 साल का सश्रम कारावास और 20 हजार रुपये अर्थदण्ड की सजा कोर्ट ने सुनाई है। स्पेशल पीपी ने बताया कि सभी सजायें साथ साथ चलेगी।

आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए मिला 7 दिन का अतिरिक्त समय

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी प्राप्त विभागीय निदेश के आलोक में जिलांतर्गत सभी राशनकार्डधारी परिवार के सभी सदस्यों का अलग-अलग आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु 31 जुलाई तक चलने वाले विशेष अभियान को 07 अगस्त 2024 तक विस्तारित किया गया है। ज़िला अंतर्गत आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु चल रहे विशेष अभियान को अगले सात दिनों के लिए विस्तारित किया गया है। अब यह विशेष अभियान 7 अगस्त तक चलेगा, जिसमें सभी राशन कार्डधारी परिवार के बचे हुए सभी सदस्यों का आयुष्मान कार्ड बनाये जाने का लक्ष्य है ।अभियान के दौरान पात्र लाभार्थी अपना राशन कार्ड एवं आधार कार्ड लेकर नजदीकी जन वितरण प्रणाली केंद्र (डीलर) पास जा कर अपना आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं । ज़िला पदाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा द्वारा सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, आपूर्ति पदाधिकारी, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, बीपीएम जीविका को पूर्व में ही निदेश दिया गया है। जन वितरण प्रणाली केंद्र पर कॉमन सर्विस सेंटर के श्छए के अलावे सभी पंचायत कार्यपालक सहायक, विकास मित्र, छर, जीविका के कैडर/कर्मी एवं अन्य को अपने स्तर अचूक रूप से टैग करें साथ ही निर्देशित किया गया है कि यह सुनिश्चित करें कि प्रतिनियुक्त कर्मी/ऑपरेटर अपने लोकेशन पर पहुँचे, निदेश दिया गया है कि सभी लोकेशन पर लाभार्थी पहुँचे इसके लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी अपने स्तर से पंचायती राज के प्रतिनिधियों से अनुरोध करें। लाभार्थियों के मोबिलाइजेशन की ज़िम्मेदारी पंचायत प्रतिनिधियों के साथ डीलर, आशा , जीविका एवं आईसीडीएस को दिया गया है ।प्रखंड स्तर पर विशेष अभियान की समीक्षा प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

धान के बिचड़े तैयार,अब बारिश की आशा में पंपिंग सेट से हो रहा पटवन

गिद्धौर।मानसून के उत्साह का महीना सावन शुरू हो चुका है,मगर मानसून के जमकर बरसना की अब भी लोगों को इंतजार है।किसान अब भी मुसलाधार बारिश की आशा लगाये बैठे है।कुछ निचले इलाके के खेतों में पानी जमा हुआ था,जिससे किसानों के बिचड़ा तैयार कर लिया है,लेकिन अब बारिश का इंतजार कर रहे है,ताकि रोपाई का कार्य कर सकें।हालांकि क्षेत्र में यदा-कदा बारिश हुई है,कही-कही पर नदी, पोखर, अहार, नाला में बारिश के पानी किसी तरह मेहनत से जमा हुई है,जिससें किसान रोपाई का कार्य कर रहे है,लेकिन अधिकांश खेतों में धान की रोपाई नही हो पा रही है।किसानों अब मानसून की आस छोड़ कर मोटर से पटवन कर धान की रोपनी की शुरूआत कर रहे है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के द्वारा चलाया गया सदस्यता अभियान

जमुई [झाझा] अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई झाझा के द्वारा सदस्यता अभियान चलाया गया। नगर सदस्यता प्रमुख नीतिश केशरी के नेतृत्व में झाझा नगर क्षेत्र के निजी कोचिंग संस्थानों में जा जाकर कार्यकताओं ने विद्यार्थियों को सदस्यता रसीद के माध्यम से कार्यकर्ता बनाने का कार्य किया। मौके पर नगर उपाध्यक्ष विक्रम कुमार भारती ने कहा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एक अनुशासित छात्र संगठन है, विद्यार्थी परिषद आपने स्थापना कल से ही समाज व छात्र के बीच सेवा दे रही है। जब भी छात्रों को समस्या होती है तो छात्र विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता का मदद लेते हैं कार्यकर्ता निस्वार्थ भाव से छात्रों का मदद करते हैं सदस्यता के माध्यम से जो भी कार्यकर्ता बना रहे हैं उन सबों को शुभकामना में प्रेषित करते हैं। मौके पर प्रांत एसएफडी सह संयोजक सूरज बरनवाल ने कहा कि सदस्यता अभियान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का महापर्व है यह प्रत्येक वर्ष कार्यकर्ता निर्माण का माध्यम है वर्तमान के कार्यकर्ता एक लक्ष्य तय करते हैं और उस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए कॉलेज केंपस सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जाकर सदस्यता करते हैं और छात्रों को विद्यार्थी परिषद का कार्यकर्ता बनाते हैं।

आढा गांव में बिजली की समस्या को लेकर नवादा सिकंदरा मुख्य मार्ग को अक्रोशित ग्रामीणों ने किया जाम

घंटो जाम से यात्री सहित आम राहगीर परेशान, जाम में फंसा रहा स्कूल सहित कांवरियों का वाहन

- बीडीओ एवं सीओ की पहल से टूटा जाम

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/ई०अलीगंजः- बिजली की समस्या को लेकर मंगलवार को चंद्रदीप थाना क्षेत्र के आढा.गांव में नवादा सिकंदरा मुख्य सड़क मार्ग को अक्रोशित ग्रामीणों ने जाम कर दिया। वहीं जाम में स्कूल बस सहित दर्जनों कांवरियों का वाहन फंसा रहा। जाम के कारण यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं आढ़ा गांव के उपभोक्ता ने बताया की हमलोग बिजली बिल सही समय पर भुक्तान करने के बावजूद बिजली नियमित रूप से नहीं मिलती है। बीते सोमवार से बिजली नहीं रहने से पेयजल की समस्या उत्पन हो गई है। अधिकांश घरों में मोटर समरसेबुल से ही पानी की आपूर्ति होती है । 24 घंटा से बिजली नहीं होने से पूरा गांव का बुरा हाल हो गया है। पानी के लिए हल्कान हो रहे है,इस भीषण गर्मी में बिजली नहीं रहने से बिजली से चलने वाले उपकरण बंद है। जो दैनिक कार्यों के लिए जरूरी है,। बिजलीं विभाग के कर्मी को जब फोन किया जाता है तो कोई जबाब नही दिया जाता है। हमलोग आजिज होकर सड़क जाम किए है। मौके पर बी डी ओ अभिषेक भारती, सीओ दिवाकर रंजन, प्रभारी थानाध्यक्ष रितेश कुमार ने मौके पर पहुचकर लोगों को समस्या के बारे में जानकारी लिए वहीं उपस्थित पदाधिकारी ने विद्युत विभाग से दूरभाष पर बात किए ।वहीं सीओ दिवाकर रंजन ने कहा की आप लोगों का जो बिजली की समस्या है लो वोल्टेज एवं अतिरिक्त टास्फरमर जल्द से जल्द लगाया जाएगा। इसको लेकर बीडीओ साहब, सीओ साहब मुखिया सहित बैठ कर इन कार्यों को पूरा करने का आश्वासन दिया, और जाम को बी डी ओ अभिषेक भारती, कि सी ओ दिवाकर रंजन, प्रभारी थानाध्यक्ष रितेश कुमार एवं मुखिया प्रतिनिधि शमशाद आलम की पहल से समझाबुझाकर जाम को हटाया विद्युत विभाग के जेई शैलेश कुमार ने बताया की आढा गांव में लो वोल्टेज एवं अन्य समस्याओं को लेकर पुराना विद्युत तार बदलने का कार्य किया जा रहा,सोमवार को तार बदलने का कार्य से विद्युत बाधित था कुछ जगहों पर पुराना तार दूसरे दिन बदला जाना था, देर शाम में बिजली देने पर पुराना तार में शॉर्ट लगने से गांव में बिजली बाधित हो गया था, जल्द इस कार्यों को पूरा कर बिजली सुचारू रूप से दिया जायेगा।

बिना बिजली और सड़क के बच्चे पढ़ने को मजबूर- ये विद्यालय नही तबेला है

प्रात : किरण, संवाददाता

पुरैनी (मधेपुरा) नव सृजित प्राथमिक विद्यालय मददपुर वासा पुरैनी के प्रभारी प्रधानाध्यापीका पर विद्यालय के मध्यान भोजन एवं स्कूल की विधि व्यवस्था पर ग्रामीणों ने अनियमितता का आरोप लगाया। ग्रामीणो ने स्कूल की प्रधानाध्यापिका लीना कुमारी के ऊपर सोमवार को बीओ एवं डीओ को लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की। विद्यालय के सचिव ने कहा- जबसे लीना कुमारी प्रधानाध्यापिका बनी है तब से स्कूल की स्थिति अत्यंत ही दयनीय हो गई है। हमलोगो का सपना था कि एक समय इस विद्यालय को आदर्श विद्यालय के रूप में जाना जाए। दूर-दूर से छात्र-छात्राएं पढ़ने आये मगर उसका उल्टा ही दिखाई दे रहा है, स्कूल का आजतक नाही तो बाउंड्री वॉल हो पाया है और नाही तो स्कूल जाने के लिए सड़क बन पाया है। यहां तक कि स्कूल के सटे एक तालाब भी है जहां बच्चे कभी भी घटना का शिकार हो सकते हैं। हमारी माने तो स्कूल की इतनी स्थिति इतनी खराब है कि मानो कोई तबेला हो, ग्रामीणों का कहना है कि इतने वर्ष बीत जाने के बाद भी प्रधानाध्यापिका के द्वारा बिजली का भी मुहैया नहीं कराया गया है। जिसके कारण इस भीषण गर्मी में पढ़ाई के दरमियान बच्चे की तबीयत काफी बिगड़ जाती है, जिसके कारण बहुत से बच्चे स्कूल आना नहीं चाहते। वही ग्रामीणों ने बताया गया कि स्कूल में बने भोजन में कीड़ा भी पाया जाता है एवं साफ सफाई की बिल्कुल ही व्यवस्था नहीं की गई है, साथ ही बैग एवं टीसी देने के नाम पर पैसे वसूली की जाती है यहां तक की रात्रि के वक्त स्कूल के संचालक के माध्यम से चावल की भी चोरी की जाती है। घटना की खबर सुनकर आक्रोशित ग्रामीणों ने बीओ शशिकांत कुमार अलबेला एवं डीपीएम विमल बिभु, एमडीएम पदाधिकारी सचिन कुमार को विद्यालय बुलाकर अपनी बात रखी, वहीं निरीक्षण पदाधिकारी के द्वरा निरक्षण किया गया तो बहुत सारी खामियां पाई गई। पदाधिकारी ने कहा कि ग्रामीणों की सारी बातों को नोट कर ली गई है एवं निरीक्षण करने के दौरान बहुत सारी त्रुटियां देखी गई है दो दिन के अंदर ही विद्यालय के प्रधानाध्यापिका लीना कुमारी से स्पष्टीकरण पूछा जाएगा अगर स्पष्टीकरण में खामियां देखी गई तो उनके ऊपर कारवाई भी की जाएगी।। ग्रामीणों ने भी पदाधिकारी की बात से संतुष्टि जाहिर की एवं उन्होंने कहा कि अगर पदाधिकारी दो दिनों के अंदर व्यवस्था को सुधार नहीं करते हैं तो उच्च अधिकारी तक बात रखी जाएगी।

पंखा का तार लगा रहा व्यक्ति को करंट लगने से हुई मौत

प्रात : किरण संवाददाता

घैलाढ़ (मधेपुरा) घैलाढ़ ओपी क्षेत्र के रतनपुरा पंचायत अंतर्गत वार्ड नंबर 5 रतनपुरा गांव में मंगलवार के सुबह 11 बजकर 50 मिनट में पंखा चलाते हुए करंट लगने से 52 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक व्यक्ति रतनपुरा पंचायत के वार्ड नंबर 5 रतनपुरा गांव निवासी स्वर्गीय बाबूजी यादव के पुत्र कपिलदेव यादव मंगलवार के दिन करीब लगभग 12 बजे के करीब अपने घर में भीषन गर्मी को लेकर हवा लगाने के लिए घर में स्टैंड पंखा का तार बोर्ड में लगा रहा था। तार में कट था, जिसपर उनका ध्यान नहीं गया। कट पर हाथ लगने से उन्हें करंट लग गया। जिससे उनकी मौत हो गई। गृहस्वामी की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। मामले की सूचना मिलने पर घैलाढ़ ओपी के पुलिस ने गांव पहुंचकर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम को लेकर सदर अस्पताल मधेपुरा भेज दिया है। मृतक ने अपने पीछे शादीशुदा दो बेटा, एक बेटी के साथ पूरा भरा पड़ा परिवार को छोड़कर चला गया। गृह स्वामी की मौत से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। वही इस संबंध में ओपी अध्यक्ष अवधेश प्रसाद ने बताया कि स्टैंड पंखा के तार बोर्ड में लगाने से कपिलदेव यादव की बिजली के करंट लगने से मौत हो गई है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मौत की खबर सुनते ही समिति वीरेंद्र यादव, मुखिया राहुल कुमार एवं कई जनप्रतिनिधियों ने मृतक के घर पहुंचकर शोक संतप्त परिवार को ढ़ांढ़स बंधाया।

बुधमा में आयुष्मान कार्ड निर्माण के विशेष अभियान में 12 वें दिन बीतने के बाद बना मात्र 55 लाभुकों का कार्ड

सीओ ने औराय टोल पहुंचकर दीनाभद्री मेले में आयुष्मान कार्ड निर्माण के प्रति लोगों को किया जागरूक

- सोमवार को निरीक्षण के दौरान सीओ ने लगाई फटकार, कहा बख्शे नही जाएंगे लापरवाह कर्मी, होगी कार्रवाई

प्रात : किरण संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा) आयुष्मान कार्ड निर्माण के विशेष अभियान के 12वें दिन सीओ हरिनाथ राम ने उदाकिशुनगंज प्रखंड के बुधमा पंचायत का निरीक्षण किया। उन्होंने सर्वप्रथम डीलर मनोज कुमार भगत के पीडीएस दुकान पर पहुंचकर जायजा लिया। जहां वीएलई समेत सभी प्रतिनियुक्त कर्मी गायब मिले। प्रगति रिपोर्ट मांगे जाने पर लाभुकों की संख्या शुन्य पाई गई। सीओ ने कहा कि डीलर समेत अन्य कमीर्यों के उदासीन रवैए के कारण आयुष्मान कार्ड निर्माण की गति अत्यंत मंद है। वीएलई लगातार अनुपस्थित हैं। सूचना पाकर पहुंची आंगनवाड़ी व आशा कार्यकताओं ने बताया कि ऑपरेटर (वीएलई) नही रहने के कारण कार्ड निर्माण नही हो पा रहा था। हालांकि किसी भी कर्मी द्वारा उच्च अधिकारी को अबतक मामले की सूचना नही दी गई थी। उक्त स्थल पर यकीनन सभी कमीर्यों की उदासीनता के कारण आयुष्मान कार्ड की गति मंद होना मुख्य कारण माना गया। अन्य डीलर टुमन कुमार मेहता, पवन कुमार सहनी, विरेन्द्र मिश्रा की स्थिति संतोषजनक दर्ज की गई। इन्हें भी कार्ड निर्माण की गति तीव्र करने की चेतावनी दी गई। इस दौरान उन्होंने औराय टोल पहुंचकर दीनाभद्री मेले में आयुष्मान कार्ड निर्माण के प्रति लोगों को जागरूक किया। मौके पर मुखिया पंकज कुमार सिंह समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जमीन विवाद में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में आधा दर्जनभर लोग हुए घायल

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] जमीन विवाद को लेकर थानाक्षेत्र के टहवा गांव में सोमवार की देर शाम दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई जिसमें कुल आधा दर्जनभर लोग घायल हो गया। एक पक्ष से घायल की पहचान नीतीश कुमार, उसका पिता राजेंद्र यादव, चंद देवी,भाई जितेंद्र कुमार तथा दूसरे पक्ष से प्रवीण कुमार और उसका भाई प्रशांत कुमार के रूप में हुई है। सभी घायलों को इलाज के लिए रेफरल अस्पताल लाया गया जहां सभी घायलों का इलाज चिकित्सक के द्वारा किया गया। सभी घायलों की स्थिति को नाजुक देखते हुए डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल जमुई रेफर कर दिया। एक पक्ष से घायल नीतीश कुमार ने दूसरे पक्ष के साथ जमीन को लेकर विवाद चल रहा है जिसका केस भी न्यायलय में चल रहा है जिसको लेकर दूसरे पक्ष के लोग केस उठाने की धमकी दे रहा है

और इसी बात को लेकर दूसरे पक्ष से लगभग बीस लोग घर पर आकर मारपीट किया। दूसरे पक्ष से घायल के परिजन ने बताया कि जमीन को लेकर पहले पक्ष से दर्जनभर लोग तलवार, लाठी, पिस्तौल लेकर आया और विवाद करते हुए मारपीट करने लगा जिसमें दोनो भाई घायल हो गया। वही मारपीट की घटना को लेकर दोनो पक्षों की ओर से थाना में आवेदन दिया गया।

हेलो निगरानी विभाग का पदाधिकारी बोल रहा किसी गलत केस में आपका बेटा साथियों के साथ पकड़ा गया

सरपंच पिता से ऐंठे पैसे; ठगी की हैरान करने वाली कहानी

प्रात : किरण संवाददाता

घैलाढ़ (मधेपुरा) घैलाढ़ ओपी क्षेत्र के श्रीनगर पंचायत के सरपंच सचिंद्र कुमार ने एक फर्जी पुलिस पदाधिकारी के झांसे में आकर 70 हजार रुपए ठगा गए हैं। पीड़ित सरपंच सचिंद्र कुमार ने बताया कि बीते दिन 25 जुलाई को पुलिस की डीपी लगे हुए वाट्सऐप नंबर से कॉल आया और उसने बताया कि मैं निगरानी विभाग का पदाधिकारी बोल रहा हूं आप सचिंद्र कुमार बोल रहे हैं आपका बेटा पटना में पढ़ता है और आपका बेटा का नाम गौरव कुमार है। आपका बेटा किसी गलत कैस में साथियों के साथ पटना में पकड़ा गया है लेकिन जांच पड़ताल करने के बाद पता चला कि आपका बेटा निर्दोष है लेकिन साथ में है। यदि आप अपने बेटे को बचाना चाहते हैं तो जल्दी पैसों की व्यवस्था कर मेरे बताए खाते में भेज दीजिए, हम उसे बैक डोर से निकाल देंगे, अन्यथा उसका जीवन बर्बाद हो जाएगा। तब तक उसी क्रम में रोने की आवाज सुनाई और रोते हुए उन्होंने बताया कि पापा हो पापा हमरा तू बचा लाए ई लोग हमरा मार देते। इतना सुनते ही सचिंद्र कुमार परेशान हो गए और उनसे गुहार भी लगाया कि मेरे पास अभी एक पैसा भी नहीं है फिर भी उन्होंने एक नहीं माना और बेटे की जान खतरे में होने की बात बताकर फोन काट दिया। इतने में लाचार पिता किसी को बिना बताए हुए बेटे को बचाने के लिए पिता ने सीएसपी पहुंचकर खातों में 70 हजार रुपये भेज दिया। लेकिन पैसा भेजने के बाद अन्य परिजनों को जब इस बात की जानकारी लगी तो गौरव कुमार के मोबाइल पर फोन लगाया तो उन्होंने अपने आप को बिना कोई घटना की जानकारी देते हुए सुरक्षित बताया। लेकिन उसके बाद जब उन्होंने उस व्हाट्सएप नंबर पर फोन लगाने की कोशिश की तो फोन नहीं लगा तो तब ठगी का एहसास हुआ। पीड़ित ने अब पुलिस में शिकायत दर्ज करने को लेकर मधेपुरा साइबर थाना का चक्कर लगा रहा है। लेकिन अभी तक ठग के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। इस संबंध में एएसपी प्रबेन्द्र भारती ने बताया कि यह साइबर ठगी का मामला इसे नहीं कहते हैं इन्हें ठगी का मामला कहा जाता है उनको बोलिए अपने घैलाढ़ थाना में जाकर लिखित एफआईआर दर्ज करवाए।

एन एच 106 पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की चपेट में आकर 12 वर्षीय बालक की गयी जान

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा सिंहेश्वर थाना क्षेत्र अंतर्गत गुलहसन चौक के समीप एन एच 106 पर सोमवार की रात तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने एक 12 वर्षीय बालक को रौंद दिया। घटना के बाद आसपास के लोगों ने उसे जेएनकेटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, जहां उसने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान झिटकिया वार्ड संख्या तीन निवासी मो. टूनमा के 12 वर्षीय बेटे अबुल कैश के रूप में हुई। घटना के बाद वाहन चालक वाहन लेकर भाग निकला। परिजनों ने बताया कि रात करीब 8 बजे अबुल कैश गुलहसन चौक के पास पोखर के सामने रोड पार कर रहा था। इसी दौरान मधेपुरा की तरफ से आ रहे एक तेज रफ्तार वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दिया, जिससे वह वाहन के लगभग 10 मीटर आगे फेंका गया। इसके बाद वाहन चालक उसके ऊपर वाहन चढ़ाते हुए सिंहेश्वर की तरफ भाग निकला। घटना के बाद आसपास के लोगों ने घायल को आनन-फानन में स्थानीय जेएनकेटी मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसकी जानकारी सिंहेश्वर थाने की पुलिस को दी गई। घटनास्थल पर पहुंची सिंहेश्वर थाने की पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए मधेपुरा सदर अस्पताल भेज दिया।

प्रशासनिक मिली भगत से बिचौलिया कर रहे थाना में बैठ कर रुपये की उगाही

थाना में ऐसे कारनामे से बेहतर पुलिसिंग पर उठ रहे सवाल

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। थाना क्षेत्र के सेवा गांव निवासी कपिलदेव रावत के पुत्र राजन कुमार ने पुलिस उपाधीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक से लिखित शिकायत कर रतनपुर गांव निवासी झाझा प्रखंड प्राथमिक विद्यालय कुबरी यादव टोला प्रभारी प्रधानाध्यापक श्याम कुमार राय के पुत्र विक्रम कुमार विक्रांत उर्फ विक्की कुमार के विरुद्ध मोबाईल पर फोन कर गिद्धौर थाना में शिकायतकर्ता राजन कुमार से पचास हजार रुपये उगाही कर लिए जाने की शिकायत कर मामले में समुचित कारवाई की मांग की है।मामले से पीड़ित शिकायतकर्ता ने अपने शिकायती आवेदन के माध्यम से कहा है कि मुझे विक्रम कुमार विक्रांत उर्फ विक्की द्वारा मेरे ऊपर केस होने का हवाला देते हुए मेरे मोबाइल पर फोन कर कहा कि गिद्धौर थाना के बड़ा बाबू आपको बुला रहे हैं, मैं जब गिद्धौर थाना गया,तब मुझे थानाध्यक्ष रीता कुमारी द्वारा डांट फटकार किया जाने लगा,मुझे हाजत के पास बैठा दिया गया व मेरा मोबाईल भी जब्त कर लिया,जब मैंने थानाध्यक्ष से कहा कि मैं कोई चोर बदमाश नहीं हूं, मेरे विरूद्ध थाना में कोई अपराधिक इतिहास भी नही है, मेरे साथ ऐसा व्यवहार क्यों किया जा रहा है, तब दूसरे व्यक्ति से कहवाती है कि तुम्हारे विरूद्ध सोनो थाना में एक केश दर्ज है, पीड़ित ने बताया कि मेरे विरूद्ध सोनो थाना में भी कोई केस दर्ज नहीं है, तभी विक्रम कुमार विक्रात उर्फ विक्की कुमार मेरे पास आया और डांट फटकार कर धमकाने लगा व तुरंत पचास हजार रूपया देने का दबाब बनाना लगा, अपने आप को झूठा केस में फंसा देने के डर से अपने चचेरा भाई धीरज कुमार से पैसे मंगवाया और गिद्धौर थाना में विक्की कुमार को दिया। वहीं शिकायत कर्ता ने इसका साक्ष्य भी जरूरत पड़ने पर पुलिस प्रसासन को उपलब्ध कराने की बात कही। इधर गिद्धौर थाना में एक व्यक्ति द्वारा केस होने की बात जो थाना का कर्मी भी नही है घटों बैठ कर पचास हजार रुपये ऐंठ लेने के मामले से बेहतर पुलिसिंग व्यवस्था पर सवाल उठ रहा रहा है, जहां जिला प्रसासन कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने की हर मुमकिन कवायद में दिन रात लगी है।

पीएम श्री योजना - चयनित स्कूलों के भवनों की साज सज्जा व रंग रोगन आधुनिक पद्धति से कराई जाएगी

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। पीएम श्री योजना के तहत चयनित स्कूल हाईटेक होंगे। दरअसल,पीएम श्री स्कीम में जिला स्तर पर उन विद्यालयों का चयन किया गया है। जिसमें विद्यालय में निर्माण के लिए भूखंड उपलब्ध हो और विद्यालय भौतिक रूप से आदर्श स्थिति में हो। जिला स्तर पर अनुपयुक्त या अपात्र विद्यालयों का चयन नहीं किया जाना है। इस बारे में निदेशक माध्यमिक शिक्षा ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। दरअसल पीएम श्री योजना के तहत चयनित होने वाले स्कूलों में नवीनतम तकनीक के साथ स्मार्ट क्लासरूम और अन्य आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराया जाएगा। बता दें की स्कीम के तहत जमुई के विभिन्न प्रखंडों से विद्यालयों का चयन किया जाना है। इस योजना के अंतर्गत पुराने स्कूलों को अपग्रेड किया जाएगा। जिसके अंतर्गत स्कूलों में शिक्षा प्रदान करने के लिए एक आधुनिक तरीका लाया जाएगा। इस योजना के द्वारा आधुनिक शिक्षा पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाएगा। बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस योजना की शुरूआत की गई है। जिसके तहत स्कूलों को मॉडिफाइड करते हुए नए स्मार्ट मॉडल स्कूल में बदल जाएगा। पीएम श्री योजना का संचालन केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी गाइडलाइन के आधार पर किया जाएगा। जिसके अंतर्गत सरकारी स्कूलों के ढांचे को और भी ज्यादा सुंदर मजबूत एवं आकर्षक बनाया जाएगा। ताकि बच्चों को बेहतर इंफास्ट्रक्चर मिल सके। इस योजना के क्रियान्वयन का सारा खर्च केंद्र सरकार द्वारा ही वहन किया जाएगा। क्लासरूम आधुनिक स्मार्ट डिजिटल होंगे पीएम श्री योजना के तहत चयनित होने वाले विद्यालयों में प्राइमरी से लेकर 12वीं कक्षा तक की शिक्षा मुक्त में प्रदान की जाएगी। इन विद्यालयों में शिक्षा प्रदान करने का तरीका आधुनिक एवं परिवर्तनकारी होगा। शोध उन्मुख एवं ज्ञान आधारित शिक्षण का जोर दिया जाएगा। क्लासरूम आधुनिक स्मार्ट और डिजिटल होंगे। विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों को बेहतर शिक्षा व्यवस्था मिलेगी। खेलकूद के लिए अच्छा मैदान बनेगा। स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था अनिवार्य रूप से मौजूद होगी।अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं की स्थापना की जाएगी। जहां बच्चों को वैज्ञानिक प्रयोग करने की सुविधा मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शिक्षा मिलेगीपीएम श्री योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र के आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को आधुनिक शिक्षा पाने का अवसर प्राप्त होगा। योजना के अंतर्गत चयनित विद्यालय में सभी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। जिससे गरीब बच्चों को भी स्मार्ट क्लास स्कूल से जुड़ने का मौका मिलेगा। इन स्कूलों के भवनों की साज- सज्जा व रंग रोगन आधुनिक पद्धति से की जाएगी। पारंपरिक शिक्षा पद्धति में बदलाव को लेकर पीएम श्री योजना की शुरूआत की गई है। जिसमें बच्चों को आधुनिक और बेहतर तरीके से शिक्षा प्रदान की जाएगी।राजेश कुमार डीईओ ने बताया है कि विभागीय दिशा निर्देश के आलोक में चयनित विद्यालयों में सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

प्रोन्नति की अधिसूचना जारी करने को लेकर केकेएम कॉलेज के शिक्षकों ने किया धरना-प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

जमुईः- मुंगेर विश्वविद्यालय शिक्षक संघ समन्वय समिति के आह्वान पर केकेएम कॉलेज में प्रोन्नति की अधिसूचना (नोटिफिकेशन) जारी करने को लेकर कॉलेज शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षकों द्वारा धरना- प्रदर्शन किया गया। शिक्षक संघ के अध्यक्ष एवं स्नातकोत्तर राजनीतिक विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ मनोज कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में 9 जुलाई 2024 को ही प्रोन्नति संबंधी प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। फिर भी प्रमोशन का नोटिफिकेशन जारी नहीं किया जाना शिक्षकों के साथ अन्याय है। प्रोन्नति पाना शिक्षकों और शिक्षक कर्मचारियों का संवैधानिक और नैतिक अधिकार है। संघ के सचिव एवं राजनीतिक विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ देवेंद्र कुमार गोयल ने कहा कि नियम के अनुसार ससमय प्रोन्नति मिलना ही चाहिए।

शिक्षकों के हित मे प्रोन्नति की अधिसूचना जारी करना विश्वविद्यालय का परम कर्तव्य है। सभी विषयों के शिक्षकों की प्रोन्नति का नोटिफिकेशन एक साथ होना न्यायोचित होगा। संयुक्त सचिव तथा अर्थशास्त्र के पीजी हेड डॉ गौरी शंकर पासवान ने कहा कि प्रोन्नति हमारा वास्तविक और संवैधानिक अधिकार है। प्रोन्नति की संपूर्ण प्रक्रिया 21 दिन पूर्व पुरी हो चुकी है। बावजूद इसके नोटिफिकेशन जारी नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विज्ञान और अर्थशास्त्र विभाग के शिक्षकों की प्रोन्नति की अधिसूचना सभी विषयों की अधिसूचना के साथ जारी होना चाहिए। अन्यथा विश्वविद्यालय शिक्षक संघ और कॉलेज शिक्षक संघ हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर करने के लिए स्वतंत्र हैं। जिन विषयों में सीनियर असिस्टेंट प्रोफेसर, एवं एसोसिएट प्रोफेसर की प्रोन्नति प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। उसे शिक्षक हित में नोटिफिकेशन जारी करने में देरी नहीं होनी चाहिए। केकेएम कॉलेज के प्राचार्य डॉ चंद्रमा सिंह ने भी शिक्षकों की मांग को उचित ठहराते हुए उनका समर्थन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का प्रमोशन उनका मूल अधिकार है। प्रोन्नति की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अधिसूचना जारी करना नियम के अनुकूल है। संघ के शिक्षकों ने इंकलाब जिंदाबाद, संघर्ष हमारा नारा है, प्रोन्नति हमारा अधिकार है आदि शांतिपूर्ण नारे लगाए। मौके पर डॉ अनिंदो सुंदर पोल, डॉ मोहम्मद शफी दानिश (अंग्रेजी) डॉ सत्यार्थ प्रकाश (इतिहास) डॉ विनीता मोंडल, डॉ सुदीप्ता मोंडल (भौतिकी) डॉ श्वेता सिंह (हिंदी,) डॉ दीपक कुमार (जूलॉजी) प्रो सरदार राम (अर्थशास्त्र) डॉ यूएन घोष (गणित) इत्यादि शामिल थे, जिन्होंने प्रोन्नति की अधिसूचना जारी करने की मांग की।

जमुई जिला के 24वें थाना के रूप में मोहनपुर थाना में कार्यारम्भ

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई लक्ष्मीपुर गृह विभाग, बिहार सरकार की अधिसूचना संख्या 64 दिनांक 06.01.2015 के द्वारा मोहनपुर, काकनचौर और काला पंचायतों के कुल 45 गाँवों के लिए एक नए थाना मोहनपुर थाना में आज कार्यारम्भ किया गया। जो जिले के लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र से अलग कर के बनाया गया है। पुलिस अधीक्षक महोदय डॉडू शौर्य सुमन द्वारा धर्मेंद्र कुमार, पुलिस निरीक्षक को इस थाना के प्रथम थानाध्यक्ष के रूप में पदस्थापित किया गया है। इसके अतिरिक्त 04 पुलिस अवर निरीक्षक एवं पर्याप्त पुलिस बल के साथ मोहनपुर थाना आज से कार्यरत हो चुका है। मंगलवार 30 जुलाई को मोहनपुर थाना में कार्यारम्भ स्थानीय माननीय विधायक दामोदर रावत एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सतीश सुमन जमुई की उपस्थिति में किया गया। मोहनपुर थाना द्वारा अब क्षेत्राधिकार की आम जनता को एक थाना द्वारा दी जाने वाली सभी लोकसेवाएँ स्थानीय स्तर पर सर्वसुलभ रहेगीं। अपराध की स्थिति में क्विक रेस्पोंस, विधि-व्यवस्था संधारण, अपराध नियंत्रण और निवारण में स्थानीय आम जनता को उत्कृष्ट पुलिसिंग की सेवाएं मोहनपुर थाना द्वारा प्राप्त हो सकेगीं। थाना के रूप में कार्यरत होने के फलस्वरूप यहाँ आधुनिक सीसीटीएनएस की सुविधा उपलब्ध होगी। सभी नागरिकों को अन्य सुविधाएं जैसे चरित्र सत्यापन, पासपोर्ट सत्यापन, इत्यादि में सुगमता और अत्यधिक गुणवत्ता मिल सकेगी। जमुई पुलिस शीलता, सहजता और सौजन्यता के साथ नागरिक सेवा के लिए प्रतिबद्ध है।

सड़क पर बह रहा नाले का गंदा पानी

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। गिद्धौर के मुख्य बाजार स्थित लॉर्ड मिंटो टावर चौक के निकट का नाली जाम हो जाने के कारण नाली का गंदा पानी बीच सड़क पर बह रहा है। इससे लोगों को आवाजाही में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं सड़क पर बह रहे नाली के गंदा पानी के दुर्गंध से भी लोग परेशान हैं व बीमारी फैलने की संभावना भी बनी है। प्रशासन व पंचायत प्रतिनिधियों के उदासीन बने रहने से लोगों में असंतोष व्याप्त है। गिद्धौर बाजार के दुकानदार राजकुमार ठाकुर,राकेश यादव डब्लू, सुनील गुप्ता,चंदन गुप्ता,दीपक केशरी,जितेंद्र रावत,राजकुमार रावत, गौतम केशरी,टीपू कुमार साव सहित अन्य दुकानदारों ने बताया कि नाली जाम रहने और गंदा पानी सड़क पर बहने से व्यवसाय काफी प्रभावित हो रहा है। सड़क पर गंदा पानी जमे रहने से ग्राहक दुकान तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। दुकानदारों ने कहा कि इसी बाजार में जरूरतों की खरीददारी करने स्थानीय प्रखंड प्रमुख,मुखिया, पंचायत समिति सदस्य,वार्ड सदस्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि आते हैं।

सम्पादकीय

कोचिंग हादसे के सबक

क्या दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल, तिहाड़ जेल से ही, अपनी सरकार की जवाबदेही स्वीकार करेंगे? क्या वह यह भी स्वीकार करेंगे कि उनकी आम आदमी पार्टी (आप) दिल्ली में सरकार और नगर निगम चलाने लायक नहीं है? क्या केजरीवाल अब दिल्ली वालों का आह्वान करेंगे कि चुनाव में आप को बहुमत न दिया जाए? राजधानी दिल्ली में तीन युवाओं की जो दर्दनाक, त्रासद मौतें हुई हैं या ऐसे ही हादसे हो रहे हैं, क्या उनके पीछे भी प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा की साजिश है? दिल्ली में मुख्यमंत्री केजरीवाल के नेतृत्व में निर्वाचित सरकार है। जेल में बंद होने के बावजूद वह मुख्यमंत्री हैं। सर्वोच्च अदालत के नैतिक संकेत के बावजूद केजरीवाल मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने को तैयार नहीं हैं। सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया भी जेल में हैं। जो बचे-खुचे मंत्री हैं, वे सिर्फ बयानवीर हैं अथवा उपराज्यपाल पर दोषारोपण करने वाले नेता हैं। वे बेचारगी के प्रतिनिधि हैं, जो बयान देने या जांच की लीपापोती के अलावा कुछ नहीं कर सकते। तो फिर मंत्री क्यों बने बैठे हैं? इस्तीफा देकर, सडक पर उतर कर, लोकतंत्र की लड़ाई क्यों नहीं लड़ते? दिल्ली में सरकार आप की है और नगर निगम पर भी वह काबिज है। मेयर शैली ओबरॉय आप की ही नेता हैं। इन जवाबदेहियों का जिक्र इसलिए करना पड़ रहा है या ये सवाल इसलिए उठाए जा रहे हैं कि राजधानी दिल्ली में विधानसभा स्तर पर जो सरकार है, वह गायब है, लिहाजा स्थानीय दिल्ली अनाथ महसूस कर रही है। तीन युवा छात्रों की पानी के तेज बहाव में, एक इमारत के बेसमेंट में फंस कर, मौत हो गई। यह आपदा या हादसा नहीं, हत्याकांड है। उस इमारत में आईएएस की कोचिंग देने वाला प्रख्यात केंद्र चलता है, जिसके बड़े-बड़े विज्ञापन अखबारों में छपते हैं और युवा छात्रों को आकर्षित करते रहे हैं। यह केंद्र कोचिंग देने की फीस लाखों में लेता है, लेकिन सुविधा और सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है। उस इमारत के बेसमेंट में लाइब्रेरी बनाई गई है, जो कानूनन अवैध है। जो छात्र बच गए हैं, उनकी नियति ही ऐसी थी, अलबत्ता पानी का बहाव किसी बाढ़ से कम नहीं था।

वहां इतना तेज पानी कैसे घुसा? इसी सवाल के गर्भ में तमाम भ्रष्टाचार और कदाचार निहित हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के पास मुखर्जी नगर की वह घटना आज भी याद आती है, जब आग से बचने के लिए युवा छात्रों ने खिड़कियों से ही छलांग लगा दी थी अथवा किसी रस्सी के सहारे, जलते हुए कमरे से, बाहर कूद पाए थे। कुछ मौतें भी हुई थीं। वहां भी आईएएस, आईपीएस बनने का सपना पाले युवा छात्र पढ़ते हैं। वहां भी बंदप्रायः कोचिंग सेंटर में आग लगी थी। अभी 4-5 दिन पहले दिल्ली के पटेल नगर में एक युवा करंट की चपेट में आकर मारा गया। वह भी आईएएस की तैयारी कर रहा था। ये आपराधिक नाकामियों की भयावह कथाएं हैं, लापरवाही को नंगा करती हैं, आखिर दिल्ली में ये हत्याकांड क्यों हो रहे हैं? व्यवस्था और निगरानी की बुनियादी और प्राथमिक जिम्मेदारी किसकी है? जाहिर है कि केजरीवाल की सरकार और आप के नगर निगम की जिम्मेदारी है। ड्रेनेज सिस्टम और नालों की सफाई कौन देखेगा? दिल्ली में तो इतनी बारिश भी नहीं हुई है कि व्यवस्थाएं ही डूब जाएं। आईएएस कोचिंग सरीखे 550 से अधिक केंद्र दिल्ली में चल रहे हैं, जिनमें से 60-65 ही पूरी तरह वैध हैं। अधिकतर इमारतों में अग्नि-सुरक्षा के न तो बंदोबस्त हैं और न ही प्रमाणपत्र हैं। उनका कोई क्या बिगाड़ सकता है, क्योंकि ऊपर तक मुंह में दही जमाई हुई है। अब ये नजराने किस स्तर तक दिए जाते रहे हैं, यह जांच का विषय है, जिसका कोई ठोस निष्कर्ष कभी सामने नहीं आएगा। इस हत्याकांड के बाद युवाओं में आक्रोश है, वे विद्रोह पर उतारू हैं, हत्या का केस दर्ज किए जाने के आग्रह कर रहे हैं। अब प्रशासन ने इमारतों के ऑडिट करने का फैसला लिया है। उससे भी क्या होगा, क्योंकि प्रशासन ने ही आंखें मूंदी हुई हैं, कान भी बंद कर रखे हैं, संज्ञान पर सन्नाटा छाया है।

कोचिंग सेंटर क्यों बन रहे मौत के सौदागर?

डॉ. रमेश ठाकुर

दिल्ली के एक आईएएस कोचिंग सेंटर में पानी भरने से हुई तीन छात्रों की मौत ने शिक्षण संस्थाओं की कार्यशैली पर फिर बड़ा सवाल खड़ा किया है। सवाल ऐसा जिसका जवाब शायद वो कभी न दे पाएं। क्योंकि ऐसे सवाल हर ऐसी घटना के बादवर्षों से पूछे जा रहे हैं। देशभर के छात्र अपना भविष्य बनाने की चाह लेकर कोचिंग सेंटरों में पहुंचते हैं। भारी भरकम फीस भरते हैं, लेकिन सुविधाओं के नाम पर सिर्फ हादसे और मौत? राजस्थान का कोटा शहर तो हादसों के लिए कुख्यात है ही, उस रास्ते पर अब दिल्ली भी चल पड़ी है। दिल्ली में सिविल सेवाओं की तैयारी का गढ़ माना जाता है। मुखर्जी नगर और राजेंद्र नगर में सालाना हजारों की संख्या में छात्र तैयारी करने जाते हैं। ज्यादातर कोचिंग सेंटर किराये के मकानों में संचालित हैं जिनमें जरूरत की सुविधाएं बिल्कुल भी नहीं होतीं। राजधानी के ओल्ड राजेंद्र नगर में जिस कोचिंग सेंटर में हादसा हुआ है, वह भी किराये पर था। बेसमेंट में बारिश का पानी हमेशा से भरता रहता था, जिसे सेंटर वालों ने कभी गंभीरता से नहीं लिया। आस-पड़ोस और चश्मदीदों ने बताया कि सेंटर में पानी जमा होने की समस्या पुरानी है। ड्रेनेज की सही व्यवस्था नहीं है और साफ-सफाई भी नियमित रूप से नहीं होती। स्टूडेंट्स के रहने की व्यवस्था भी ठीक नहीं थी। जगह-जगह पर बिजली के तार भी गिरे रहते हैं, जिससे किसी को भी करंट लग सकता है। पिछले सप्ताह दिल्ली में अच्छी बारिश हुई जिसका पानी हादसे वाली राव कोंचिंग में इतना भर गया कि तीन होनहार बच्चे डूबकर मर गए। घटना के वक्त छात्र बेसमेंट में केबिन के भीतर पढ़ाई में मग्न थे, लेकिन उन्हें क्या पता था आज की पढ़ाई उनकी अंतिम होने वाली है। पानी के रूप में बेसमेंट में मौत प्रवेश कर चुकी है। छात्रों को नहीं पता था कि अंदर पानी भर आया है, क्योंकि बेसमेंट में रिसप्शन भी था, सेंटरकर्मी भी कई मौजूद थे, लेकिन अंदर पानी भरता देख वह छात्रों की सहायता करने के बजाय भाग खड़े हुए। घटना के वक्त राव कोचिंग का मुख्य संचालनकर्ता भी मौजूद था, वो भी भाग निकला। अगर ये लोग बच्चों को बचाने का प्रयास करते तो शायद उनकी जान बच जाती। लेकिन उन्होंने ऐसा करना मुनासिब नहीं समझा।

दिल्ली में कुकुरमुत्तों की भांति अब कोचिंग सेंटर संचालित हो चुके हैं। यूपीएससी, बैंकिंग, एनडीए, सैनिक, डिफेंस अकादमी आदि परीक्षाओं की तैयारी करने विभिन्न राज्यों से बच्चे दिल्ली पहुंचते हैं। दिल्ली में कोचिंग सेंटरों में छात्रों के हताहत होने की ये पहली घटना नहीं है, पूर्व में भी कई ऐसी घटनाएं हुईं, लेकिन पूर्ववर्ती घटनाओं से न प्रशासन ने कुछ सीखा और न ही कोचिंग संचालनकताओं ने कुछ सबक लिया। सेंटर छात्रों से मोटी फीस वसूलते हैं, यूपीएससी के छात्रों से तो मुंह मांगा? छात्र और उनके परिजन उज्वल सपनों का ख्याल करते हुए सभी मांगे पूरी करते हैं। पर, कोचिंग वालों को पढ़ाई के अलावा सुरक्षा संबंधित जो सुविधाएं बच्चों को मुहैया करवानी चाहिए, वो नहीं करते। कोचिंग वालों को सिर्फ शिक्षा के नाम पर धंधा करना होता है। इनके तार पुलिस और सफेदपोशों तक होते हैं ताकि कोई अनहोनी घटना होने पर सुलझा लिया जाए। दिल्ली की घटना के बाद हादसा करने वाला कोचिंग सेंटर का मालिक भी इसी के जुगत में है। उसके संबंध विभिन्न राजनीतिक दलों से बताए गए हैं, स्थानीय पुलिस में भी उसकी अच्छी सांठगांठ है। बहरहाल, मन को झकझोर देने वाली घटना ने पूरे देश में कोहराम मचाया हुआ है। घटना से आक्रोशित सैकड़ों छात्र घटनास्थल पर धरने पर हैं। उनका दर्द शायद कोई समझ पाए, क्योंकि उन्होंने अपने तीन साथियों को खोया है। मृतक छात्रों के परिवारों को देखकर रूह कांपने लगती है। परिजन दिल्ली पहुंचकर बिलख रहे हैं। उन्होंने अपने दिल के टुकड़ों को भविष्य बनाने के लिए दिल्ली भेजा था, लेकिन प्रभु की लीला देखो, अपने कलेजे के टुकड़ों के शव लेकर घरों को लौट रहे हैं। हताहतों में एक छात्रा यूपी के अंबेडकरनगर और दूसरी तेलंगाना की तो वहीं तीसरा छात्र केरल के एनार्कुलम का था। उत्तर प्रदेश की छात्रा श्रेया यादव के पिता दूध बेचते हैं, उनका सपना था बेटी अफसर बने।

दिल्ली सरकार ने घटना के संबंध में बेशक मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हों, लेकिन मृतक छात्रों के साथी चीख-चीख बोल रहे हैं कि घटना कोचिंग वालों की लापरवाही से हुई। घटना की सच्चाई एकदम सामने है। घटना बीते शनिवार को उस वक्त घटी जब कुछ छात्र पढ़ाई में मग्न थे, तभी बेसमेंट में पानी घुसा। बेसमेंट से निकलने का एक ही रास्ता था, जहां से पानी अंदर आया। दूसरा कोई रास्ता नहीं था। पानी घुसता देख कोचिंग कर्मी खुद की जान बचाकर भाग निकले, लेकिन बेसमेंट के केबिन में पढ़ रहे छात्रों को नहीं बचाया। मृतकों के नाम श्रेया यादव, तान्या सोनी और निविन हैं, तीनों यूपीएससी की तैयारी करते थे। पुलिस ने कोचिंग सेंटर के संचालकों पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है और दिल्ली की मंत्री अतिशी ने घटना पर दुख जताते हुए, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है। लेकिन ये सब उस जख्म को कभी नहीं भर सकते जो मृतकों के परिवारों को मिल चुके हैं। कोचिंग सेंटरों को अपनी कार्यशैली बदलनी होगी, सिर्फ कमाई का जरिया सेंटरों को नहीं समझना चाहिए।

प्रेमचंद की कृतियों का वस्तुगत और वैज्ञानिक मूल्यांकन की आवश्यकता

अक्सर किसी साहित्यकार या महापुरुष की जयंती मनाने के क्रम में प्रायः यही कहा जाता है कि हमें उनके आदर्शों, गुणों और विचारधारा का अनुकरण करना चाहिए। उनके बताए रास्ते पर चलना चाहिए , वगैरह वगैरह ।प्रेमचंद को याद करते हुए भी यही बातें दुहरा दी जाती हैं। ऐसा कहने वाले लोग शायद यह नहीं जानते कि कोई भी आदर्श चिरस्थाई नहीं होता बल्कि समय एवं परिस्थिति में परिवर्तन के साथ ही उसमें बदलाव आता है , लाना पड़ता है। अतीत के ऊंचे से ऊंचे आदर्शों का भी वर्तमान में अंधानुकरण करने से लाभ के बदले हानि होने की पूरी सम्भावना रहती है। किसी भी घटना अथवा वस्तुगत परिस्थिति पर तर्क संगत और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से विचार करने वाला कोई भी व्यक्ति इस बात को आसानी से समझ सकता है कि महान से महान प्रतिभाशाली व्यक्ति का चिंतन उसके स्थान ,काल , परिस्थिति एवं भौतिक सीमाओं का अतिक्रमण नहीं कर सकता। इसलिए किसी महापुरुष या साहित्यकार की कृतियों के मूल्यांकन में उसके देश ,काल और भौतिक परिस्थितियों को नजर अंदाज करने से उसका सही ,वस्तुगत और वैज्ञानिक मूल्यांकन नहीं हो सकता। प्रेमचंद के साहित्य पर विचार करने के क्रम में हमें उस समय के उन तमाम भौतिक परिस्थितियों पर पहले नजर डालनी होगी , जिसमें उन्होंने अपने साहित्य का सृजन किया है। तभी हमें उनकी कृतियों की सही समझ हासिल हो सकेगी। प्रेमचंद का रचना काल राजनीति, समाज नीति और कला के विभिन्न प्रयोगों तथा संघर्षों का काल है। उस समय हमारे देश में सामंती समाज व्यवस्था की जगह पूंजीवादी व्यवस्था आकार ले रही थी और गांवों में सामंती व्यवस्था के अवशेष कायम थे। विदेशी शासक और देशी जमींदारों के शोषण से गांव की जनता त्राहि -त्राहि कर रही थी। शोषित और उपेक्षित वर्ग के बीच अनेक प्रकार की कुरीतियां , अंधविश्वास और धार्मिक आडम्बर का बोलवाला था। इस काल में देश का युवा वर्ग अनुभव की छोटी-छोटी पगडंडियों से गुजर रहा था और नेतृत्व दिशाहीन था।

ब्रह्मानन्द ठाकुर
लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

आज 31जुलाई का दिन कथा सम्राट और महान उपन्यासकार मुंशी प्रेमचंद का जन्म दिन है। इस अवसर पर विभिन्न साहित्यिक - सांस्कृतिक संस्थाओं में इस महान साहित्यकार की जयंती मनाई जाती है। अक्सर किसी साहित्यकार या महापुरुष की जयंती मनाने के क्रम में प्रायः यही कहा जाता है कि हमें उनके आदर्शों, गुणों और विचारधारा का अनुकरण करना चाहिए। उनके बताए रास्ते पर चलना चाहिए , वगैरह वगैरह ।प्रेमचंद को याद करते हुए भी यही बातें दुहरा दी जाती हैं। ऐसा कहने वाले लोग शायद यह नहीं जानते कि कोई भी आदर्श चिरस्थाई नहीं होता बल्कि समय एवं परिस्थिति में परिवर्तन के साथ ही उसमें बदलाव आता है , लाना पड़ता है। अतीत के ऊंचे से ऊंचे आदर्शों का भी वर्तमान में अंधानुकरण करने से लाभ के बदले हानि होने की पूरी सम्भावना रहती है। किसी भी घटना अथवा वस्तुगत परिस्थिति पर तर्क संगत और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से विचार करने वाला कोई भी व्यक्ति इस बात को आसानी से समझ सकता है कि महान से महान प्रतिभाशाली व्यक्ति का चिंतन उसके स्थान ,काल , परिस्थिति एवं भौतिक सीमाओं का अतिक्रमण नहीं कर सकता। इसलिए किसी महापुरुष या साहित्यकार की कृतियों के मूल्यांकन में उसके देश ,काल और भौतिक परिस्थितियों को नजर अंदाज करने से उसका सही ,वस्तुगत और वैज्ञानिक मूल्यांकन नहीं हो सकता।

प्रेमचंद के साहित्य पर विचार करने के क्रम में हमें उस समय के उन तमाम भौतिक परिस्थितियों पर पहले नजर डालनी होगी , जिसमें उन्होंने अपने साहित्य का सृजन किया है। तभी हमें उनकी कृतियों की सही समझ हासिल हो सकेगी।

प्रेमचंद का रचना काल राजनीति, समाज नीति और कला के विभिन्न प्रयोगों तथा संघर्षों का काल है। उस समय हमारे देश में सामंती समाज व्यवस्था की जगह पूंजीवादी व्यवस्था आकार ले रही थी और गांवों में सामंती व्यवस्था के अवशेष कायम थे। विदेशी शासक और देशी जमींदारों के शोषण से गांव की जनता त्राहि -त्राहि कर रही थी। शोषित और उपेक्षित वर्ग के बीच अनेक प्रकार की कुरीतियां , अंधविश्वास और धार्मिक आडम्बर का बोलवाला था। इस काल में देश का युवा वर्ग अनुभव की छोटी-छोटी पगडंडियों से गुजर रहा था और नेतृत्व दिशाहीन था। आर्य समाज ,हिंदु समाज , हरिजन उद्धार समाज , सर्वोदय जैसी सुधार समितियां राजनीतिक मंच के रूप में सक्रिय थीं। प्रेमचंद की करीब 266 कहानियां तथा 10 उपन्यास तत्कालीन भारतीय समाज के संघर्षमय जिंदगी के दस्तावेज हैं। अपने पूर्ववर्ती साहित्यकारों से विरासत के रूप में काल्पनिक दुनिया में विचरने वाला साहित्य पा कर भी जिस साहित्यकार ने शोषित -पीडित जनता को अपनी संवेदना दी , उन्हें शोषण से मुक्ति की राह दिखाई ,वह आज भी प्रासंगिक हैं। प्रेमचंद भारत के करोड़ों शोषित -पीडितों की जुबान थे, जिनके माध्यम से अशिक्षित किसान -मजदूरों की वेदना बोलती थी। सफल साहित्यकार केवल समस्याओं का चित्रण ही नहीं करता , उसके समाधान का रास्ता भी सुझाता है। गोदान के गोबर तथा झुनियां और मातादीन तथा सिलिया के प्रश्न आज भी हमारे सामाजिक जीवन को झकझोरते है।

प्रेमचंद के समय में तिलक-चंदन , कथा -भागवत ,धर्म - संस्कार ,स्नान -पूजा का रिवाज होते हुए भी उसकी मयार्दाएं झूठी पर चुकी थी। शादी-विवाह ,जन्म -मरण सबकुछ विरादरी के हाथों में था। विरादरी से अलग जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। ब्राह्मण खुद को श्रेष्ठ मान दूसरी जाति वाले को विरादराना भय दिखा कर दबाए रखना चाहते थे। तभी तो गोदान का हरखू कहता है, तुम हमें ब्राह्मण नहीं बना सकते , मुदा हम तुम्हें चमार बना सकते हैं ।तुम हमें ब्राह्मण बना दो ,हमारी पूरी विरादरी बनने को तैयार हैं। जब यह सामर्थ्य नहीं, तो फिर तुम भी चमार बनो, हमारे साथ खाओ -पीओ, उठो -बैठो , हमारी इज्जत लेते हो तो अपना धरम भी हमें दो। मातादीन के मुंह में हड्डी डाला जाना तब के समय में बड़ी बात थी। प्रेमचंद धन-धर्म ,मान -प्रतिष्ठा से किसी भी शर्त पर समझौता करने के पक्ष में नहीं रहे। वे सही मायने में एक जनवादी लेखक थे। वे वैयक्तिक और सृजनात्मक दोनों क्षेत्र में केवल जनता के बने रहे। उत्तरप्रदेश के तत्कालीन गवर्नर सर मालकम हेली ने 1929 में जब उनको रायसाहबी देने का जब प्रस्ताव भेजा तब आजीवन अभाव में जीने वाले इस साहित्यकार ने अपने स्वाभिमान और जनता के साथ अटूट प्रेम का परिचय देते हुए जवाब में कहा था, तब मैं जनता का आदमी न रह कर एक पिट्ठू बन जाऊंगा, उसी तरह जैसे अन्य लोग हैं ।तब सरकार मुझसे जो लिखवाएगी ,लिखना पड़ेगा ।जनता का तुच्छ सेवक हूं,अगर जनता की रायसाहबी मिली तो सिर आंखों पर , गवर्नमेंट की रायसाहबी की इच्छा नहीं है। प्रेमचंद ने भी मानव जीवन की तमाम समस्याओं को आर्थिक धरातल पर ही तौलने का प्रयास किया है। उन्होंने अपनी कृतियों के माध्यम से यह सिद्ध कर दिया है कि हमारे जीवन की सारी समस्याओं के पीछे आर्थिक कुव्यवस्था का ही हाथ है। यहां तक कि शिक्षा, राजनीति ,नीति -नैतिकता और न्याय व्यवस्था भी इसी आर्थिक व्यवस्था से नियंत्रित और संचालित होती है। एक जगह वे न्याय व्यवस्था पर चोट करते हुए लिखते हैं, कहां है न्याय? एक गरीब आदमी किसी की खेत से बालें नोच कर खा लेता है तो कानून उसे सजा देता है और दूसरा अमीर आदमी दिन दहाड़े लूटता है तो उसे पदवी मिलती है ,सम्मान मिलता है। प्रेमचंद के जमाने में रूस में बोलशेविक पार्टी के नेतृत्व में क्रांतिकारी परिवर्तन हो चुका था और प्रेमचंद अपने देश में भी वैसी ही क्रांति चाहते थे। लेकिन अपने देश में आजतक वैसा कुछ नहीं हुआ। आज जरुरत इस बात की है कि प्रेमचंद की कृतियों का वस्तुगत वैज्ञानिक मूल्यांकन किया जाए और आज के लेखन को वर्तमान सामाजिक , आर्थिक परिस्थितियों से जोड़ कर प्रेमचंद की परम्परा को और आगे बढ़ाया जाए जिसकी रोशनी में भारत की जनता को शोषण से मुक्ति के संघर्ष को सही दिशा मिल सके।

मौत बांटते असुरक्षित कोचिंग सैंटर, पीजी और हॉस्टल

इस त्रासदी की जड़ में है घोर दोषग्रस्त कोचिंग प्रणाली और व्यवस्था की जड़ों में समा गया बेलगाम भ्रष्टाचार। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कोचिंग संस्थान के दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है, क्योंकि दिल्ली नगर निगम के उन कर्मचारियों और अधिकारियों को क्यों नहीं गिरफ्तार किया गया जो सब कुछ जानते-बूझते हुए इस संस्थान को बेसमेंट में लाइब्रेरी चलाने की सुविधा प्रदान किए हुए थे। इस दु:खद एवं पीड़ादायक घटना ने एक बार फिर यही साबित किया है कि निर्माण कार्यों में फैले व्यापक भ्रष्टाचार और शासन तंत्र में बैठे लोगों की मिलीभगत के बीच ईमानदारी, नैतिकता, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता जैसी बातों की जगह नहीं है। जिसकी कीमत निदोर्षों को अपनी जान गंवा का चुकानी पड़ रही है। निश्चित ही देशभर में कुकुरमुत्तों की तरह उग आए कोचिंग सैंटर डैथ सैंटर बन चुके हैं। कोचिंग सैंटरों का कारोबार शासन के दिशा-निर्देशों की धज्जियां उड़ाकर चल रहे हैं। छात्रों को सुनहरी भविष्य का सपना दिखा कर मौत बांटी जा रही है। आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में तीव्रता से व्याप्त है, अनेक हादसों एवं जानमाल की हानि के बावजूद भ्रष्ट हो चुकी मोटी चमड़ी पर कोई असर नहीं होता। प्रश्न है कि सैंटर के मालिक को तो गिरफ्तार कर लिया लेकिन ऐसी घटनाओं के दोषी अधिकारी क्यों नहीं गिरफ्तार होते? शनिवार की शाम राजधानी दिल्ली के ओल्ड राजेन्द्र नगर के कोचिंग सैंटर में हुए हादसे में तीन छात्रों नेविन डोल्विन, तान्य सोनी और श्रेया यादव की दुखद मौत ने अनेक सवालों को खड़ा किया है।

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

दिल्ली में सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कराने वाले एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से तीन छात्रों की मौत-हादसे ने समूचे राष्ट्र को दुःखी एवं आहत किया है, यह हादसा नहीं, बल्कि मानव जनित त्रासदी है, लापरवाही एवं लोभ की पराकाष्ठा है। इस त्रासदी की जड़ में है घोर दोषग्रस्त कोचिंग प्रणाली और व्यवस्था की जड़ों में समा गया बेलगाम भ्रष्टाचार। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कोचिंग संस्थान के दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है, क्योंकि दिल्ली नगर निगम के उन कर्मचारियों और अधिकारियों को क्यों नहीं गिरफ्तार किया गया जो सब कुछ जानते-बूझते हुए इस संस्थान को बेसमेंट में लाइब्रेरी चलाने की सुविधा प्रदान किए हुए थे। इस दुःखद एवं पीड़ादायक घटना ने एक बार फिर यही साबित किया है कि निर्माण कार्यों में फैले व्यापक भ्रष्टाचार और शासन तंत्र में बैठे लोगों की मिलीभगत के बीच ईमानदारी, नैतिकता, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता जैसी बातों की जगह नहीं है। जिसकी कीमत निदोर्षों को अपनी जान गंवा का चुकानी पड़ रही है। निश्चित ही देशभर में कुकुरमुत्तों की तरह उग आए कोचिंग सैंटर डैथ सैंटर बन चुके हैं। कोचिंग सैंटरों का कारोबार शासन के दिशा-निदेर्शों की धज्जियां उड़ाकर चल रहे हैं। छात्रों को सुनहरी भविष्य का सपना दिखा कर मौत बांटी जा रही है। आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में तीव्रता से व्याप्त है, अनेक हादसों एवं जानमाल की हानि के बावजूद भ्रष्ट हो चुकी मोटी चमड़ी पर कोई असर नहीं होता। प्रश्न है कि सैंटर के मालिक को तो गिरफ्तार कर लिया लेकिन ऐसी घटनाओं के दोषी अधिकारी क्यों नहीं गिरफ्तार होते?

शनिवार की शाम राजधानी दिल्ली के ओल्ड राजेन्द्र नगर के कोचिंग सैंटर में हुए हादसे में तीन छात्रों नेविन डोल्विन, तान्य सोनी और श्रेया यादव की दुखद मौत ने अनेक सवालों को खड़ा किया है। केरल का रहने वाला नेविन आईएएस की तैयारी कर रहा था और वह जेएनयू से पीएचडी भी कर रहा था। उत्तर प्रदेश की श्रेया यादव ने अभी एक महीना पहले ही इस कोचिंग सैंटर में दाखिला लिया था। कोचिंग सैंटर के बेसमेंट में लाइब्रेरी चल रही थी जहां 150 छात्रों के बैठने की व्यवस्था थी। हादसे के वक्त 35 छात्र मौजूद थे। चंद मिनटों में ही बेसमेंट में पानी भर गया। सिर्फ इसी सैंटर में नहीं, बल्कि लगभग सभी शैक्षणिक कोचिंग सैंटर के बेसमेंट में लाइब्रेरी बनाई गई है। जिसके गेट बायोमेट्रिक आईडी से खुलते हैं, जैसे ही बारिश होती है, बिजली चली जाती है, उसके बाद बेसमेंट से निकलना बिना बायोमैट्रिक आईडेंटिफिकेशन के मुश्किल होता है। ऐसी स्थिति में हादसे और मौत की संभावना बढ़ जाती है। ओल्ड राजेंद्र नगर के न सिर्फ कोचिंग सैंटर बल्कि पीजी और हॉस्टल की असुरक्षित हालत भी मौत लिये किसी भी क्षण बड़े हादसे की संभावना के साथ खड़ी है। जहां इस कदर अवैध निर्माण है कि कभी भी दूसरा या दोबारा हादसा हो सकता है। इसलिये ऐसे हादसों की जांच से काम नहीं चलने वाला।

विडम्बनापूर्ण है ऐसे जलभराव एवं आगजनी के हादसों से सबक नहीं लिया जाता। यह प्रवृत्ति दुर्भाग्यपूर्ण है। विडम्बना देखिये कि ऐसे भ्रष्ट शिखरों को बचाने के लिये सरकार कितने सारे झूठ का सहारा लेती है। राजधानी में रह-रह कर एक के बाद एक हो रहे हादसों के बावजूद दिल्ली-सरकार की नींद नहीं खुल रही है। हाल ही में गुजरात के राजकोट में एक एम्यूजमेंट पार्क के अंदर गेमिंग जोन में लगी आग की लपटें हो या राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बच्चों के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में आग लगना और अब कोचिंग सैंटर में तीन होनहार एवं देश के भविष्य बच्चों का दर्दनाक तरीके से डूबकर मर जाना-निश्चित रूप से ये हादसे प्रशासनिक लापरवाही की उपज हैं, यही कारण है कि सिस्टम में खामियों और ऐसी आपदाओं को रोकने में सरकारी अधिकारियों की लापरवाही की निंदा भी व्यापक स्तर की जा रही है। यह याद रखने योग्य है कि नियमित अंतराल पर मानवीय जिम्मेदारी वाले पहलू की अनदेखी से ऐसी गंभीर घटनाएं होने के बावजूद अधिकारियों की उदासीनता और लापरवाही कम होती नहीं दिख रही है। इन त्रासद हादसों ने कितने ही परिवारों के घर के चिराग बुझा दिए।

परिवार वालों ने और छात्रों ने स्वर्णिम भविष्य के सपने संजो कर और लाखों की फीस देकर कोचिंग शुरू की होगी लेकिन उन्हें नहीं पता था कि उन्हें इस तरह मौत मिलेगी। छात्रों की मौत को महज हादसा नहीं माना जा सकता, यह एक तरह से निर्मम हत्या है और हत्यारा है हमारा सिस्टम। हादसे से आक्रोशित छात्रों का कहना है कि वे 10-12 दिन से दिल्ली नगर निगम से कह रहे हैं कि ड्रेनेज सिस्टम की सफाई कारवाई जाए लेकिन किसी भी जनप्रतिनिधि और जिम्मेदार अधिकारियों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। हादसे तभी होते हैं जब नियमों और कानूनों को ताक पर रखा जाता है। तंत्र की काहिली और आपराधिक लापरवाही के चलते ऐसे हादसे होते हैं जिनमें भ्रष्टाचार पसरा होता है, जब अफसरशाह लापरवाही करते हैं, जब स्वार्थ एवं धनलोलुपता में मूल्य बौने हो जाते हैं और नियमों और कायदे-कानूनों का उल्लंघन होता है। जलभराव क्यों और कैसे हुआ, यह तो जांच का विषय है ही लेकिन इन शैक्षणिक एवं व्यावसायिक इकाइयों को उसके मालिकों ने मौत का कुआं बना रखा था। आखिर क्या वजह है कि जहां दुर्घटनाओं की ज्यादा संभावनाएं होती हैं, वही सारी व्यवस्थाएं फेल दिखाई देती है? सारे कानून कायदों का वहीं पर स्याह हनन होता है। हर दुर्घटना में गलती भ्रष्ट आदमी यानी अधिकारी एवं व्यवसायी की ही होती है, लेकिन दुर्घटना होने के बाद ही उन पर कार्रवाई क्यों होती है? सरकार पहले क्यों नहीं जागती?

वैसे तो बेसमेंट में कोचिंग सैन्टर या लाइब्रेरी चलाना गैर-कानूनी है, इस घटना के सन्दर्भ जब बेसमेंट में स्टोर या पार्किंग की अनुमति दी गई थी तो वहां लाइब्रेरी कैसे चलने लगी? स्पष्ट है कि कोचिंग संचालकों और दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों की मिलीभगत से ऐसा हो रहा होगा। जलभराव के कारण पानी जब बेसमेंट में घुसा तब लाइब्रेरी में 30-35 छात्र थे। यह तो गनीमत रही कि तीन अभागे छात्रों को छोड़कर बाकी सब जैसे-तैसे निकल आए। इस इलाके में बरसात में हर समय जलभराव होता है, लेकिन किसी ने उसकी सुध नहीं ली। इसका कोई विशेष औचित्य नहीं कि एमसीडी ने एक जांच समिति गठित करने की बात कही है। जांच के नाम पर लीपापोती होने की ही आशंका अधिक है। दिल्ली की घटना इसकी परिचायक है कि जिन पर भी शहरी ढांचे की देखरेख करने और उसे संवारने की जिम्मेदारी है, वे अपना काम सही से करने के लिए तैयार नहीं। यही कारण है कि देश की राजधानी के साथ-साथ अन्य महानगरों का भी शहरी ढांचा बुरी तरह चरमरा गया है। बात हम नया भारत एवं विकसित भारत की करते हैं, लेकिन हमारी व्यवस्थाएं अभी वैसी नहीं बनी है और हम अनियंत्रित एवं असुरक्षित विकास करते जा रहे हैं। मुंबई हो, दिल्ली हो, चैन्नई या बेंगलुरु या ऐसे ही अन्य बड़े शहर -हर कहीं अनियोजित विकास और शहरी निर्माण संबंधी नियम-कानूनों के खुले उल्लंघन के चलते आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

जलीय परिस्थितिकीय तंत्र के संरक्षण एवं विकास पर कृषि विज्ञानं केन्द्रों की कार्यशाला

डा. अंजनी कुमार सिंह

भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान जोन, पटना, बिहार के तत्वाधान में एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य यह था कि विभिन्न कारको की वजह से विहार राज्य के जलीय परिस्थितिकीय तंत्र में हो रहे क्षरण को कैसे संरक्षित एवं विकासत किया जाए तथा इसमें कृषि विज्ञान केन्द्रों की क्या भूमिका हो सकती है। इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि डा0 रंजय कुमार सिंह, सहायक महानिदेशक (कृषिप्रसार) मे अपने संबोधनमें राज्य से आये हुए करीब25 कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों को बताया कि आई०सी०ए०आर० नई दिल्ली (भारत सरकार) काकृषि प्रसार संभाग यार्क विश्वविद्यालय(डॉ इलिनर जीव)के साथ मिलकर जलीय परिस्थितिकीय तंत्र तथा उसके आस-पास रहने वाले समुदायों के साथ समगतिशील जिविका पर एक अनुसंधान कर रहा है। जैसा कि डॉसिंह ने बताया कि भारत सरकार, जो की रामसर अंतर- सरकारी संधि का सदस्य है, जलीय परिस्थितिकीय तंत्र के विकास एवं संरक्षण के लिए विभिन्न विकास योजनाओं तथा नितियों पर कार्य कर रही है। कार्यशाला में कृषि प्रौद्योगिकीअनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान पटना के निदेशक डॉ अंजनी कुमार सिंह के सानिध्यमें के०वी०केके कुल करीब 23 वैज्ञानिकों ने बिहार राज्य के विभिन्न 18 जिलों के जलीय परिस्थितिकीय तंत्र की स्थिति एवं उससे संबंधित कृषि प्रणाली एवं वहाँ के समुदायों की जिविका की वस्तु स्थिति का लेखाजोखा प्रस्तुत किया। इस कार्यशाला के दौरान यह ज्ञात हुआ कि बिहार राज्य के विभिन्न जिलों के जलीय परिस्थितिकीय तंत्र जलवायु परिवर्तन, मौगोलिक बदलाव एवं सामाजिक- आर्थिक बदलाव के कारण क्षरण का सामना कर रहे हैं। के०वी०के के वैज्ञानिक, तथा निदेशक एवंमुख्य अतिथि ने इस बात पर जोर दिया कि जलीय परिस्थितिकीय तंत्र के करीब बसे हुए समुदायों की क्षमता का विकास तथा कुछ औपचारिक तकनिकियों के समावेश से संबंधित कार्य प्रणाली एवं संबंधित जलीय तंत्र के क्षरण को रोका जा सकता है। कार्यशाला के प्रतिभागियों के बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश के जलीय परिस्थितिकीय पर हुए अनुसंधानं, जो की यार्क विश्वविद्यालय के साथ किया जा रहा है, को मुख्य अतिथि ने प्रस्तुत करते हुए बिहार के लिए के०वी०के की गतिविधियों में सम्मिलित करने के प्रयास के लिए कृ० वि० केन्द्रों से अनुरोध किया। कायार्शाला का समापन इसदृण्टि से किया गया कि सामूहिक सहभागिता बढ़ाते हुए जलीय परिस्थितिकीय तंत्र तथा उससे संबंधित जिविका को नये नजरिए तथा रणनिति के साथ मजबूत किया जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

तीन शराबी गिरफ्तार

बेतिया।मैनाटांड प्रखंड अंतर्गत भंगहा पुलिस द्वारा सोमवार की संध्या गश्ती के दौरान सीतला माई मंदिर के पास से तीन शराबियों को गिरफ्तार किया गया। भंगहा थानाध्यक्ष राहुल प्रसाद मांझी ने बताया कि नरकटियागंज निवासी सुनील कुमार, बिरंची निवासी मनोज कुमार, तिलोजपुर निवासी मनोरंजन मंडल को गिरफ्तार कर थाना लाया। जांच में शराब पीने की पुष्टि होने पर तीनों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

रोटी बैंक बेतिया ट्रस्ट ने किया जल शिविर का आयोजन

बेतिया(घनश्याम)।सावन के सोमवार के शुभ अवसर पर रोटी बैंक बेतिया ट्रस्ट ने सागर पोखरा मंदिर परिसर में शुद्ध पेयजल शिविर का आयोजन किया, जिसमें पूजा-अर्चना के लिए एकत्रित हुए श्रद्धालुओं को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया गया। भीषण गर्मी में, ट्रस्ट की टीम ने यह सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किया कि सभी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो। यह आयोजन एक विनम्र अनुभव था, जिसमें लोगों के चेहरे पर पानी की चुस्की लेते हुए मुस्कान थी। मौके पर अंकित बरनवाल, विनीत कुमार, सतीश कुमार, रवि पटेल, अंशु पटेल, बिट्टू पटेल, मिथिलेश कुमार, निखिल श्रीवास्तव, धनंजय, सौरव श्रीवास्तव, अंशु कुमारी उपस्थित रहें।

दो अपराधियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

एकमा। सारण पुलिस कप्तान के निर्देश पर एक टीम गठित कि गई जिसमें एकमा एसडीपीओ राजकुमार स्पेक्टर सह थाना अध्यक्ष उदय कुमार व महिला व पुरुष सशस्त्र बल के साथ एकमा थाने के हुस्सेपुर गेट से लूटी हुई मोटरसाइकिल के साथ हथियार व गली गोली सहित दो अपराधी को गिरफ्तार किया गया। फोटो कैप्शन एकमा। बताते चलें कि एकमा थाना क्षेत्र के पचुवां गांव निवासी अब्दुल गफ्फार के पुत्र मंसूर आलम ने 18 जुलाई 2024 को थाने में एक लिखित आवेदन देकर कहा था कि 18 जुलाई को हम अपनी पत्नी का इलाज सिवान जिले के चैनपुर से कराकर अपने घर पच्चुआ लौट के दौरान एकमा थाने के आमडाढी ओवर ब्रिज के समीप हथियार का भय दिखाकर मेरा अपाची मोटरसाइकिल जिसका नंबर बीआर 04 ए,टी, 7730 लूट लिया था।

माँझी विधायक ने किया वृक्षारोपण

कोपा । माँझी के माकपा विधायक डॉ. सत्येन्द्र यादव ने एक वृक्ष माँ के नाम अभियान के तहत वन विभाग के कर्मियों के मौजूदगी में किया वृक्षारोपण मंगलवार को सारण वन प्रमंडल पदाधिकारी के आदेशानुसार वन उप परिसर पदाधिकारी वेंकटेश कुमार सहित वन विभाग के कर्मियों की मौजूदगी में इस अभियान के तहत माँझी विधानसभा के कोपा में माँझी विधायक डॉ सत्येन्द्र यादव ने वृक्षारोपण किया। वृक्षारोपण के दौरान विधायक एवं उनके समर्थकों द्वारा छायेदार तथा फलदार वृक्ष लगाए गए।इस संबंध में विधायक ने बताया कि वन पर्यावरण के दृष्टिकोण यह अभियान हर किसी के लिए लाभदायक है एक वृक्ष माँ के नाम अभियान के तहत मेरे विधानसभा क्षेत्र में यह कार्यक्रम बदस्तूर जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि मैं अपने क्षेत्र की जनता से भी आग्रह करता हूँ कि वो भी एक वृक्ष अपने माँ के नाम पर अवश्य लगाये।ताकि भविष्य में पर्यावरण को होने वाले नुकसान से बचाया जा सके।श्री विधायक ने कहा कि पेर लगाने से नही होगा पेर को देख रेख करने के लिए हम सभी को संकल्प लेना पड़ेगा।

हार्ट अटैक से शिक्षक की मौत

डोरीगंज। गरखा प्रखंड के राजकीय मध्य विद्यालय धनौरा के प्रभारी प्रधानाध्यापक सह संकुल संचालक जयकिशुन चौधरी का बीती रात हार्ट अटैक से आकस्मिक निधन हो गया। सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार 34540 कोटि के शिक्षक रूप मे 2012 मे मांझी प्रखंड के मध्य विद्यालय चमरहिया मे बहाल हुए। वे 2014 मे नागेन्द्र कुमार राजीव से मैचुअल ट्रांसफर कराकर मध्य विद्यालय धनौरा मे पदस्थापित हुए। इसके पूर्व चौधरी ईश्वरीय उच्च विद्यालय बसंत मे नियोजित शिक्षक के रूप मे भी अपनी सेवा प्रदान कर चुके है। उनके चार पुत्र ऑर दो लड़की थी जिसकी शादी वे कर चुके थे। उनके अंतिम दाह संस्कार आमी बोधाछपरा गंगा घाट पर किया गया। उनके आकस्मिक निधन से मध्य विद्यालय धनौरा एवं उच्च विद्यालय धनौरा मे शोक सभा का आयोजन गमगीन महौल मे किया गया। दोनो विद्यालय सहित संकुल के शिक्षको एवं बच्चो के प्रति मृदुल स्वभाव एवं उदार प्रवृति के लिए जाने जाते थे। धनौरा संकुल एवं गरखा प्रखंड के कई विद्यालयो मे उनके आकस्मिक निधन पर शोक मनाया गया।

पंचायती राज विभाग द्वारा क्रियान्वित योजनाओं की जिलाधिकारी ने की समीक्षा

- लक्ष्य के अनुरूप सभी पंचायत सरकार भवन के निर्माण हेतु जमीन चिन्हित,निविदा के माध्यम से निर्माण हेतु की जा रही है कार्रवाई

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। जिलाधिकारी अमन समीर ने आज पंचायती राज विभाग द्वारा जिला में क्रियान्वित की जा रही विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। पंचायत सरकार भवन के निर्माण के संदर्भ में वर्ष 2023-24 के लिये 141का लक्ष्य निर्धारित है। लक्ष्य के अनुरूप सभी पंचायतों में भूमि का चयन किया जा चुका है। यह कार्य भवन प्रमंडल, छपरा द्वारा कराया जा रहा है। इन पंचायत सरकार भवनों के निर्माण हेतु निविदा प्रक्रियाधीन है। वर्ष 2023-24 से पूर्व की योजना के तहत 64 पंचायत सरकार भवनों के निर्माण का कार्य स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन द्वारा किया जा रहा है। इन सभी पंचायत सरकार भवनों के निर्माण कार्य की प्रक्रिया को तेजी से पूरा कर निर्माण कार्य को तेजी से पूरा करने का निदेश दिया गया। निर्माण कार्य में जहाँ भी स्थानीय स्तर पर कठिनाई हो, एजेंसी को संबंधित बीपीआरओ के साथ समन्वय करने को कहा गया। मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना के तहत जिला में 21220 सोलर लाइट का अद्यतन लक्ष्य निर्धारित है। इसके तहत अबतक 11160 सोलर लाइट के लिये कार्यादेश निर्गत किया गया है। जिला में सोलर लाइट लगाने का कार्य दो एजेंसियों द्वारा किया जा रहा है इन दोनों एजेंसियों द्वारा अब तक लगभग 4 हजार सोलर लाइट का अधिष्ठापन जिला के 10 प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में किया गया है। सभी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी को सभी अधिष्ठापित सोलर लाइट के क्रियाशीलता को प्रतिमाह निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार करने को कहा गया। रिपोर्ट में खराबी का कारण तथा मरम्मती करने में एजेंसी द्वारा लिये गये समय को भी दर्ज करने को कहा गया। सभी बीपीआरओ को जन उपयोगिता के आधार पर प्रत्येक पंचायत के लिए पाँच पाँच योजनाओं की सूची तैयार करने को कहा गया। प्राथमिकता के आधार पर इन योजनाओं का क्रियान्वन विभागीय प्रावधान के तहत कराया जा सकेगा। बैठक में उपविकास आयुक्त, अपर समाहर्त्ता, प्रशिक्षु सहायक समाहर्त्ता, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता एलएईओ, सहायक अभियंता भवन एवं सभी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी उपस्थित थे।

मढ़ौरा में फेवर ब्लॉक ईट फैक्ट्री के आर में चलाया जाता था मिनी गन फैक्ट्री

पुलिस कर रही है अलग-अलग ठिकानो पर छापेमारी

- पांच लोगों की हुई गिरफ्तारी

प्रात: किरण, संवाददाता

मढ़ौरा ग्रामीण। मढ़ौरा के रुपराहीपुर स्थित फेवर ब्लॉक बनाने वाली ईट फैक्ट्री में सोमवार की देर शाम गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में अवैध मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया। इस मिनी गन फैक्ट्री के उद्वेदन के बाद यह बात काफी जोर-शोर से चर्चा में आ गई है कि इसमें तैयार कि जा रही हथियारों की बिक्री के साथ-साथ संगठित अपराध करने वाले उग्रवादी संगठनों के पास भी बेचे जाते होंगे पुलिस इस बात की भी बड़ी गहराई से तहकीकात करने में जुट गई है कि आखिर यह फैक्ट्री कितने दिनों से यहां संचालित थी और इतने दिनों में कहां-कहां और किन-किन लोगों ने हथियार की खरीद बिक्री की गई है। इस फैक्ट्री का उद्वेदन पुलिस के लिए एक बड़ी सफलता मानी जा रही है ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि पूछताछ के बाद हथियार निर्माण और तस्करी के एक बड़े रैकेट का पर्दा पास हो सकता है। इस नेटवर्क में कई बड़े-बड़े लोग के भी तार जुड़ने का संकेत मिल रहा है। काफी दिनों से गुपचुप तरीके से चलाई जा रही मिनी गन फैक्ट्री के बारे में जानकारी मिलने पर गुप्त सूचना के आधार पर मढ़ौरा पुलिस और एसटीएफ ने संयुक्त रूप से सोमवार की देर शाम छापेमारी कर यहां से भारी मात्रा में अर्ध निर्मित और पूर्ण निर्मित हथियार को बरामद किया है इस दौरान पुलिस ने फैक्ट्री संचालक मढ़ौरा के रूपरहीपुर निवासी अखिलेश कुमार कुशवाहा सहित कुल 5 लोगों को गिरफ्तार कर जरूरी पूछताछ करने के बाद छपरा जेल भेज दिया। इसमें मुंगेर से यहां आकर आकर हथियार बनाने वाले मिस्त्री भी शामिल हैं पुलिस के द्वारा अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।और भारी मात्रा में बरामद अर्ध निर्मित व पूर्ण निर्मित हथियारों को एक ट्रैक्टर पर लादकर पुलिस थाने ले गई।

अगले वर्ष हज पर जाने वाले इच्छुक बनवा लें इंटरनेशनल पासपोर्ट

अगस्त में शुरू हो सकता है पंजीयन: जावेद

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। इस्लाम के पांच स्तम्भ में हज भी शामिल है. पैगंबर मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने कहा कि हज का इनाम स्वर्ग है. आम तौर पर लोग खर्च के डर से इस पवित्र यात्रा पर जाने से घबराते हैं. लेकिन पैगंबर मुहम्मद ने फरमाया है कि कहा कि जिस तरह भट्ठी में गल कर लोहा, सोना और चांदी की गंदगी दूर हो जाती है. उसी तरह हज इंसान के गुनाह, चिंता और मजबूरी को दूर करती है. उक्त बातें जिला हज ट्रेनर सह दारुल उलूम मदीनतुल उलूम के नाजिम जावेद आलम ने कहीं. उन्होंने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया के सीईओ डॉ लियाकत अली अफाकी के मुताबिक अगले हज 2025 की घोषणा अगस्त महीने में होने की उम्मीद है. श्री जावेद ने कहा कि 2025 हज के लिए रजिस्ट्रेशन फॉर्म अगस्त की शुरूआत या सितंबर के शुरूआत में आ जाएगा. हज कमेटी ने हज पर जाने वाले भारतीय तीर्थयात्रियों को जल्द से जल्द अपना अंतरराष्ट्रीय पासपोर्ट प्राप्त करने की सलाह दी है. श्री आलम ने बताया कि इसके साथ ही आवश्यक दस्तावेजों में 15 अगस्त 2026 तक का वैलिड पासपोर्ट, बैंक पासबुक या रद्द चेक की फोटोकॉपी, ब्लड ग्रुप सर्टिफिकेट, कवर हेड का पैन कार्ड, सफेद बैकग्राउंड वाला पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड की फोटोकॉपी और दोनों तरफ का पासपोर्ट फोटोकॉपी शामिल हैं. बिहार राज्य के जिन लोगों के पास अभी तक अंतरराष्ट्रीय पासपोर्ट नहीं है. वे जल्द अपना पासपोर्ट बनाएं. उन्होंने कहा कि किसी प्रकार की सहयता या पासपोर्ट बनाने में मदद के लिए मदरसा से संपर्क किया जा सकता है या 98527511705 पर कॉल भी कर सकते हैं.

इसुआपुर में झूलसते धान के पौधे देखकर किसानों के चेहरे मुरझाए

प्रात: किरण, संवाददाता

इसुआपुर । प्रखंड के किसानों में बिन बारिश के धान की रोपनी किए जाने के बाद अब झूलसते धान के पौधों को देखकर किसानों के चेहरे मुरझाने लगे हैं। प्रकृति की प्रतिकूल स्थिति के चलते सावन के खासकर बरसात के इस महीने में पानी का कहीं नमो निशान तक नहीं है। जिससे प्रखंड में सूखे की स्थिति उत्पन्न हो गई है। जिससे किसानों के अरमान खेतों में ही झूलसते नजर आ रहे हैं। कृषक मुक्तिलाल साह, बद्री नारायण सिंह, राजेंद्र सिंह, मोगल महतो, हजारी साह, कामेश्वर साह, रंजीत ठाकुर, बालेश्वर सिंह, अमूलाल सिंह ,संतोष सिंह, धुरी सिंह, जीतू ठाकुर, बिट्ठू साह, भिखारी सिंह, परमेश्वर सिंह व अन्य का कहना था कि महाजन से कर्ज के रुपए लेकर जैसे तैसे निजी बरिंग मशीन से धान की रोपनी की थी। लेकिन प्रकृति की मार ने हमारे सारे सपनों पर पानी फेर दिया है। अब कर्ज के रुपए लौटाने को लेकर चिंता सता रही है। साथ ही बताया कि एक एकड़ धान की रोकने करने में प्रति कट्टा 150 रुपए रोटरी हल, 300 रुपए प्रति घंटा सिंचाई, 400 प्रति मजदुर, साथ ही खाद बीज को लकर प्रति एकड़ दस हजार रुपए से लेकर 15 हजार रुपए तक का लागत खर्च आया है। जबकि खेतों में लगे धान के पौधे पानी के बिना सुख रहे हैं तथा खेतों में दरारें पड़ने लगी हैं। समय से बारिश नहीं होने से अभी धान की रोपनी आधे से भी कम हुई है। वही पड़ रही भीषण गर्मी से आम से खास लोग परेशान हैं। इन लोगों का यह भी कहना था कि असाढ़ ,सावन के महीने में सभी जगह खेत खलिहान, चंवर, पोखर, गढ्ढे भर जाते थे। चारों तरफ हरियाली ही हरियाली दिखाई देती थी। वहीं उनका यह भी कहना था कि कई वर्षों से बरसात के महीने में इंद्र भगवान कौं ऐसी नाराजगी देखने को नहीं मिली थी।

परसा पुलिस ने दिघवारा से लूटे गए लाखो रुपए के समान को बरामद कर किया दिघवारा पुलिस के हवाले

प्रात: किरण, संवाददाता

परसाः-परसा पुलिस ने दिघवारा से लूटी गई ट्रक को लाखो रुपए के समान के साथ 24 घंटे के अंदर परसा थाना क्षेत्र के बलहा शिवमन्दिर के समीप से बरामद कर लिया है । थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि दिघवारा से लूटी गई समान को मंगलवार को रात्रि बरामद किए जाने के बाद दिघवारा पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया है ।

वही दिघवारा थानाध्यक्ष के अनुसार गत 29 जुलाई को दरियापुर थाना क्षेत्र के बनवारीपुर निवासी कन्हैया राय ने दिघवारा थाना में ट्रैक्टर पर लदे लाखो रुपए के लोहे का रड सरिया लूट होने के मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई थी ।प्राथमिकी में कहा है कि दिघवारा थाना क्षेत्र के शीतलपुर पीरगंज के समीप अज्ञात बोलेरो से तीन चार संख्या में अज्ञात लोग आए और जबरदस्ती मुझे ट्रैक्टर से उतारकर अपने से ट्रैक्टर ड्राइव कर लोहे का रड लेकर फरार हो गए ।

और मुझे बोलेरो गाड़ी में बैठाकर दोनो आंखो पर पट्टी बांध दिया और मेरा कार्बन कम्पनी का मोबाइल छीनते हुए छपरा के समीप उमधा स्थान के समीप सड़क किनारे फेंक कर फरार हो गया ।

जिसके आलोक में परसा थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने पुलिस दल के साथ मोबाइल सर्विलांस के अधार पर त्वरित करवाई करते हुए परसा थाना क्षेत्र के बलहा शिव मंदिर के समीप से सरिया लदा आयशर ट्रेक्टर को बरामद कर लिया ।

थानाध्यक्ष ने बताया कि समान लदे ट्रैक्टर बरामदगी के बाद अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है ।

30 जुलाई विश्व मानव व्यापार निषेध दिवस पर प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर द्वारा कार्यक्रम आयोजित

प्रात: किरण, संवाददाता

मोतिहारी। 30 जुलाई विश्व मानव व्यापार निषेध दिवस के अवसर पर प्रयास जुवेनाइल एड सेन्टर पूर्वी चम्पारण एवम न्याय नेटवर्क परियोजना डंकन अस्पताल रक्सौल व जिला विधिक सेवा प्राधिकर पूर्वी चम्पारण के सहयोग से जिला विधिक सेवा प्राधिकर पूर्वी चम्पारण सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला एवम सत्र न्यायाधीश देवराज त्रिपाठी,सी जी एम व्यवहार न्यायालय मनीष कुमार उपाध्याय , ए.डी जे मुकुंद कुमार, सुशांत कुमार, बृजेश कुमार, राकेश कुमार तिवारी, आर एन सिंह, एल एन त्रिपाठी, अरुण कुमार सिन्हा,ए सी जी एम रंजन कुमार, हेमंत कुमार, सचिव राजेश कुमार दुबे जिला विधिक सेवा प्राधिकर पूर्वी चम्पारण , जे एम नेहा नायर, गौरव सिंह, मिस सांभवी, अनीश कुमार प्रभात,जिसका उद्देश्य मानव व्यापार (ट्रेफिकिंग) रोक थाम एवम बाल यौन शौषण (लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण) को लेकर प्रयास संस्था द्वारा एक विशेष कार्यक्रम 2024 में शुरू किया संगठन ने अपनी विशेष परीचालन का विस्तार अलग अलग राज्यों में किया। बाल यौन शौषण पर प्रयास का हस्तक्षेप कार्यक्रम का उद्देश्य एक ऐसा वातावरण बनाना है। जिसमे पीड़ित न्याय पाने के लिए सुरक्षित, संरक्षित और सशक्त महसुस करे। इस कार्यक्रम की दो महत्वपूर्ण केन्द्र बिन्दु हैं ।

सहायक व्यक्तियों की नियुक्ती के माध्यम से पीड़ितो की देख भाल , सुरक्षा और पुनर्वास के लिए की नियुक्ती और न्याय की त्वरित प्राप्ति के लिए अदालत में पीड़िताओं को कानूनी प्रतिनिधित्व प्रदान करना। प्रयास संस्था के राज्य समन्वयक जितेन्द्र कुमार सिंह द्वारा विस्तृत जानकारी दिया गया। साथ ही न्याय नेटवर्क परियोजना डंकन अस्पताल रक्सौल से डाक्टर इमामुल, जुहान थ्रो, प्रणय मोहंत्री, रुबेल, सुमित लीमा, लीगल एडवाइजर संजू सिंह सिंह द्वारा मानव व्यापार ट्रेफिकिंग रोक थाम हेतु सभी अतिथियों को विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला गया। जिला बाल कल्याण समिति सदस्य ओमप्रकाश सिंह, दिग्विजय कुमार द्वारा बाल यौन शौषण एवम मानव व्यापार ट्रेफिकिंग जैसे मुद्दों पर प्रकाश डाला गया। मौके पर सेव द चिल्ड्रन से हमीद रेजा, एएचटीयू से दीपक कुमार, योगेन्द्र सिंह, श्रम विभाग से श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी उमेश प्रसाद सिंह, एसएसबी 71ई वाटलियन से एंटी ह्यूमन ट्रेफिकिंग इंस्पेटर अभय कुमार, कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन प्रयास जुवेनाइल एड सेन्टर पूर्वी चम्पारण की जिला परियोजना समन्वयक आरती कुमारी द्वारा किया गया, प्रयास संस्था से सामाजिक कार्यकर्ता विजय कुमार शर्मा, राज गुप्ता, अभिषेक कुमार, उमेश कुमार श्रीवास्तव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार से राजेश कुमार, अरुणेश कुमार, आदि उपस्थित थे।

माँझी विधायक ने किया वृक्षारोपण

प्रात: किरण, संवाददाता

कोपा । माँझी के माकपा विधायक डॉ. सत्येन्द्र यादव ने एक वृक्ष माँ के नाम अभियान के तहत वन विभाग के कर्मियों के मौजूदगी में किया वृक्षारोपण मंगलवार को सारण वन प्रमंडल पदाधिकारी के आदेशानुसार वन उप परिसर पदाधिकारी वेंकटेश कुमार सहित वन विभाग के कर्मियों की मौजूदगी में इस अभियान के तहत माँझी विधानसभा के कोपा में माँझी विधायक डॉ सत्येन्द्र यादव ने वृक्षारोपण किया। वृक्षारोपण के दौरान विधायक एवं उनके समर्थकों द्वारा छायेदार तथा फलदार वृक्ष लगाए गए।इस संबंध में विधायक ने बताया कि वन पर्यावरण के दृष्टिकोण यह अभियान हर किसी के लिए लाभदायक है एक वृक्ष माँ के नाम अभियान के तहत मेरे विधानसभा क्षेत्र में यह कार्यक्रम बदस्तूर जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि मैं अपने क्षेत्र की जनता से भी आग्रह करता हूँ कि वो भी एक वृक्ष अपने माँ के नाम पर अवश्य लगाये।ताकि भविष्य में पर्यावरण को होने वाले नुकसान से बचाया जा सके।श्री विधायक ने कहा कि पेर लगाने से नही होगा पेर को देख रेख करने के लिए हम सभी को संकल्प लेना पड़ेगा।

अग्निशमन जागरूकता के लिए पूरे शहर के चौक चौराहे पर मॉक ड्रिल किया गया

प्रात: किरण, संवाददाता

बगहा। अग्निशमन जागरूकता अभियान के तहत पुरे बगहा शहर में चौक चौराहों पर मॉक ड्रिल किया गया। एनएच 727 मुख्य सड़क से लेकर बगहा 2 तक अग्निशमन दस्ता कर्मियों ने पूरे दलबल के साथ जागरूकता रैली निकाली और भीड़भाड़ वाले चौक चौराहों पर लोगों से जानकारियां साझा की। इसके तहत अग्निशमन दस्ता की टीम ने लोगों को अचानक घटना के बाद सुरक्षा और बचाव की जानकारी दी। मॉक ड्रिल करते हुए टीम ने बताया की अचानक गैस सिलेंडर में आग लग जाती है तो इसको किस तरीके से बुझाया जाए और आग पर काबू पाया जाए। जिला अग्निशमन पदाधिकारी अनिल कुमार वर्मा ने बताया कि चारों तरफ जगह जगह आग लगने की संभावना बनी रहती है जिस पर आग पर कैसे काबू पाया जाए इसको लेकर लोगों के बीच जागरूकता फैलाया जा रहा है। उनको बताया जा रहा है की सावधानी से आग जलाएं और उसको सावधानी से बुझा दें।क्योंकि एक चिंगारी पूरे गांव को तहस नहस कर सकती है। इसलिए छोटी सी छोटी गलती को भी नजरंदाज ना करें और आग से कोई खिलवाड़ नहीं करें।

डुमरी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर को लगातार दूसरी बार मिला कायाकल्प पुरस्कार

प्रात: किरण, संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)।पश्चिम चम्पारण जिला मुख्यालय बेतिया से 26 किलोमीटर दूर योगापट्टी प्रखंड के डुमरी में स्थित आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर को लगातार दूसरी बार राज्य स्वास्थ्य समिति द्वारा कायाकल्प पुरस्कार प्राप्त हुआ है। यहाँ के सीएचओ दुर्गेश शर्मा के सेवा भाव और कार्य-कुशलता के कारण यह सम्भव हो सका है। मरीजों का तत्परता से इलाज, विभिन्न जाँच के साथ 86 प्रकार की दवाओं की उपलब्धता, अस्पताल परिसर की स्वच्छता एवं प्रकृतिक वातावरण देख राज्यस्तरीय टीम भी दंग रह गयी थी। स्वास्थ्य उपकेंद्र योगापट्टी में सारे कमरे साफ- सुथरे और चमकदार हैं, हवादार खिड़कियां हैं, मरीजों व आमलोगों के लिए पीने का स्वच्छ पानी उपलब्ध है। यहाँ आशा व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के सहयोग से समय-समय पर योगा, बीमारियों से बचाव को जागरूकता कार्यक्रम संचालित किया जाता है। सीएचओ दुर्गेश शर्मा ने बताया कि इस स्वास्थ्य केंद्र पर 14 प्रकार की जांच और 86 प्रकार की दवाओं के साथ बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं आमलोगों का इलाज किया जाता है। गंभीर बीमारियों के लक्षण होने पर टेली मेडिसिन की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। स्वास्थ्य दिवस पर विशेष आयोजन किया जाता है। गर्भवती व अन्य महिलाओं की जाँच व देखरेख आशा व स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा की जाती है। परिवार नियोजन के साधन, कंडोम, गर्भ निरोधक गोली, माला, छाया आदि उपलब्ध है। भवन में कम्प्यूटर, दवा स्टोर, लेवर रूम सहित अन्य संसाधन उपलब्ध हैं। लोगों की छोटी-मोटी बीमारियों के लिए प्राइवेट अस्पताल या मेडिकल कॉलेज जाने की जरूरत नहीं पड़ती है। इससे लोगों का खर्च व समय दोनों की बचत होती है।

लोहे के सरिया लदे ट्रैक्टर को अपराधियों ने लूटा,चैबीस घण्टे में पुलिस ने किया बरामद

प्रात: किरण, संवाददाता

दिघवारा नगर।थाना क्षेत्र के पिरगंज इलाके से रविवार की देर रात अपराधियो द्वारा एक ट्रैक्टर को जिस पर दस टन लोहे का सरिया लदा हुआ था उसे चालक को बंधक बनाकर ट्रैक्टर सहित उसपर लदे सरिया को लूट लिया गया था।जिसकी सूचना पर त्वरित करवाई करते हुए पुलिस द्वारा उक्त ट्रैक्टर को समान सहित चौबीस घण्टे में बरामद कर लिया।घटना के सम्बंध में थानाध्यक्ष रविशंकर कुमार ने बताया कि बीते रविवार की रात्रि में दरियापुर थाना क्षेत्र के बनवारीपुर गांव निवासी कन्हाई राय द्वारा पटना से सरिया लादकर वापस लौटने के दौरान पिरगंज के पास एक बोलेरो पर सवार तीन चार अज्ञात अपराधियो द्वारा ओवरटेक कर गाड़ी रुकवाकर जबरन उसे गाड़ी से उतारकर बोलेरो में बैठा लिया गया तथा आँख पर पट्टी बांधकर हाथ पैर को रस्सी से बांध दिया तथा एक अपराधी ट्रैक्टर लेकर भागने लगा।थोड़ी देर बाद ट्रैक्टर चालक को छपरा उमधा के पास बोलेरो से बाहर सड़क किनारे फेंक दिया गया।जिसके बाद उक्त चालक द्वारा पुलिस को सूचना दी गई थी।जिसपर त्वरित करवाई करते हुए लुटे गए ट्रैक्टर को समान सहित परसा थाना क्षेत्र के बलवा गांव से बरामद कर लिया गया।वही अपराधियो को पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है।

सारण की बेटी स्नेहा अमेरिका से करेगी पीएचडी 33000 डॉलर मिलेगा प्रतिवर्ष छात्रवृत्ति

प्रात: किरण, संवाददाता

डोरीगंज।01 स्नेहा सारण जिले के नगर थाना क्षेत्र के न्यू बस्ती,बड़ा तेलपा निवासी रामेश्वर प्रसाद सिंह की पोती एवं अमृता सिंह व संजय कुमार की पुत्री स्नेहा सिंह पीएचडी अमेरिका के यूटा विश्वविद्यालय से भौतिक शास्त्र एवं ब्रह्माण्ड विषय से करने जाएगी। जहां वह पांच वर्षों में पूरे ब्रह्मांड की जानकारी हासिल करेगी। अमेरिका से पीएचडी करने के लिए आनलाइन आवेदन की थी। जहां वह इंटरेंश परीक्षा पास की और उसका सेलेक्शन हुआ है। स्नेहा मैट्रिक व इंटर केरला पब्लिक स्कूल,पदमा, टाटानगर से की है। जहां मैट्रिक में 90.4 प्रतिशत एवं इंटर में 93.75 प्रतिशत अंक आइसीएसइ बोर्ड से प्राप्त हुआ था। वहीं ग्रेजुएशन एवं एम ए सी बी आई आई टी मेसरा, रांची से की थी। जहां वह अपने कालेज में रैंकिंग द्वितीय स्थान आया था। जिसके बाद वह पीएचडी की पढ़ाई करने के लिए अमेरिका के यूटा विश्वविद्यालय में उसका सेलेक्शन हुआ है। जहां उसे 33000 डॉलर प्रति वर्ष छात्रवृत्ति में मिलेगी। वहीं आने जाने रहने- सहने, खाने पीने की मुफ्त व्यवस्था भी मिलेगी। स्नेहा चार अगस्त को संध्या में दिल्ली से फ्लाइट अमेरिकी के लिए पकड़ेगी। स्नेहा अपनी पढ़ाई पूरी कर वैज्ञानिक बनना उसका अपना सपना है। स्नेहा अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने दादाजी, पिताजी,गुरु और अपने मित्रो का बताया। स्नेहा के दादा व पिता दोनों टाटा कंपनी में कार्यरत थे। दादाजी सेवानिवृत्त होकर गांव में रहने लगे। जबकि पिताजी अभी भी टाटा कंपनी में ही कार्यरत हैं। स्नेहा की इस उपलब्धि को लेकर अपने घर परिवार के साथ साथ पूरे गांव में खुशी का माहौल है। स्नेहा के दादाजी ने बताया कि स्नेहा की इस उपलब्धि पर आने वाले समय में पूरे देश को गर्व होगा। ऐसी मेरी शुभकामनाएं हैं।

स्वच्छता सर्वेक्षण रैंक सुधार को ले नगर निगम गंभीर: महापौर

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा । महापौर लक्ष्मी नारायण गुप्ता एवं वार्ड 22 के पार्षद रामाकांत सिंह उर्फ डब्लू सिंह के नेतृत्व मे स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के तहत सफाई अपनाओ- बीमारी भगाओ कैंपेन को ध्यान में रखकर पार्क एंड मोनूमेंट ड्राइव के तहत राजेंद्र पार्क की सफाई की गई। जिसमें स्वछता को देखते हुये इस बार सर्वेक्षण मे अव्वल अंक लाने को लेकर छपरा नगर निगम के महापौर द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण में कोई भी कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं, ताकि नगर निगम 2024 के सर्वेक्षण में टॉप टेन में शामिल हो सके ' राजेंद्र पार्क में सफाई अपनाओ,बीमारी भगाओ अभियान के तहत सभी स्थल की साफ सफाई कराई गई । इस कार्यक्रम में उप नगर आयुक्त अजीत कुमार , सिटी मैनेजर वेद प्रकाश वर्णवाल, अरविन्द कुमार, सिटी मिशन मैनेजर सुधीर कुमार हिमांशु, स्वछता पदाधिकारी संजीव कुमार मिश्रा, सुमित कुमार,सफाई निरीक्षक संजय कुमार राम, असगर अली तथा सफाई एजेंसी के प्रतिनिधि एवं सभी सफाई कर्मी शामिल थे ।

जे पी स्मारक रमना मैदान के पास चार सूत्री मांगों को लेकर एकदिवसीय किया गया धरना का आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। सर्वदलीय संघर्ष समिति के द्वारा जे पी स्मारक रमना मैदान के पास चार सूत्री मांगों को लेकर एकदिवसीय धरना का आयोजन किया गया। चार सूत्री मांगों में मुख्य रूप से नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं विकास कार्यो का घोर अभाव, अन्चल कार्यालय में दाखिल खारिज, परिमार्जन एवं अन्य कार्यों में कमीशनखोरी, बिजली विभाग में स्मार्ट मीटर के नाम पर लूट खसोट एवं बिजली आपूर्ति का घोर कमी एवं सदर अस्पताल में कर्मियों का बुरा बर्ताव एवम जन सुविधाओं का घोर अभाव। संघर्ष समिति के सदस्य श्री कमलेश तिवारी जी ने बताया कि नगर निगम में कमीशन खोरी चरम सीमा पर है जिसमें अधिकारी के साथ-साथ सभी कर्मी भी लिपट है।

अमरेन्द्र राजेश जी ने बोला की नगर आयुक्त का अनुशासनहीनता एवं उनका रवैया वार्ड सदस्यों के प्रति सम्मान जनक नहीं है । वही संघर्ष समिति के वरिष्ठ सदस्य अशोक कुमार मानव जी ने कहा कि सिर्फ नगर निगम में ही नहीं बल्कि अनचल कार्यालय में भी दाखिल खारिज, परिमार्जन एवं उनके अन्य कार्यों में बिना पैसा का कोई काम नहीं हो रहा है । प्रखंड यादव ने कहा की अभी हाल के ही दिनों में कई दलाल कमीशन खोरी का मोलभाव करने के अपराध में डीएम के द्वारा जेल भेजा गया है। श्रीधर तिवारी ने कहा कि सिर्फ प्रखंड कार्यालय में ही नहीं बल्कि डी सीएलआर का ऑफिस भी उससे अछूता नहीं है वहाँ भी घोर लूट पाट है ।इस टाइप का गोरख धंधा सभी ऑफिस में चल रहा है। वरिष्ठ साथी आशुतोष सिंह ने कहा कि इन दोनों विभागों के अलावा बिजली विभाग में स्मार्ट मीटर के नाम पर लोगों से भारी रकम का लूट किया जा रहा है। पूर्व वार्ड पार्षद अमरेन्द्र चौबे ने कहा कि कस्टमर केयर का नंबर लगता नहीं है । लाख दावा करने के बाद भी सभी उपभोक्ता बहुत ही परेशान है आखिर आदमी जाए तो किसके पास जाए । ऊपर से लेकर नीचे तक सभी लोग अनियमितता में लिप्त है ।

डीएम साहब को इसमें दखल देकर सर्विस को दुरुस्त करने की जरूरत है। वरिष्ठ साथी जितेंद्र शुक्ला जी ने बताया कि अभी हम सदर अस्पताल गए थे और वहां के कर्मियों का बर्ताव देखकर मैं बहुत ही हतप्रभ था। सीटी स्कैन, एक्सरे मशीन सभी खराब स्थिति में है जब जाओ तो सारे जांच बाहर कराना पड़ता है। एक दो दवा के अलावा सभी दवाएं बाहर से खरीदनी पड़ती है तो ऐसी मॉडल हॉस्पिटल होने से क्या फायदा की जनता को निजी अस्पताल में ही जाना पड़े। वही सदस्य पूर्व वार्ड पार्षद सोनू पासवान जी ने कहा कि चार सूत्री मांगों के अलावा एक और हमारी मांग है की भोजपुर को सूखाग्रस्त घोषित किया जाए। बबलू सिंह ने बताया पानी का घोर अभाव के चलते किसान त्रस्त है। अनिरुद्ध सिंह ने बोला की अभी हम पांच सूत्री मांगों को लेकर डीएम साहब को विज्ञापन देंगे । उसके बाद भी अगर सुधार नहीं होता है तो हम लोग चरणबद्ध आंदोलन करेंगे

इस एक दिवसीय धरना में मुख्य रूप से अभिनव कुमार, प्रकाश कुमार, अजय कुमार सुमन, नितेश उपाध्याय, निकेश पांडे, जितेंद्र चौधरी, रंजन कुमार, उपेंद्र कुमार पांडे, प्रकाश बजरंगी, पंकज सिंह, सुनील श्रीवास्तव, विजय मेहता, कृष्ण बिहारी सिंह, सुनील पाठक, गुंजन कुमार, सज्जन कुमार, प्रेम पाठक, कृष्ण कुमार तिवारी एवं सैकड़ो साथी मौजूद थे।अंत में पूर्व विधायक भाई दिनेश के साथ ज़िला पदाधिकारी को ज्ञापन दिया गया जिसपर उनहोनें बोला की कल से निगम में और बाकी जगहों पर जाँच की शुरूआत कराते हैं और उचित कार्यवाई करने का आश्वासन दिया और 15 अगस्त के बाद फिर से मिल कर इनसब मुद्दों पर प्रगति की जानकारी के लिए बुलाया है ।

आधार कार्ड के अभाव में किसी बच्चे का नामांकन नहीं रोकें : अहसन

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। आधार कार्ड के अभाव में किसी बच्चे का नामांकन नहीं रोकें। अगर विद्यालय के पोषक क्षेत्र में अनामांकित बच्चों की सूचना मिलती है तो शिक्षक विशेष पहल करके शत-प्रतिशत बच्चों को विद्यालय में नामांकन सुनिश्चित कराएं। प्रयास करें कि एक भी बच्चा विद्यालय से बाहर नहीं रहे। उपरोक्त बातें जिला शिक्षा पदाधिकारी अहसन ने आज उदवंतनगर के चैराई मध्य विद्यालय में बिहार महादलित विकास मिशन के सौजन्य से नई आशा द्वारा संचालित सेतु केंद्र के बच्चों के बीच वस्त्र सह पाठ्य सामग्री वितरण समारोह को संबोधित करते हुए कहीं। जिला शिक्षा अधीक्षक श्री हसन ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि 06 से 14 आयु वर्ग के एक-एक बच्चा विद्यालय में दाखिल हो और उसे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि बिना आधार कार्ड वाले बच्चों का नामांकन के पश्चात आधार कार्ड बनवाकर तथा माता-पिता के खाता स्कूल के ई शिक्षा पोर्टल पर लोड करा दें ताकि नव नामांकित बच्चों को भी समय से छात्रवृत्ति एवं पोशाक राशि सहित सरकार द्वारा देय तमाम सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि दक्ष कार्यक्रम एवं विशेष कक्षा का लाभ कमजोर बच्चों को देकर उन्हें सामान्य बच्चों के समकक्ष लाने का प्रयास किया जाए। नई आशा के संरक्षक डॉ भीम सिंह भवेश ने कहा कि चैराई महादलित टोला के करीब 50 बच्चों को सेतु केंद्र के माध्यम से टोला में पढ़ाकर विद्यालय से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इस अभियान में विद्यालय के शिक्षक एवं अभिभावकों का सहयोग अपेक्षित है।

संक्षिप्त खबरें

पांच सूत्री मांग को लेकर जिलाधिकारी से मिले प्रिंस बजरंगी

आरा। जनता दल यू के बिहार प्रदेश सचिव प्रिंस बजरंगी भोजपुर जिला अधिकारी से मिले, मांगो मे आरा सलेमपुर मार्ग मे बन रहे सनदिया समीप पुल जो की कई वर्षो से पड़ा है, उसको चालू कराया जाय, रमना पार्क के चारो तरफ वेंडर जोन समुचित ढंग से बनाई जाय, पार्क के निकासी और प्रवेश जगह पर 24 घंटे कैमरा लगाई जाय, जीरो माइल से एकवना जर्जर सड़क पर स्थाई रूप से सड़क और नाले का प्रबंध किया जाए, जैन कॉलेज से मिशन स्कूल होते हुए, महाराणा प्रताप नगर होते हुए चन्दवा मुख्य नाले का निर्माण कराई जाय। इस प्रकार के बिभिन्न मांगो को लेकर श्री बजरंगी ने जिलाधिकारी श्री राजकुमार से मुलाकत कर मागो का ज्ञापन जिला अधिकारी को सौपे, जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया की मांगों पर हम विचार करेंगे और इसको पूरा करने का भरपूर प्रयास करेंगे।

जिले में सुखाड़ की स्थिति, सरकार और जिला प्रशासन बेपरवाह : चन्द्रदीप सिंह

आरा। अखिल भारतीय किसान महासभा के जिला सचिव चन्द्रदीप सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि पुनरबस नक्षत्र चल रहा है और अब तक जिले में मात्र लगभग 30 प्रतिशत ही रोपनी हुई है। किसानों के अपने पहल पर हुई रोपनी के खेतों में धान और उसके बीज सुख रहें हैं। उन्होंने कहा कि सरकार व जिला प्रशासन के लिए सिंचाई प्राथमिकता में नही है, नही तो जल जीवन हरियाली के नाम पर करोड़ो खर्च किया गया लेकिन नहरों में अंतिम छोर तक पानी पहूचाने तथा बंद पड़े सरकारी ट्यूबवेल को चालू करने के लिए कोई ठोस कारवाई नही की गई ।जिसका देन है कि आज धान, मक्का, सहित विभिन्न फसलों के खेतों में धूल उड़ रहा है। किसान मौसम और सरकार के बेरुखी का मार झेल रहे हैं।

बिहार प्रदेश बुनकर कल्याण संघ के अध्यक्ष ने केन्द्रीय मंत्री का अभिनंदन किया

गया ।औद्योगिक विकास एवं व्यापारिक संगठन सेंट्रल बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स के 62वीं वार्षिक आमसभा सह सम्मान समारोह में गोपाल पटवा अध्यक्ष बिहार प्रदेश बुनकर कल्याण संघ ने एमएसएमई मंत्रालय विभाग भारत सरकार के केंद्रीय कैबिनेट मंत्री जीतन राम मांझी का अंग वस्त्र से सम्मानित करते हुए अभिवादन किया है। मांझी ने आभार व्यक्त करते हुए अगस्त माह में बुनकर क्षेत्र में कार्यक्रम आयोजित करने को कहा है।

रेड क्रॉस के सौजन्य से मगध कैंब्रिज स्कूल, केंदुई में रक्तदान का आयोजन

गया ।रेड क्रॉस, गया के सौजन्य से मगध कैंब्रिज स्कूल, केंदुई में रक्तदान का आयोजन किया गया है । रेड क्रॉस, गया के चेयरमैन उपेन्द्र नारायण सिंह के नेतृत्व एवम ब्लड सेंटर के संयोजक डा. प्रदीप कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में कुल 13 यूनिट रक्तदान किया गया है ।इस विद्यालय के निदेशक दिलीप कुमार सिंह, प्रशासक क्षितिज आनंद, प्रधानाचार्य रामजी प्रसाद, उप प्रधानाचार्य कंचन सिंह उपस्थित थे ।रेड क्रॉस, ब्लड सेंटर से डा. प्रदीप अग्रवाल, डा. राम नरेंद्र प्रसाद, टेक्नीशियन मो. हसनैन, मनंजय, धीरज, मधु कुमारी राम कुमार मेहता, राम बरन के सहयोग से यह कार्यक्रम सफल हुआ है।

इनरव्हील क्लब गया ने डीएवी रोटरी में जाकर वैक्सीन के बारे में जानकारी दिलाई

गया ।सर्वाईकल कैंसर एक बहुत ही भयानक बीमारी है जो महिलाओं में होती है। इनरव्हील क्लब गया ने इस बीमारी को इस वैक्शीन की मदद से आप कैसे अपनी बचिओं को बचा सकते है ।इस कार्य हेतु पहल कर रही है। इनरव्हील क्लब गया ने शहर की डी ए वी रोटरी में जाकर डॉ वर्षा श्रीवास्तव के द्वारा वैक्सीन के बारे में जानकारी दिलाई है। और इसके रोक थाम में वैक्सीन की अहमियत बताई है।उन्होंने बताया कि सही समय पर यह वैक्सीन लगवा कर हम अपनी बचिओ को सुरक्षित रख सकते हैं।इस मौके पर स्कूल के सभी बचों के साथ शिक्षिका भी मौजूद रहीं हैं।इनरव्हील क्लब गया कि अध्यक्षा तृप्ति गुप्ता ने बताया की डिस्ट्रीक्ट गोल के अनुसार हमारा क्लब सर्वाइकल कैंसर के रोक के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है इस मौके पर पीडीवी अंजनापोद्दार, पीडीसी किरण प्रकाश एवं अनामिका सिन्हा , कोमल धानुका भी समील रहीं है। क्लब की अध्यक्षा तृप्ति गुप्ता ने स्कूल के प्रिंसिपल चिन्मय घोष तथा संयुक्त मैन को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया है।

ज्ञान ज्योति नटखट जोन में सावन ग्रीन डे के अवसर पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया उत्सव

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। ज्ञान ज्योति नटखट जोन में सावन और ग्रीन डे का हर्षोल्लास के साथ आयोजन किया गया, जिससे छात्र- छात्राओंऔर शिक्षिकाओं में खुशी और उत्साह का माहौल छा गया। इसका मुख्य उद्देश्य नन्हे-मुन्ने छात्रों को सांस्कृतिक परंपराओं और पर्यावरण जागरूकता से जोड़ना था। बच्चों ने अपनी रचनात्मकता का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए, हरे फलों, हरी सब्जियों और भगवान शंकर जी के वेश में स्कूल में भाग लिया। रंग-बिरंगे परिधानों और बच्चों की उत्साही भागीदारी ने स्कूल के वातावरण को और भी खुशनुमा बना दिया। पवित्र सावन महीने का सम्मान करने के लिए, कई छात्र-छात्रवों ने भगवान शंकर व पार्वती जी का वेश धारण किया, पारंपरिक पोशाक और आभूषणों के साथ। इससे न केवल सांस्कृतिक प्रशंसा की भावना विकसित हुई, बल्कि बच्चों को अपनी धरोहर के महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में जानने और जुड़ने का अवसर भी मिला। पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए, कई छात्र विभिन्न हरे फलों और सब्जियों के रूप में सजकर आए। इस थीम का उद्देश्य बच्चों को स्वस्थ भोजन और पर्यावरण की देखभाल के महत्व के बारे में सिखाना था। यह उत्सव सांस्कृतिक धरोहर और पर्यावरणीय जागरूकता पर महत्वपूर्ण सबक को खूबसूरती से मिलाता है।" कार्यकम के सफलता हेतु अरिहंत बिजय जैन और जिनवाणी जैन ने सहयोग किया। इस आयोजन को छात्रों और समर्पित शिक्षकों के सहयोग से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। शिक्षकों, जिनमें सोनाली, सिमरदीप, प्रिया, ऋषिधा, प्रियन्का, स्वेता रंजन, सरिता,जाया और दिव्या के साथ साथ अभिभावक भी शामिल हैं, ने इस आयोजन का विस्तारपूर्वक समन्वय किया, जिससे प्रत्येक बच्चे के लिए यह एक यादगार अनुभव बन गया। इस कार्यक्रम में अथर्व, शानविका, अर्चिशा, आरोही, सुमेद, अभिजीत, अभिज्ञान, नव्या, आव्या, शुभी, ओजस्वी आदि छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सावन और ग्रीन डे का उत्सव एक शानदार सफलता थी, जिसने छात्रों पर स्थायी प्रभाव छोड़ा और उनके सांस्कृतिक और पर्यावरणीय मूल्यों की समझ को बढ़ावा दिया। स्कूल भविष्य में भी ऐसे समृद्ध और आनंदमय कार्यक्रमों को जारी रखने के लिए तत्पर है।

अधिवक्ताओं की 18 सूत्री मांग को लेकर आरा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ने कार्यालय कक्ष को सौपा ज्ञापन

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। अधिवक्ताओं की 18 सूत्री मांग को लेकर आरा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष आदरणीय श्री राकेश कुमार मिश्रा जी के कार्यालय कक्ष को एक ज्ञापन सैकड़ो अधिवक्ताओं का हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन सौपा गया ज्ञापन में आदरणीय श्री मिश्रा जी से अधिवक्ताओं के हित में 18 सूत्री मांगों को पूरा करने के संबंध में आग्रह किया गया है ।एडवोकेट एसोसिएशन के बिल्डिंग के क्षतिग्रस्त होने के कारण अधिवक्ताओं के जीवन का खतरा बढ़ चुका है तत्काल एडवोकेट एसोसिएशन के बिल्डिंग की मरम्मत की आवश्यकता है । एडवोकेट एसोसिएशन में बैठने वाले अधिवक्ताओं को एक स्वच्छ लैट्रिन एवं बाथरूम एवं पीने के स्वच्छ पानी वाटर प्यूरीफायर के साथ मुहैया कराने की जरूरत है जिसे तत्काल रूप से अधिवक्ताओं को मुहैया कराई जाए एडवोकेट एसोसिएशन के बिल्डिंग में जनरेटर की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए ताकि लाइन काटने के बाद बिजली की व्यवस्था सुचारू रूप से की जा सके। एडवोकेट एसोसिएशन कैंपस में बेलबॉन्ड व वकालनामा, हाजिरी की बिक्री सुनिश्चित की जाए एडवोकेट एसोसिएशन के कैंपस में नाजायज रूप से अनावश्यक गाड़ियों का अंबार लगने पर रोक लगाई जाए एडवोकेट एसोसिएशन के कैंपस से जिलाधिकारी कार्यालय के कैंपस में जाने का पूर्व निर्धारित रास्ता जो वर्तमान में बंद है।

पथ प्रदर्शक का मिशन रक्तदान हिंदुस्तान के तहत सत्रहवां रक्तदान शिविर दुगार्पुर में आयोजित

प्रात: किरण संवाददाता

औरंगाबाद। रक्तदान क्षेत्र में पूरे देश में क्रांति लाने के उद्देश्य से औरंगाबाद की स्वयं सेवी संस्था पथ प्रदर्शक के सचिव रक्तसेवक बमेंद्र कुमार सिंह द्वारा मिशन रक्तदान हिंदुस्तान अभियान चलाया जा रहा है ।इस अभियान के तहत रक्तदान के प्रति देश के युवाओं को जागरूक करने के लिए भिन्न भिन्न प्रदेशों के अलग अलग शहरों में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सातवां राज्य का सत्रहवां रक्तदान शिविर पश्चिम बंगाल के दुगार्पुर में आयोजित किया गया ।आईडीबीआई बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय दुगार्पुर एवं अनुप्रेरणा संस्था दुगार्पुर के सहयोग से हेल्थ वर्ल्ड हॉस्पिटल ब्लड बैंक में आयोजित रक्तदान शिविर में ग्यारह लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया ।शिविर का उद्घाटन आईडीबीआई बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक मलय कुमार साहू,बैंक अधिकारी अनूप कुमार मिश्रा,पथ प्रदर्शक के सचिव बमेंद्र कुमार सिंह एवं अनुप्रेरणा संस्था के पार्थव प्रतीम राय द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया।

औरंगाबाद के साहित्यकार पलामू में लोकार्पण समारोह के साक्षी बने

प्रात: किरण संवाददाता

औरंगाबाद। औरंगाबाद जिले के ख्याति प्राप्त साहित्यकारों ने पलामू के धरती पर जाकर वहां के मिट्टी के सोंधी महक से सजी हुई साहित्यिक सरिता को उत्सर्जित करती मुक्तक पंचामृत काव्य के लोकार्पण के साक्षी बने। औरंगाबाद जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह,समकालीन जवाबदेही पत्रिका के प्रधान संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा,पर्यावरण साहित्य के पुरोधा डॉ रामाधार सिंह ने झारखंड के प्रसिद्ध साहित्यकार राकेश कुमार संपादित मुक्तक पंचामृत लोकार्पण के मौके पर औरंगाबाद एवं बिहार के मगध के धरती की आवाज बनकर पलामू के काव्य अमृत को उत्सर्जित किया। डाल्टनगंज के जमुने अवस्थित माता द्रौपदी नामधारी गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल के प्रांगण में साहित्य भारती पलामू के सान्निध्य में राकेश कुमार,नीरज पाठक, रीना प्रेम दुबे,अनुज पाठक,रमेश कुमार सिंह रचित मुक्तक पंचामृत काव्य के लोकार्पण के मुख्य अतिथि झारखंड विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष इंदर सिंह नामधारी, भारतीय वन सेवा के पदाधिकारी कुमार मनीष अरविंद की गरिमामई उपस्थिति रही। लोकार्पण समारोह कीअध्यक्षता शिक्षाविद् प्रोफेसर सुभाष चंद्र मिश्र ने किया ।जबकि संचालन की जिम्मेवारी प्रसिद्ध कवि एवं लेखक विद्या वैभव भारद्वाज द्वारा निभाई गई ।इंदर सिंह नामधारी ने कहा कि साहित्य के माध्यम से सामाजिक समरसता का प्रसार होना चाहिए ।कुमार मनीष अरविंद ने कहा कि पलामू की सकारात्मक रचनाधर्मिता बहुत ही संतोषदायक है ।डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह ने कहा कि पलामू का साहित्य जन जन से जुड़ी हुई है। डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्र ने कहा कि काव्य प्रणयन एक साधना युक्त सारस्वत अनुष्ठान होता है ।डॉ रामाधार सिंह ने कहा कि मुक्तक पंचामृत पर्यावरण का सार तत्व है ।अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो सुभाष चंद्र मिश्र ने कहा कि कवि अपनी रचना से समाज के दृष्टिकोण को बदल सकता है। विषय प्रवेश प्रधानाध्यापक परशुराम तिवारी ने किया ।राष्ट्रीय सेवा मंच के अध्यक्ष प्रिय रंजन पाठक एवं सचिव प्रेम प्रकाश दुबे ने सभी आगत अतिथियों को सम्मानित किया ।वहीं सरस्वती वंदना रामप्रवेश पंडित द्वारा किया ।स्वागत भाषण उमेश कुमार पाठक द्वारा किया गया। मौके पर रामाधार सिंह,दिवाकर झा,श्रीधर प्रसाद द्विवेदी,हरिवंश प्रभात सहित अन्य उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन धनंजय पाठक ने किया।

गया शहरी क्षेत्र में आंगनबाड़ी सेविका,मोवीलाइजर, आशा का जीप कार्यशाला का सफल आयोजन हुआ

गया ।भारत सरकार के द्वारा गया जिला को गेभी ग्लोबल एलायंस फार इमुनाईजेशन के तरत चयन किया गया है, गेवी का उद्देश्य जीप जिरो डोज इमपिलेशन प्रोगाम , अर्थात वैसे बच्चे जो अपना पहला जन्म दिन मना लिया और पेंटा -1 या डिपिटि कन्टेंट वैक्सीन नहीं पड़ा है, जब कि बच्चे के जन्म के 45 दिन पर पेंटा -1 लग जाना चाहिये, इस कार्यशाला में नोडल पदाधिकारी डॉ एम ई हक विस्तार रुप से जीप के बारे मे जानकारी दिया गया है। गया शहरी क्षेत्र के डब्लु एच ओ मानिटर ने बताया कि शहरी में टिकाकरण सुढीकरण एवं सफल क्रियान्वयन के लिए कार्यशाला आयोजित किया गया है ।सरकार के द्वारा 12 जानलेवा बिमारी से बचाव के लिए नियमित टीकाकरण किया जा रहा है ।जानलेवा बिमारी -तपेदिक, पोलियो, गलगोटु, कुकर, खांसी, टेटनस, मैनजाईटिस, नमुनिया, खसरा,रूबेला,दिमागी बुखार , डाइरिया से बचाव के लिए गया शहरी क्षेत्र में 420 सत्र पर प्रत्येक माह आयोजित किया जाता है ।इस कार्यशाला में टिकाकरण का समय सारणी,घर घर सर्वे,डियु लिस्ट,युविन पोर्टल,के साथ साथ एफ आर ,भी पि डी सर्विलेंस के बारे विस्तृत रूप से जानकारी दी गई है। जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ राजीव अम्बषट ने बताया कि जीप कार्यशाला के आयोजन चार सत्र में किया गया, सेविका ,आशा ,मोवीलाइजर को जीप के बारे मे जानकारी दिया गया वैसे बच्चे जो एक वर्ष आयु पूरी होने तक पेंटा वन से वंचित हैं उन्हें प्राथमिकता के आधार पर टीकाकरण कराया जाएगा, सरकार के द्वारा 12 जानलेवा बीमारी से बचाव के लिए आंगनबाड़ी केंद्र पर टीकाकरण नियमित रूप से हो रहा है, जिसकी समीक्षा प्रत्येक शनिवार को समाज कल्याण,स्वास्थ्य विभाग के साथ की जाती है, 12 जानलेवा बीमारी से बचाव के लिए जो टीकाकरण हो रहा है वह काफी कीमती है वैक्सीन है और आज बच्चों को स्वस्थ जीवन जीने में काफी मददगार साबित हो रहा है मैं सभी से अपील करता हूं कि आप सभी नजदीकी आंगनबाड़ी केंद्र पर अपने बच्चों को समय सारणी के साथ टीकाकरण अवश्य कराया है।

चैंबर ऑफ कॉमर्स की आम सभा में मंत्री ने कहा एयरलाइंस सेवा जल्द

प्रात: किरण संवाददाता

गया ।गया चेम्बर्स आफ कोमर्स की 62 वी वार्षिक आमसभा गया के रेड क्रॉस भवन में आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, विशिष्ट अतिथि के रुप बिहार सरकार के मंत्री सह नगर विधायक डॉ प्रेम कुमार ने नव निर्वाचित चेम्बर्स आफ कामर्स के 2024-25 के शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम का शुभांरभ राष्ट्र गाण से किया गया है,आये हुए लोगों के लिए गणेश स्तुति से किया गया, फिर स्वागत गाण किया गया है ।इस मंच का संचालन डॉ अनुप केडिया ने किया है। उषा डालमिया द्वारा केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया है ।अनुप केडिया द्वारा संबोधन में कहा कि आप सभी सम्मानित अतिथि को चेम्बर्स आफ कोमर्स द्वारा स्वागत है। चेम्बर्स आफ कोमर्स एक पंजिकृत संस्था होती है ।एक साल की रुप रेखा,आय व्यय के बारे में आम सभा कि जाती है। भारत सरकार के द्वारा नरेंद्र मोदी द्वारा गया जी द्वारा जो सौगात दिया गया है। उसके लिए आभार व्यक्त करने के लिए किया जा रहा है है बजट तो हर साल आती है गया के बारे मे देखते थे हमलोग सोचते थी की बिहार मे कितनी बाते होती है इस बार के बजट मे खुशी का मोहाल बना है जिस व्यक्ति के कारण खुशी मिली है उसके प्रति आभार व्यक्त करने का है। जीतन राम मांझी संसद बनने पर आप पुरे क्षेत्र का का मान सम्मान बढाया है आपके गया संसदीय क्षेत्र के सपने पुरे हो रही है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक जोहरी है जो आप जैसे विकासशील पुरुष को मंत्रिमण्डल में जोड़ा है।

सांसद ने नवादा, बरबीघा में अल्ट्रा मेगा सौर प्लांट लगाने की उर्जा मंत्री से की मांग

गया ।भाजपा नेता एवं नवादा सांसद विवेक ठाकुर ने दिल्ली में केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी से शिष्टाचार मुलाकात कर नवादा और बरबीघा में अल्ट्रा मेगा सौर ऊर्जा परियोजना के तहत सोलर एनर्जी कोऑपरेशन ऑफ इंडिया एसईसीआई द्वारा सोलर पार्क के निर्माण का आग्रह किया है ।सांसद विवेक ठाकुर ने कहा नवादा में बिजली की काफी समस्या है। इसके समाधान के लिए निरंतर हर स्तर पर प्रयासरत हूं। उन्होंने कहा सोलर पार्क के निर्माण से नवादा लोक सभा में बिजली की समस्या से निजात मिलेगी और इससे नवादावासियों को बहुत राहत मिलेगी ।केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने विवेक ठाकुर के आग्रह पर सोलर पार्क के निर्माण को लेकर नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव को टीम भेजकर फिजीबिलिटी रिपोर्ट तैयार करने हेतु निर्देशित किया है।

पितृपक्ष मेला के जलापूर्ति एवं स्वच्छता कोषांग के कार्यो पर समीक्षा की गई

प्रात: किरण संवाददाता

गया। इस वर्ष पितृपक्ष मेला 17 सितंबर से प्रारंभ होकर 02 अक्टूबर 2024 तक आयोजित रखेगा। इस वर्ष पिछले वर्ष के अपेक्षा और अधिक तीर्थयात्रियों की आने की पूरी संभावना है। पितृपक्ष मेला के सफल आयोजन के उद्देश्य से किये जा रहे तैयारियों का समीक्षा जिला पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम ने कोषांगवार किया है।

उन्होंने सभी कोषांगों के वरीय पदाधिकारी एवं नोडल पदाधिकारी को निर्देश दिया कि अभी से ही अपने कोषांग में अधीनस्थ पदाधिकारी, अभियंता एवं संबंधित नामित स्वमं सेवी सम्मानित व्यक्तियों के साथ स्थल निरीक्षण करते हुए, जो भी कमियां पायी जाती है उसे युद्धस्तर में ठीक करवाये, ताकि मेला अवधि में पितृपक्ष मेला की खूबसूरती में और चार चांद लग जाये ।आज मुख्य रूप से मेल क्षेत्र के जलापूर्ति एवं स्वच्छता कोषांग के कार्यो पर समीक्षा की गई ।* पेयजल एवं स्वच्छता कोषांग के समीक्षा के दौरान जिला पदाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता पीएचईडी को निर्देश दिया कि सभी आवासन अस्थल एवं पुलिस आवासन स्थल पर अभी से ही घूम घूम कर पितृपक्ष मेला में किए जाने वाली व्यवस्थाओं का आकलन कर लें। उन्होंने कहा कि आवासन स्थलों पर पहले से स्थापित टॉयलेट तथा पेयजल की व्यवस्था जो स्थापित है उसे मरम्मत करवाना सुनिश्चित करें। साथी कितनी संख्या में अस्थाई टॉयलेट एवं स्नानागार बनाने की आवश्यकता है इसका आकलन कर लें ।उप नगर आयुक्त को निर्देश दिया कि सभी आवासन स्थल पर पानी निकासी हेतु एक सेपरेट टीम नामित रखें जिससे किसी भी आवासन स्थल में जलजमाव की स्थिति रहने पर उसे तुरंत साफ करवाया जा सके। सभी पार्किंग स्थल पर पर्याप्त टॉयलेट एवं पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करावे ।जिला पदाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता पीएचडी को निर्देश दिया है कि रामशिला, प्रेतशिला, गोदावरी तालाबों को विशेष रूप से पानी सफाई व्यवस्था रखें। आगे बताया गया कि देवघाट पर कुल 52 शौचालय नगर निगम के हैं सभी को मरूमती किया जा रहा है देवघाट पर चेंजिंग रूम एवं झरना की मरामाती पीएचडी विभाग द्वारा की जा रही है जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया है कि सीता कुंड में भी टॉयलेट, पेयजल, चेंजिंग रूम इत्यादि की व्यवस्था का आकलन कर लें। नगर निगम को निर्देश दिया है कि सूर्यकुंड तालाब, बैतरणी तालाब एवं ब्रह्मशत तालाब के पानी को सफाई की व्यवस्था रखें। उन्होंने निर्देश दिया है कि जितने भी सरोवर हैं जहां पिंडदान इत्यादि का कार्य होते हैं उन सभी तालाबों में लगे काई को साफ करवाए ताकि कहीं फिसलने की कोई घटना नहीं हो सके। जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया है कि संवाद सदन समिति के अधीनस्थ जितने भी ठहराव स्थल हैं एवं उनके अधीन जो भी स्वामित्व है उन सभी का निरीक्षण करेंगे एवं उन स्थलों में पेयजल टॉयलेट एवं सफाई की व्यवस्था का आकलन करते हुए व्यवस्था सुनिश्चित करवाये ।जिला पदाधिकारी ने नगर निगम को निर्देश दिया है कि पितृपक्ष मेला के दौरान अचानक भारी बरसात नहीं हो इस दृष्टिकोण से भी पूरी तैयारी रखनी होगी। कहीं जल जमाव की स्थिति होने पर तुरंत पानी निकासी की व्यवस्था रखनी होगी।

जिलास्तरीय रेड रन मैराथन-2024 प्रतियोगिता का आयोजन

गया। गौतम बुद्ध महिला कॉलेज की एनएसएस इकाई रेड रिबन क्लब द्वारा कॉलेज के प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ. सहदेब बाउरी एवं एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी एवं जिला नोडल पदाधिकारी डॉ. प्रियंका कुमारी के निर्देशन तथा बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति, पटना से आये रिसोर्स पर्सन्स असीम झा एवं अभिषेक कुमार के संयोजन में एचआईवी एड्स पर जागरूकता हेतु जिला स्तरीय रेड रन मैराथन प्रतियोगिता-2024 का आयोजन गाँधी मैदान अवस्थित हरिहर सुब्रह्मण्यम स्टेडियम में किया गया है, जिसमें गया जिले के 6 महाविद्यालयों एवं सीयूएसबी, गया के 10-10 प्रतिभागियों ने 5 छात्राएँ एवं 5 छात्र भाग लिया है। रेड रन मैराथन प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं की शानदार प्रतिभागिता रही। मैराथन दौड़ में जिले के सात शैक्षणिक संस्थानों से कुल 70 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। छात्रों में प्रथम पाँच स्थानों पर क्रमशः एसएनसिन्हा कॉलेज, टिकारी के सौरभ राज एवं प्रवीण कुमार, गया कॉलेज, गया के राहुल कुमार एवं कुनाल आर्या तथा एएम कॉलेज, गया के रामू कुमार रहे। छात्राओं में प्रथम पाँच स्थानों पर क्रमशः एसएन सिन्हा कॉलेज की सिन्धु कुमारी, एएम कॉलेज की ज्योति कुमारी, एसएमएसजी कॉलेज, शेरघाटी की स्वीटी कुमारी एवं काजल कुमारी तथा जीबीएम कॉलेज, गया की पूजा कुमारी रहीं। कॉलेज की पीआरओ डॉ कुमारी रश्मि प्रियदर्शनी ने बतलाया कि जिलास्तर पर चयनित इन 10 प्रतिभागियों में से छात्र और छात्रा दोनों वर्गों में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान पर चयनित विजेता अगस्त माह में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय रेड रन मैराथन प्रतियोगिता में भाग लेंगे। रेड रन मैराथन प्रतियोगिता के उपरांत कॉलेज के सावित्री महाजन सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में सभी विजेताओं को प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ बाउरी एवं उपस्थित एनएसएस प्रोग्राम अफिसर्स मंचासीन प्रोफेसर्स द्वारा प्रशस्ति प्रमाण पत्र, संबल पत्रिका, बुक सेट्स, तथा एड्स जागरूकता लीफलेट्स प्रदान किये गये। सभी प्रोग्राम ऑफिसर्स एवं प्रतिभागियों को भी प्रमाण पत्र दिये गये है। रिसोर्स पर्सन्स झा एवं कुमार ने सभागार में उपस्थित छात्र-छात्राओं को एचआईवी वाइरस को फैलने से रोकने तथा एड्स रोग से बचने के उपाय बतलाये।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना तहत तीन मत्स्य पालकों के मोटरसाईकिल सह आईस बॉक्स का किया वितरण

प्रात: किरण संवाददाता

अरवल। जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह के द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना अंतर्गत तीन मत्स्य पालकों के बीच मोटरसाईकिल सह आईस बॉक्स का वितरण किया गया। इस दौरान योजनाओं के बारे में संक्षिप्त जानकारी देते हुए जिला पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि जिलेवासियों को स्वच्छ, ताजी एवं गुणवतायुक्त मछलियाँ उपलब्ध कराने के मद्देनजर यह योजना चलाई जा रही है। उनके द्वारा बताया गया कि शिकारमारी के पश्चात मछली का सेल्फ लाईफ कम हो जाता है, जिसे मोटरसाईकिल सह आईस बॉक्स की मदद से मछलियों को ताजी एवं गुणवतापूर्ण रखते हुए द्रुतगामी गति से जिलेवासियों को उपलब्ध कराया जायेगा। योजनान्तर्गत मोटर साईकिल सह आईस बॉक्स की कुल इकाई लागत 75000 रूपया निर्धारित है, जिसमें अन्य वर्ग को इकाई लागत का 40 प्रतिशत एवं महिला वर्ग तथा अनुसूचित जाति के मत्स्य कृषकों को 60 प्रतिशत अनुदानित दर पर वाहन उपलब्ध कराया जायेगा। इस दौरान जिला पदाधिकारी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि इस योजना से अधिक से अधिक मत्स्य पालक जुड़े एवं इसका लाभ उठायें। मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, मत्स्य प्रसार पदाधिकारी के साथ अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

गर्मी से दो छात्राएं हुई बेहोश

वैशाली।प्रखंड क्षेत्र स्थित परियोजना बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय वैशाली एवं कन्या मध्य विद्यालय दाऊदनगर की छात्रा मंगलवार को अत्यधिक गर्मी के कारण विद्यालय मे बेहोश हो गई।जिन्हे इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र वैशाली लाया गया।जिसमे एक छात्र को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।मिली जानकारी के अनुसार दोनो छात्रा प्रतिदिन की तरह आज भी विद्यालय आई हुई थी ।दोपहर के आस पास परियोजना बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की 16 वर्षीय छात्रा सुमन कुमारी बेहोस हो गई विद्यालय के शिक्षकों के द्वारा पी एच सी इलाज के लिए लाया गया जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।वही कन्या मध्य विद्यालय दाऊदनगर की 15 वर्षीय आठवी कक्षा की छात्रा कंचन कुमारी भी बेहोस हो गई जिनका इलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मे डॉक्टरों द्वारा किया गया।

नगर भ्रमण के साथ ही भगवान नंदी (बसहा) का प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुआ

भगवानपुर। प्रखंड के भगवानपुर अड्डा स्थित शिव मंदिर में चल रहे प्राण- प्रतिष्ठा यज्ञ मे भगवान नंदी (बसहा) का प्राण प्रतिष्ठा किया गया। इसके पहले नगर भ्रमण में रथ, हाथी, घोड़ा, बैंड, बाजा, के साथ हजारों की संख्या में श्रद्धालु भक्तजन शामिल हुए। यज्ञाचार्य सुजीत शास्त्री (मिट्ठू बाबा), आचार्य अवधेश पांडेय, पंडित विद्याभूषण द्विवेदी, पंडित सुरज शास्त्री, पंडित राहुल तिवारी, पंडित सोनू शंकर पांडेय ने पूरे वैदिक विधि-विधान के साथ भगवान का प्रतिमा स्थापित करवाया।प्राण प्रतिष्ठा के बाद भगवान नंदी का अभिषेक एवं श्रृंगार आरती किया गया।प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद वहां के सैंकड़ों श्रद्धालु भक्तों ने भगवान का जलाभिषेक किया।बहुत से श्रद्धालु भक्तजन पहलेजा घाट से जल लाकर भगवान शिव के साथ हीं नंदी का जलाभिषेक किया।यज्ञ के समापन के बाद महा भंडारा का भव्य आयोजन किया गया।यज्ञ को सफल बनाने मे गणिनाथ साह,हरिनाथ साह, उपेन्द्र साह,प्रमोद कुमार, पवन साह सहित समस्त ग्रामवासी तत्पर थें।

खेमयू ने बैठक में लिया कई फैसले

हाजीपुर।बिहार प्रांतीय खेतिहर मजदूर यूनियन (खेमयू)वैशाली के कार्यकारिणी की बैठक हाजीपुर के स्टेशन रोड में साथी राम बहादुर मित्रा के निवास पर रमाशंकर भारती के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। बैठक में सी॰पी॰एम॰ व सीटू के वरिष्ठ नेता कामरेड शोभा कांत के निधन पर उनके कृत्य की विस्तार से चर्चा करते हुए उनके कुशल और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की व्याख्या की गई। बैठक में पिछले कार्यो की रिपोर्ट जिला सचिव दीनबंधु प्रसाद ने रखते हुए कहा कि 8 जुलाई 2024 को बिदुपुर प्रखंड के चकहमजा मे प्रशिक्षण से कार्यकताओं में ऊर्जा का विस्तार हुआ है ।बैठक में केंद्रीय बजट को जन विरोधी और कॉपोरेट प्रस्त बताया गया। बैठक में भूमी, आवास, संपर्क सड़, हर- घर शौचालय, नल - जल, मनरेगा के अलावा भीषण महंगाई के सवाल पर तथा जिला को आकल ग्रस्त घोषित करने के सवाल पर प्रखंड से पंचायत स्तर तक संघर्ष चलाने का निर्णय लिया गया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक

मधुबनी। जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफल आयोजन को लेकर समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में बैठक आयोजित हुई।जिलाधिकारी ने स्वतंत्रता दिवस मुख्य समारोह के सफल आयोजन को लेकर संबधित अधिकारियों को कई आवश्यक दिशानिर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस समारोह के मुख्य समारोह का आयोजन पुलिस लाइन मधुबनी के परिसर में किया जाएगा। उन्होंने मैदान की तैयारी एवं मंचसज्जा के लिए कार्यपालक अभियंता, भवन को निर्देश भी दिए। मुख्य समारोह में झंडोतोलन कार्यक्रम प्रातः 09 बजे आरंभ होगा।इस अवसर पर जिले की प्रभारी मंत्री सहित सभी गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया जाएगा।जिलाधिकारी ने कहा कि इस अवसर पर जिले के स्वतंत्रता सेनानियों को भी सम्मानित किया जाएगा।मुख्य समारोह में बिहार पुलिस, एसएसबी, होम गार्ड, एनसीसी, स्काउट गाइड आदि की टुकड़ियां परेड में शामिल होंगी।उन्होंने कहा कि परेड की तैयारी के लिए अच्छी तरह से पूर्वाभ्यास किया जाए।जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि नगर में साफ सफाई के पर्याप्त इंतजाम किए जाएं। जिले में स्थापित महापुरुषों की प्रतिमाओं एवं स्मारकों की साफ-सफाई का भी निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिया गया। फैंसी क्रिकेट मैच लेकर सभी अवश्यज तैयारियो को करने का निर्देश डीएम द्वारा दिया गया।जिले के महादलित टोलो में पदाधिकारियो की उपस्थिति में टोला बुजुर्ग झंडोतोलन करेगे, इसको लेकर जिलाधिकारी ने संबधित पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

डीएम, सीएम एवं धर्मन्यास समिति को लिखी पत्र, कहा सिंघेश्वर मंदिर में लेगे टाइल्स से होती है फिसलन का खतरा

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा। राजद प्रदेश उपाध्यक्ष सह समाजसेवी कुमारी विनीता भारती ने मधेपुरा जिला पदाधिकारी – मुख्यमंत्री बिहार – धर्मन्यास समिति बिहार को पत्र लिखकर सिंघेश्वर मंदिर में लागातार श्रद्धालु के चोटिल होने मुद्दे को लेकर मांग पत्र दी।

कुमारी विनीता भारती ने कही कि कोशी व बिहार का सबसे बड़ा तीर्थस्थल बाबा की नगरी सिंहेश्वर, मधेपुरा को मधेपुरा के जिला पदाधिकारी ने कार्यकाल में बारीके से सजाया है जिसमें अनेकों सराहनीय कार्य हुए है और सिंहेश्वर न्यास समिति सहित यहाँ के स्थानीय जनप्रतिनिधि के सफल प्रयास से सिंहेश्वर मंदिर में श्रावण माह में लगने वाले मेले को राजकीय महोत्सव घोषित करवाया गया और राज्य सरकार के द्वारा आर्थिक सहायता भी उपलब्ध करवाया गया जिसके लिए हम मधेपुरा वासियों जिला पदाधिकारी सहित अन्य लोगों के प्रति आभारी हूँ और धन्यवाद ज्ञापित करती हूँ। लेकिन मंदिर के सौंदर्यकरण के दौरान जो फिशलानादर टाईल्स का प्रयोग किया गया है उससे लागातार श्रद्धालु चोटिल हो रहे हैं जो चिंता का विषय है मैं जिला पदाधिकारी के मजबूरी को समझ सकती हूँ की अभी श्रावण मास में श्रद्धालु की भीड़ की वजह से उसपर कार्य नहीं हो सकता हैं मगर श्रावण मास के बाद उस टाइल्स को बदल दिया जाए। बाबा की नगरी को काफी अच्छे तरीके से सजाने का काम किया है जिसके लिए हम सब आभारी है उसी कड़ी में सिंहेश्वर मैन मार्किट में बेरीकटिंग किया गया है जिससे लागातार सिंहेश्वर बाजार के दुकानदारों का कहना है की उनके व्यवसाय पर असर परा है उसपर जिला पदाधिकारी अपने स्तर से देखकर दुकानदारों की समस्या का हल करने का समुचित प्रयास करें। उन्होंने कहा हमारी सभी मांगो पर जल्द से जल्द करवाई की जाय ताकि आने वाले समय में श्रद्धालु सहित आम जनमानस को सहूलियत हो। अन्यथा आने वाले समय में आंदोलन को बाध्य हो जाऊंगी।

साहित्य संगीत एवं नाट्य समागम में साहित्यकारों और कलाकारों ने दी अपनी प्रस्तुति

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। कला संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार के तत्वॉवधान में साहित्यिक संस्था सामयिक परिवेश द्वारा आयोजित तीन दिवसीय साहित्य, संगीत एवं नाट्य समागम का आज भव्य समापन हुआ।

प्रेमचंद रंगशाला में अंतिम दिन कार्यक्रम का उद्घाटन कला संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार के निदेशक श्रीमती रूबी के कर कमलों से हुआ। अपने उद्घाटन भाषण में श्रीमती रूबी ने साहित्य संगीत एवं नाट्य समागम जैसे आयोजन आयोजकों की सराहना की और कहा कि कला संस्कृति विभाग लगातार कला, कलाकारों और संस्कृति और संस्कृतिकर्मियों को प्रोत्साहित करता रहा है। विभाग के माध्यम से सरकार स्तरीय कार्यक्रम को सहयोग भी करती है। आखिरी दिन उद्घाटन अवसर पर श्रीमती ताबिशी बहल पांडे,पासपोर्ट अधिकारी पटना, आईएफएस, सुमन कुमार निदेशक,कला जागरण, सामयिक परिवेश की संस्थापिका ममता मेहरोत्रा, सचिव अशोक कुमार सिन्हा, मुकेश महान, विभा सिंह सहित कई सम्मानित लोग उपस्थित थे। मौके पर सामयिक परिवेश की संस्थापिका ममता मेहरोत्रा ने कहा कि तीन दिनों का हमारा यह सांस्कृतिक महायज्ञ आज संपन्न हो रहा है। हम उन सभी साहित्यकारों कलाकारों को धन्यवाद देते हैं उनका आभार प्रकट करते हैं जिन्होंने इसमें भाग लेकर कार्यक्रम को गौरव प्रदान किया। श्रीमती मेहरोत्रा ने सहयोग के लिए कला संस्कृति विभाग , बिहार सरकार का भी आभार प्रकट किया। इस समागम के अंतिम दिन कार्यक्रम की शुरूआत लिटेरा पब्लिक स्कूल के बच्चों की प्रस्तुति से हुई। बाल कलाकारों की प्रस्तुति ने वहां उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में गजल गायन की प्रस्तुति थी। राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिलब्ध शायर कासिम खुरशीद के संयोजन में ममता मेहरोत्रा , सुनील कुमार तंग, अनिरूद्ध सिन्हा, शिव नारायण, दिलशाद नजमी,सुशील साहिल अराधना प्रसाद,गोरख प्रसाद मस्ताना, अविनाश अमन , अरूण कुमार आर्य और शबाना इशरत ने अपनी गजल गायकी प्रस्तुत की। अंत में मुहम्मद अली निर्देशित नाटक पुनर्जन्म के सफल मंचन के साथ इस तीन दिवसीय समारोह का समापन हुआ।

स्कूली बच्चों ने मनाया ग्रीन डे, पौधे लगा पर्यावरण संरक्षण का दिए संदेश

साँस्कृतिक कार्यक्रम में दी मनमोहक प्रस्तुति, पौधारोपण को किया जागरूक

प्रात : किरण संवाददाता

बिक्रम। गोपाल विद्यार्थी प्रखंड क्षेत्र के बाघाकोल स्थित न्यू एरा पब्लिक स्कूल परिसर में मंगलवार को ग्रीन डे का आयोजन किया गया। मौके पर स्कूली बच्चों ने विद्यालय परिसर में दर्जनों छायादार, फलदार एवं छोटे-छोटे फूल के पौधे लगाए व उनकी देखभाल का जिम्मा लिया । पौधारोपण के पश्चात बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की मनमोहक प्रस्तुति दी बच्चों ने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को पृथ्वी पर जल संकट से निपटने के लिए पौधारोपण के लिए जागरूक किया` मौके पर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्या डॉ नीना कुमार ने किया। पेड़ लगाओ पर्यावरण बचाओ थीम बेस्ड आयोजित कार्यक्रम में बच्चों ने लोगों को पृथ्वी को बचाने के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया । मौके पर विद्यालय के प्राचार्या ने कहा कि जब तक हम पर्यावरण के प्रति सजग नहीं होंगे तब तक धरती पर जीवन जीना मुश्किल होगा, आज पृथ्वी पर जीवन संकट में है, इससे बचने के लिए हम सबों को बड़े अपने आसपास बड़े पैमाने पर पौधारोपण करना होगा एवं प्लास्टिक के उपयोग से बचना होगा, पेड़ पौधे से ही पर्यावरण संतुलित बना रहेगा । प्राचार्या ने कहा कि पेड़ पौधों को लगाने के साथ-साथ उसकी देखभाल भी करना अपना कर्तव्य है । मौके पर मेहंदी एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। मेहंदी प्रतियोगिता में स्वाति प्रथम अनन्या कुमारी द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार क्रिस्टी को मिला । वहीं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम आर्यन चंद्रा द्वितीय अल्तमश एवं तृतीय पुरस्कार प्रतिक राज को दिया गया, शेष प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया` कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन उप प्राचार्य सोमदत्त चक्रवर्ती ने किया` मौके पर विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं, स्कूली बच्चे व कर्मी उपस्थित रहे।

डेंगू से बचाव को सरकार तत्पर लेकिन सतर्कता भी जरूरी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बरसात के आगमन के साथ ही मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है। जगह जगह जमा पानी इनके लार्वा को पनपने के लिए अनुकूल माहौल तैयार करते हैं। प्राप्त ताजा आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2024 से 28 जुलाई 2024 तक राज्य में डेंगू के 265 पॉजिटिव केस पाए गए हैं। इसमें सर्वाधिक 84 केस पटना में चिन्हित किये गए हैं। इसके अलावा, गया में 26, मुजफ्फरपुर में 18, सिवान में 11 एवं मधुबनी में 10 पॉजिटिव केस पाए गए हैं। अरवल एकमात्र जिला है जहाँ डेंगू का एक भी केस इस अवधि में नहीं मिला है।

डेंगू से बचाव के लिए राज्य सरकार द्वारा पानी जमे जगहों पर नियमित छिड़काव किया जा रहा है। आशा कार्यकताओं को पानी वाली जगहों पर लार्वा की पहचान कर निरोधात्मक कार्यवाही करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। अपर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम डॉ। अशोक कुमार ने बताया कि डेंगू से बचाव का सबसे सशक्त माध्यम सही जानकारी एवं अपने दैनिक व्यवहार में स्वच्छता का पालन करना है। उन्होंने बताया कि स्वयं सतर्क रहकर एवं जरूरी सुरक्षा अपनाकर डेंगू से सुरक्षित रहा जा सकता है। उन्होंने बताया कि सरकारी चिकित्सीय संस्थानों में डेंगू के मरीज के लिए बेड रिजर्व किये गए हैं।

दस सप्ताह, दस मिनट, सप्ताह में एक बार करें घर की सफाई:

डॉ. कुमार ने कहा कि 10 सप्ताह, 10 मिनट सप्ताह में एक बार घर की सफाई कर लेने से घर में डेंगू के मच्छर के प्रकोप को खत्म किया जा सकता है। इसके लिए सभी को घर में रखे चीजों जैसे कूलर, गमले, टूटे फूटे समान में पानी जमा होने से बचाने की जरूरत है। डेंगू के मच्छर साफ पानी में ही पनपते हैं। इसलिए सतर्कता उपचार से कहीं बेहतर विकल्प है।

शिक्षा सप्ताह के तहत स्कूली बच्चों ने दिखाई लेखन एवं ड्राइंग पेंटिंग प्रतिभा

प्रात : किरण संवाददाता

मशरक। नई शिक्षा नीति के चौथी वर्षगांठ पर आयोजित शिक्षा सप्ताह के तहत स्कूलों में प्रतिदिन आयोजित कार्यक्रम में छात्र छात्रा उत्साहपूर्वक भाग ले रहे है। हालाकि शिक्षा विभाग के दिशा निर्देश के बावजूद भी मशरक के महज 40 प्रतिशत विद्यालय में विभाग के कैलेंडर के अनुसार शनिवार से नियमित कार्यक्रम हो रहा है। प्राथमिक से उच्चतर माध्यमिक कक्षा तक आयोजित कार्यक्रम रोमांचकारी होने से बच्चों की बेहतर भागीदारी हो रही है। उच्च विद्यालय मशरक , उच्च विद्यालय बहुआरा, उच्च विद्यालय गोढना, मध्य विद्यालय पकड़ी, मध्य विद्यालय हनुमानगंज सहित अन्य विद्यालय में ड्राइंग पेंटिंग , कहानी लेखन , चित्रकला, कपड़े के कतरन एवम बेकार टूटे समान से खिलौना , कठपुतली बना अपनी प्रतिभा दिखाया । शिक्षको ने छात्र छात्राओं के लेखन एवम कलाकृति को देख उन्हे और बेहतर प्रदर्शन करने को प्रोत्साहित किया। समारोह के दौरान छात्रों को नई शिक्षा नीति के तहत समावेशी शिक्षा , कौशल विकास , सांस्कृतिक गतिविधि एवम शिक्षा में खेल कूद की अनिवार्यता की चर्चा विद्यालय प्रधाध्यापक सहित अन्य शिक्षको ने की। छात्र छात्राओं ने शिक्षा विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए एफ एल एन किट की आवश्यकता एवम महता पर शिक्षको के साथ अपने विचार साझा किए। बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्रों को विद्यालय शिक्षा सप्ताह के आखिरी दिन पुरस्कृत करेगा।

नेटवर्क मेंबर करें लोगों को दवा सेवन के लिए जागरूक: डॉ. दीपा सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

पटना– फुलवारीशरीफ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से मंगलवार को मैराथन जागरूकता कार्यक्रम की शुरूआत की गयी। कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत फुलवारीशरीफ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मेडिकल ऑफिसर डॉ। दीपा सिंह, बीएचएम शिप्रा सिंह चौहान एवं बीसीएम अंबिका कुमार ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया। अभियान के दौरान फाइलेरिया पेशेंट नेटवर्क के सदस्य चनेश्वर मांझी एवं जगदीश कुमार पूरे प्रखंड के पंचायतों का भ्रमण कर विभिन्न जगहों पर समुदाय को आगामी एमडीए अभियान के दौरान दवा सेवन के लिए प्रेरित करेंगे। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान नेटवर्क सदस्य दवा सेवन को लेकर शंकाओं को दूर करेंगे एवं दवा सेवन के लाभ के बारे में बताएँगे। फुलवारीशरीफ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मेडिकल ऑफिसर डॉ। दीपा सिंह ने कहा कि फाइलेरिया उन्मूलन अभियान में नेटवर्क सदस्य अहम भूमिका निभा रहे हैं। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान नेटवर्क सदस्य लोगों को दवा खाने के लिए जागरूक करेंगे। बीएचएम शिप्रा सिंह चौहान ने कहा कि नेटवर्क के सदस्य फुलवारीशरीफ प्रखंड के सभी पंचायतों में फाइलेरिया एवं एमडीए अभियान के बारे में चर्चा करेंगे। इस दौरान वह सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर एवं स्वास्थ्य उपकेंद्रों में जाकर आमजनों को दवा सेवन के लिए प्रेरित करेंगे। इसी क्रम में नेटवर्क सदस्यों द्वारा हसनपुरा हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सीएचओ कपिल कुमार यादव एवं स्थानीय वार्ड पार्षद सुनीता देवी मौजूद रहीं। उपस्थित लोगों को नेटवर्क सदस्यों द्वारा फाइलेरिया रोग के बारे में जानकारी दी गयी एवं दवा सेवन से फाइलेरिया से कैसे बचा जा सकता है बताया गया।

एकमा थाने में एसडीपीओ के नेतृत्व में एक टीम गठित कर दो अपराधियों को गिरफ्तार किया गया

प्रात : किरण संवाददाता

एकमा। सारण पुलिस कप्तान के निर्देश पर एक टीम गठित कि गई जिसमें एकमा एसडीपीओ राजकुमार स्पेक्टर सह थाना अध्यक्ष उदय कुमार व महिला व पुरुष सशस्त्र बल के साथ एकमा थाने के हुस्सेपुर गेट से लूटी हुई मोटरसाइकिल के साथ हथियार व गली गोली सहित दो अपराधी को गिरफ्तार किया गया। बताते चलें कि एकमा थाना क्षेत्र के पचुवां गांव निवासी अब्दुल गफ्फार के पुत्र मंसूर आलम ने 18 जुलाई 2024 को थाने में एक लिखित आवेदन देकर कहा था कि 18 जुलाई को हम अपनी पत्नी का इलाज सिवान जिले के चैनपुर से कराकर अपने घर पच्चुआ लौट के दौरान एकमा थाने के आमडाढी ओवर ब्रिज के समीप हथियार का भय दिखाकर मेरा अपाची मोटरसाइकिल जिसका नंबर बीआर 04 ए,टी, 7730 लूट लिया था । उसके पश्चात पुलिस अधीक्षक सारण के आदेशानुसार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजकुमार थाना अध्यक्ष उदय कुमार पुअनि संजीव कुमार परि 0 पुअनि कुणाल कुमार परि ङ्ख पुअनि शिवानी शरण सेठ परि पुअनि बालमुकुंद कुमार स अनि अमित कुमार स अनि प्रभाकर कुमार मौजूद थे ।जिसमें फुच्चूटीकला गांव के स्वर्गीय धनंजय तिवारी का 21 वर्षीय पुत्र गोलू तिवारी दूसरा सिवान जिले के महाराजगंज थाना क्षेत्र के पिपरा कला गांव निवासी स्वर्गीय परमात्मा पांडेय का 20 वर्षीय पुत्र अभिषेक कुमार पांडेय को तकनीकी सेवा के आधार पर प्राप्त सूचना के अनुसार हुस्सेपुर गेट के पास से कांड संख्या 269/2024 कांड की लूटी गई मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक को पकड़ा गया पूछताछ के दौरान दोनों नवयुवक अपना अपराध स्वीकार किया उक्त दोनों के निशान देह पर गोलू तिवारी के घर पर छापामारी की गई उस घर में एक पिस्तौल दो गोली व एक मैंगनीज बरामद हुआ। दोनों को बारी-बारी से गिरफ्तार का जेल भेज दिया गया दोनों पकड़े गए अपराधियों से पुलिस ने राहत की सांस ली ।

साहित्य सम्मेलन के वरीय कर्मी अमरेन्द्र झा के निधन पर शोक

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के वरीय कर्मी अमरेन्द्र झा के निधन पर सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने गहरा शोक व्यक्त किया है। अपने संदेश में डा सुलभ ने स्वर्गीय झा को सम्मेलन-कार्यालय का एक मजबूत स्तम्भ बताते हुए, कहा है कि उनके निधन से सम्मेलन की बड़ी क्षति पहुँची है। उनके असामयिक निधन से उन्हें निजी तौर पर मार्मिक वेदना हुई है। वे सम्मेलन के दूसरे सबसे पुराने कर्मी थे, जिन पर सम्मेलन का बड़ा दायित्व रहता था। स्मरणीय है कि गत सोमवार को दूसरे पहर के बाद सम्मेलन- कार्यालय में बैठे-बैठे श्री झा अचेत होकर कुर्सी से नीचे लुढ़क पड़े। उन्हें सम्मेलन के प्रशासी पदाधिकारी सूबेदार नन्दन कुमार मीत ने पटना चिकित्सा महाविद्यालय के आपात-सेवा इकाई में लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस दुखद खबर के प्रकाश में आते ही सम्मेलन के अनेक अधिकारी और सदस्यगण सम्मेलन-कार्यालय पहुँचे। उनकी पत्नी और परिजनों को सूचना दी गयी। वे सब भी शीघ्रता से सम्मेलन पहुँचे, जहां उनका मृत शरीर अस्पताल से लाया जा चुका था। अग्नि-संस्कार के लिए उनका पार्थिव शरीर उनके पैतृक गाँव सौराष्ट्र (मधुबनी) ले जाया गया। इसके पूर्व सम्मेलन के अधिकारियों और कर्मियों ने पुष्प-हार अर्पित कर भाव-भीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पुष्पांजलि अर्पित करने वालों में सम्मेलन के प्रबंधमंत्री कृष्ण रंजन सिंह, संगठनमंत्री डा शालिनी पाण्डेय, कुमार अनुपम, प्रवीर पंकज, चंदा मिश्र, नेहाल कुमार सिंह निर्मल, नन्दन कुमार मीत, कुमारी मेनका, सुनीता देवी, महेश प्रसाद, बीरेन्द्र प्रसाद,राहूल कुमार, मयंक कुमार आदि सम्मिलित थे।

लोहे के सरिया लदे ट्रैक्टर को अपराधियों ने लूटा, चैबीस घण्टे में पुलिस ने किया बरामद

दिघवारा नगर।थाना क्षेत्र के पिरगंज इलाके से रविवार की देर रात अपराधियो द्वारा एक ट्रैक्टर को जिस पर दस टन लोहे का सरिया लदा हुआ था उसे चालक को बंधक बनाकर ट्रैक्टर सहित उसपर लदे सरिया को लूट लिया गया था।जिसकी सूचना पर त्वरित करवाई करते हुए पुलिस द्वारा उक्त ट्रैक्टर को समान सहित चौबीस घण्टे में बरामद कर लिया।घटना के सम्बंध में थानाध्यक्ष रविशंकर कुमार ने बताया कि बीते रविवार की रात्रि में दरियापुर थाना क्षेत्र के बनवारीपुर गांव निवासी कन्हाई राय द्वारा पटना से सरिया लादकर वापस लौटने के दौरान पिरगंज के पास एक बोलेरो पर सवार तीन चार अज्ञात अपराधियो द्वारा ओवरटेक कर गाड़ी रुकवाकर जबरन उसे गाड़ी से उतारकर बोलेरो में बैठा लिया गया तथा आँख पर पट्टी बांधकर हाथ पैर को रस्सी से बांध दिया तथा एक अपराधी ट्रैक्टर लेकर भागने लगा।थोड़ी देर बाद ट्रैक्टर चालक को छपरा उमधा के पास बोलेरो से बाहर सड़क किनारे फेंक दिया गया।जिसके बाद उक्त चालक द्वारा पुलिस को सूचना दी गई थी।जिसपर त्वरित करवाई करते हुए लुटे गए ट्रैक्टर को समान सहित परसा थाना क्षेत्र के बलवा गांव से बरामद कर लिया गया।वही अपराधियो को पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है।

प्रेम प्रसंग में चाकूबाजी युवक युवती घायल, सीएचसी मशरक में भर्ती

मशरक। मशरक बंसोही बाजार के नजदीक स्कूल के पास प्रेमी प्रेमिका के साथ मारपीट की घटना में युवक को चाकू मार किया जख्मी इस दौरान युवती के साथ मारपीट हुई जिसमे वो जख्मी हो गई। दोनो को युवक के परिजनों ने मशरक सीएचसी में इलाज के लिए भर्ती कराया। युवक गोपालगंज के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के बखरी निवासी बलिराम महतो के 20 वर्षीय पुत्र सुरज कुमार जबकि युवती सिवान के भगवानपुर थाना अंतर्गत माघर गांव निवासी अवध किशोर प्रसाद की 17 वर्षीय पुत्री नंदनी कुमारी है। परिजनों के अनुसार दोनो में काफी दिन से प्रेम प्रसंग चल रहा है । युवक के परिजन शादी को लेकर पारिवारिक कारण से थोड़ा समय लेना चाहते थे। जबकि युवती के भाई को इस शादी से आपत्ति है। जिसे लेकर वह अपनी बहन को डांट डपट करता है। इसी को लेकर मंगलवार को दोनो प्रेमी दोनो जिला के सीमा पर अवस्थित मशरक के बनसोही में मिलने पहुंचे । जिसकी जनकारी होने पर युवती का भाई अपने साथियों के साथ वहा पहुंच मारपीट करने लगा जिसमे युवक को चाकू लगी और युवती लाठी डंडे से जख्मी हो गई।

मशरक सिनेमा रोड के नाला निर्माण कार्य की हुई जांच, त्रुटि सुधारने का दिया गया निर्देश

मशरक। मशरक स्टेशन फीडर रोड और सिनेमा रोड मे हो रहे नाला निर्माण कार्य की गहन जांच मंगलवार को जेई चंद्रभूषण और सहायक अभियंता निशा कुमारी ने किया।इस दौरान ठीकेदार को निर्माण कार्य मे हुई त्रुटि को सुधारने का निर्देश दिया गया।और विशेष कर लेबल का ध्यान देने को कहा गया। ताकि पानी का बहाव सही दिशा मे हो सके।वही चौमुहानी के पास हौदा बनाने का निर्देश दिया गया।ताकि तीन तरफ से आए कचरे को आसानी से साफ किया जा सके और नाले को जाम होने से बचाया जा सके।मौके पर मशरक नगर पंचायत के मेयर सोहन महतो,वार्ड सदस्य सिकंदर कुमार सहित अन्य थे। जांच के दौरान स्थानीय दुकानदार अजय कुमार सिंह, मंडल सिंह सहित दर्जनो दुकानदारो ने सिनेमा रोड के नाला निर्माण को आनन फानन मे बनाने की बात कहते हुए कहा कि अतिक्रमण को हटाकर नाला बना होता तो सड़क संकरा नही होता।नाला निर्माण के बाद स्टेशन फीडर रोड के चौमुहानी से लेकर सीताराम मार्केट तक नाला की तरफ के दुकानदार के कारण सड़क की चौराई काफी कम हो गयी है।सड़क के सटे बने नाला और उसके बाद सड़क पर दो फीट तक मिट्टी भर दी गई है।जिससे आने जाने मे लोगो को परेशानी हो रही है।

संक्षिप्त खबरें

विद्युत चोरी का मामला दर्ज ,67 हजार जुर्माना

बनियापुर। विद्युत विभाग ने अभियान के तहत विद्युत चोरी के मामले में एक के विरुद्ध नामजद करते एक व्यक्ति के विरुद्ध 67 हजार रुपया जमार्ना लगाया है सहायक अभियंता अमरजीत कुमार द्वारा दर्ज प्राथमिकी में बताया है कि छापामारी दल द्वारा पाया गया है कि कन्हौली मनोहर गांव निवासी विजय कुमार राय द्वारा बिना बैध कनेक्शन के मेन एलटी सर्विस तार जोड़कर विद्युत ऊर्जा का उपभोग कर रहा है जो बिजली चोरी का मामला है ,जिसके खिलाफ थाना में प्राथमिकी दर्ज कर 67776 रुपया राजस्व की क्षति हुई है। जिस मामले मे उक्त व्यक्ति को आरोपित कर विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

गुरु दक्षिणा कार्यक्रम आयोजित

छपरा कार्यालय। भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता राणा यशवंत प्रताप सिंह के द्वारा राउत टोला छपरा स्थित अपने कार्यालय पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गुरु दक्षिण महोत्सव का कार्यक्रम मनाया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला स्तर के पदाधिकारी गण उपस्थित थे। मुख्य रूप से विभाग संघचालक विजय कुमार की उपस्थिति थी जिनके द्वारा बौद्धिक हुआ,उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में गुरु दक्षिणा के महत्व को समझाये इस मौके पर राणा यशवंत प्रताप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ निरंतर राष्ट्र निर्माण में अपनी बड़ी भूमिका निभा रहा है जिससे राष्ट्र को परम वैभव तक पहुंचा जा सकें साथ ही नगर कार्यवाह श्री विजय सिंह जी ने मुख्य रूप से परिचय देते हुए गुरु दक्षिणा के कार्यक्रम को प्रारंभ किया तथा नगर के सम्मानित गणों में जनप्रतिनिधि सामाजिक व जदयू नेता जितेन्द्र सिंह ,गुड्डु अवस्थी,सरोज सिंह,भीम सिंह,टिंकू बीन आदि सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

डॉ. वसीम व डॉ. रमेश बने विवि के सहायक परीक्षा नियंत्रक

छपरा नगर। जयप्रकाश विश्वविद्यालय में मंगलवार को दो सहायक प्रोफेसरों को सहायक परीक्षा नियंत्रक बनाया गया इस आशय से सम्बंधित कार्यालय आदेश निर्गत कर दिया गया है। कुलपति के आदेश से कुलसचिव डॉ. नारायण दास द्वारा निर्गत कार्यालय आदेश में जगदम कॉलेज के जंतु विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. मो.वसीम एवं राजेन्द्र कॉलेज ,छपरा के अर्थशास्त्र विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ रमेश कुमार को सहायक परीक्षा नियंत्रक बनाया गया है।

विवि के कई कर्मी हुए स्थानांतरित

छपरा नगर। जयप्रकाश विश्वविद्यालय के करीब आधे दर्जन शिक्षकेतर कर्मियों का स्थानांतरण किया गया है। वहीं दो कर्मी को विभिन्न कोषांगों का अतिरिक्त प्रभार की जिम्मेवारी दी गई है। इस आशय से सम्बंधित कार्यालय आदेश विवि के कुलपति के आदेश से कुलसचिव डॉ.नारायण दास द्वारा निर्गत कर दिया गया है जिसमे प्रशासी विभाग के निम्नवर्गीय लिपिक मुकेश कुमार तिवारी को भंडार शाखा में,सहायक रवि कुमार को पीजी वाणिज्य विभाग में,पंकज कुमार सिंह को पीजी भूगोल विभाग में, सहायक अखिलेश कुमार त्रिपाठी को विधि शाखा से एकेडमिक कोषांग ,वित विभाग में प्रतिनियुक्त कर्मी देवेंश राय को स्थापना प्रथम विभाग में स्थानांतरित किया गया है जबकि महाविद्यालय निरीक्षक (विज्ञान) कोषांग के सहायक अरविंद प्रताप सिंह को विधि विभाग का अतिरिक्त प्रभार एवं पंजीयन शाखा में कार्यरत निम्न वर्गीय लिपिक राकेश कुमार शर्मा को विवि के काउंटर तृतीय का जिम्मेवारी दी गई है।

छत पर सोए वृद्ध की धारदार हथियार से काट कर निर्मम हत्या

महुआ। महुआ थाना क्षेत्र के ताजपुर बुजुर्ग पंचायत में बदमाशों ने धारदार हथियार से एक वृद्ध व्यक्ति की निर्मम हत्या कर दी।घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई घटना की खबर इलाके में आग की तरह फैल गई ।वही शव देखने के लिये काफी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई।वही घटना की सूचना पर दल बल के साथ पहुंची महुआ थाने की पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिय सदर हॉस्पिटल भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार उक्त पंचायत के माधोपुर गांव में सोमवार की देर रात्रि बदमाशों ने स्व.पलटू राम के 75 वर्षीय पुत्र बालेश्वर राम को घर के छत पर सोएं अवस्था में नीचे उतारकर धारदार हथियार से सिर तथा गर्दन काटकर निर्मम हत्या कर दी।मंगलवार की सुबह जब लोगों की नजर वृद्ध व्यक्ति पर पड़ा तो पास में जाकर देखा तो खून से लतपथ शव पड़ा था जिसकी खबर इलाके में जंगल में लगी आग की तरह फैल गई और हजारों लोगों की भीड़ घटनास्थल पर जमा हो गई सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष सुभाष प्रसाद, एएसआई भुवनेश्वर राम दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए इस दौरान पुलिस पदाधिकारियों ने परिजनों तथा ग्रामीणों से पूछताछ के बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिय सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया।

अनुमंडल अनुश्रवण समिति की बैठक में जदयू ने जनता से जुड़े मुद्दे को उठाया

प्रात : किरण ब्यूरो

मुंगेर (बिहार)। मंगलवार को अनुमंडल अनुश्रवण समिति की बैठक में जनता दल यूनाइटेड के जिला प्रवक्ता विमलेंदु राय ने जन हित से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों को समिति के समक्ष रखा। उन्होंने प्रशासन से कार्रवाई की मांग किया । उन्होंने कहा

दियारा क्षेत्र को प्राथमिकता : उन्होंने कहा कि लगातार यह शिकायत आ रही है कि मुंगेर के दियारा क्षेत्र के लाभुकों को समय पर राशन नहीं मिल पाता है, क्योंकि डोर स्टेप डिलीवरी की सुविधा देने वाली एजेंसी समय पर डिलीवरी नहीं करती है। अतः निवेदन है कि दियारा क्षेत्र के राशन डीलर को प्राथमिकता के आधार पर डिलीवरी की सुविधा दी जाय ।

2। जन वितरण की दुकान के खुलने एवं बंद होने का समय निर्धारित करना : उन्होंने कहा कि लगातार यह शिकायत आ रही है की अधिकांश डीलर की दुकानों के खुलने और बंद होने का कोई समय सारिणी अंकित नहीं है , लाभुकों को बार-बार दुकान पर जाकर निराश हो वापस लौटना पड़ता है, एवं इस कार्यप्रणाली से जनता में सरकार के प्रति आक्रोश होता है इस विषय पर गंभीरता से विचार कर दिशा निर्देश जारी करना चाहिए।

राशन डीलर के गोदाम की जर्जर स्थिति : यह देखा जा रहा है की अधिकांश राशन डीलर के गोदाम या दुकान की स्थिति जर्जर है, मानसून के समय पर गोदाम में रखे राशन की क्षति की संभावना बनी रहती है । अतः निवेदन है कि एक टास्क फोर्स बनाकर सभी जन वितरण प्रणाली की दुकानों एवं गोदाम की जांच की जाए एवं विगत 3 महीने में कितनी सरकारी राशन का नुकसान हुआ है उसका भी आकलन किया जाए अगर कोई राशन का नुकसान हुआ है तो उसकी रिपोर्ट भी समिति के समक्ष रखा जाना चाहिए।

एस्केलेटर मिस्ट्रिक्स की स्थापना में अनियमितता : उन्होंने कहा कि विगत 31 अक्टूबर 2023 को समिति की बैठक में निर्णय लिया गया था की अनुमंडल के सभी राशन डीलर के दुकान पर सभी संबंधित अधिकारियों का मोबाइल नंबर प्रदर्शित होगा, जिसमें जनता सीधे शिकायत कर सकती है। इसके क्रियान्वन की जिम्मेदारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को दिया गया था, लेकिन ऐसा देखने में आ रहा है कि इस निर्णय पर संबंधित पदाधिकारी द्वारा गंभीरता से कार्य नहीं किया गया है उन्होंने कहा कि हमेशा सदस्यों को गुमराह करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि उपरोक्त चारों बिंदुओं पर गंभीरता से विचार विमर्श किया जाए एवं जनहित में जरूरी दिशा निदेर्शों को जारी किया जाए और जहां भी आवश्यक हो वहां पर एक निष्पक्ष कमेटी के द्वारा पीडीएस दुकानों का जांच की जाए ।

मुंगेर एसपी ने जिले वासियों से साइबर ठगी होने से बचने का अपील किया

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर) मुंगेर के आरक्षी अधीक्षक सैयद इमरान मसूद ने साइबर ठगी के प्रचलन जिले में अधिक देखी जा रही है जिससे ठगी के शिकार साइबर सेल के थानेदार भी हो गए जिसके कारण सैयद इमरान मसूद ने जिले और शहर के वीडियो से कहा है कि आजकल अधिकारी या पुलिस अधिकारी का फोटो लगा फर्जी फेसबुक अकाउंट और व्हाट्सएप बनाकर पैसे मांगे जा रहे हैं प्रचलन आम होता जा रहा है ऐसे में लोगों से आग्रह है कि साइबर फ्रॉड से बचने के लिए ऐसे किसी तरह के मैसेज जिसमें पैसों की मांग की जा रही है या पर्सनल डिलीट या ओटीपी की मांग की जा रही है तो निश्चित रूप से या फ्रॉड है और तुरंत इसकी सूचना पुलिस को देना चाहिए।

पुलिस के समक्ष फ्रॉड का जो भी मामला सामने आता है उसमें कारवाई की जाती है लेकिन साइबर फ्रॉड से बचने के लिए लोगों को जागरूक रखना जरूरी है प्राप्त जानकारी के अनुसार साइबर थाना अध्यक्ष अपराध का शिकार हो जा गए हैं आम लोग साइबर अपराध से कितना सुरक्षित रह सकते हैं या सोचने वाली बात है ताजा मामला मुंगेर साइबर थाना का सामने आया है जहां साइबर थाने के थाना अध्यक्ष ट्रैफिक डीएसपी प्रभात रंजन को ही साइबर अपराधियों ने साइबर फ्रॉड का शिकार बना लिया उनके नाम से फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाकर मैसेंजर के माध्यम से फॉलो औरों के को मैसेज कर राशि की मांग की जा रही थी साइबर थाना अध्यक्ष के फर्जी पर फेसबुक अकाउंट से फॉलोवर ने राशि मांगे मांगे जाने का गोरखधंधा पिछले कई दिनों से चल रहा था जिसकी जानकारी थाना अध्यक्ष को नहीं थी इसका खुलासा तब हुआ जब 27 जुलाई को साइबर थाना अध्यक्ष के एक फॉलोअर ने उनके व्हाट्सएप पर मैसेंजर के माध्यम से मांगे गए पैसों का स्क्रीनशॉट भेजना भेजते हुए पैसे मांगे जाने के कारण पूछा इसके बाद साइबर थाना अध्यक्ष साइबर थाना अध्यक्ष ट्रैफिक डीएसपी प्रभात रंजन ने बताया कि फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाकर राशि मांगे जा रहे थे जानकारी होने पर उन्होंने फेसबुक को अकाउंट सुरक्षित रखने का टेस्ट ट्रेलर को भेजा गया है साथ ही फर्जी अकाउंट बनाने वाले विवरणी सीआरपीसी के तहत फेसबुक से मांगी गई फेसबुक द्वारा फर्जी अकाउंट बनाने वाले का विवरण उपलब्ध कराए जाने के बाद साइबर थाना में प्राथमिक की दर्ज की जाएगी।

जीबीएम कॉलेज की एनएसएस इकाई के संयोजन में जिलास्तरीय रेड रन मैराथन-2024 प्रतियोगिता का आयोजन

प्रात : किरण ब्यूरो

गया। गौतम बुद्ध महिला कॉलेज की एनएसएस इकाई रेड रिबन क्लब द्वारा कॉलेज के प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ. सहदेब बाउरी एवं एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी एवं जिला नोडल पदाधिकारी डॉ. प्रियंका कुमारी के निर्देशन तथा बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति, पटना से आये रिसोर्स पर्सन्स असीम झा एवं अभिषेक कुमार के संयोजन में एचआईवी एड्स पर जागरूकता हेतु जिला स्तरीय रेड रन मैराथन प्रतियोगिता-2024 का आयोजन गाँधी मैदान अवस्थित हरिहर सुब्रह्मण्यम स्टेडियम में किया गया है, जिसमें गया जिले के 6 महाविद्यालयों एवं सीयूएसबी, गया के 10-10 प्रतिभागियों ने 5 छात्राएँ एवं 5 छात्र भाग लिया है। रेड रन मैराथन प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं की शानदार प्रतिभागिता रही। मैराथन दौड़ में जिले के सात शैक्षणिक संस्थानों से कुल 70 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। छात्रों में प्रथम पाँच स्थानों पर

क्रमशः एसएनसिन्हा कॉलेज, टिकारी के सौरभ राज एवं प्रवीण कुमार, गया कॉलेज, गया के राहुल कुमार एवं कुनाल आर्या तथा एएम कॉलेज, गया के रामू कुमार रहे। छात्राओं में प्रथम पाँच स्थानों पर क्रमशः एसएन सिन्हा कॉलेज की सिन्धु कुमारी, एएम कॉलेज की ज्योति कुमारी, एसएमएसजी कॉलेज, शेरघाटी की स्वीटी कुमारी एवं काजल कुमारी तथा जीबीएम कॉलेज, गया की पूजा कुमारी रहीं। कॉलेज की पीआरओ डॉ कुमारी रश्मि प्रियदर्शनी ने बतलाया कि जिलास्तर पर चयनित इन 10 प्रतिभागियों में से छात्र और छात्रा दोनों वर्गों में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान पर चयनित विजेता अगस्त माह में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय रेड रन मैराथन प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

रेड रन मैराथन प्रतियोगिता के उपरांत कॉलेज के सावित्री महाजन सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में सभी विजेताओं को प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ बाउरी एवं उपस्थित एनएसएस प्रोग्राम अफिसर्स मंचासीन प्रोफेसर्स द्वारा प्रशस्ति प्रमाण पत्र, संबल पत्रिका, बुक सेट्स, तथा एड्स जागरूकता लीफलेट्स प्रदान किये गये। सभी प्रोग्राम ऑफिसर्स एवं प्रतिभागियों को भी प्रमाण पत्र दिये गये है। रिसोर्स पर्सन्स झा एवं कुमार ने सभागार में उपस्थित छात्र-छात्राओं को एचआईवी वाइरस को फैलने से रोकने तथा एड्स रोग से बचने के उपाय बतलाये।इस कार्यक्रम में उपस्थित एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर्स में डॉ. श्वेता सिंह ए एम कॉलेज, गया, डॉ. प्रशांत सीयूएसबी, गया, डॉ राजेश कुमार मिश्र एवं डॉ. रवि कुमार गया कॉलेज, डॉ लखभद्र सिंह नारूका एसएमएसजी कॉलेज, शेरघाटी, डॉ दीन दयाल गुप्ता एसएनसिन्हा, टिकारी एवं डॉ सुनील कुमार जे.जे.कॉलेज, गया की उपस्थिति रही।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना तहत तीन मत्स्य पालकों के मोटरसाईकिल सह आईस बॉक्स का वितरण

प्रात : किरण

अरवल। जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह के द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना अंतर्गत तीन मत्स्य पालकों के बीच मोटरसाईकिल सह आईस बॉक्स का वितरण किया गया। इस दौरान योजनाओं के बारे में संक्षिप्त जानकारी देते हुए जिला पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि जिलेवासियों को स्वच्छ, ताजी एवं गुणवतायुक्त मछलियाँ उपलब्ध कराने के मद्देनजर यह योजना चलाई जा रही है। उनके द्वारा बताया गया कि शिकारमारी के पश्चात मछली का सेल्फ लाईफ कम हो जाता है, जिसे मोटरसाईकिल सह आईस बॉक्स की मदद से मछलियों को ताजी एवं गुणवतापूर्ण रखते हुए द्रुतगामी गति से जिलेवासियों को उपलब्ध कराया जायेगा। योजनान्तर्गत मोटर साईकिल सह आईस बॉक्स की कुल इकाई लागत 75000 रूपया निर्धारित है, जिसमें अन्य वर्ग को इकाई लागत का 40 प्रतिशत एवं महिला वर्ग तथा अनुसूचित जाति के मत्स्य कृषकों को 60 प्रतिशत अनुदानित दर पर वाहन उपलब्ध कराया जायेगा। इस दौरान जिला पदाधिकारी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि इस योजना से अधिक से अधिक मत्स्य पालक जुड़े एवं इसका लाभ उठायें। मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, मत्स्य प्रसार पदाधिकारी के साथ अन्य उपस्थित थे।

सरपंच पुत्र की हत्या का जल्द उद्वेदन करें प्रशासन : पप्पू

प्रात : किरण ब्यूरो

मुंगेर (बिहार) ।समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष पप्पू यादव ने क्षेत्र की समस्या को लेकर धरहरा का दौरा किया और बीते दिनों धरहरा दक्षिण पंचायत के सरपंच पुत्र इंद्रजीत प्रताप की हत्या से मर्माहत सरपंच के आवास पर पहुंच कर परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना व्यक्त की एवं धरहरा थाना अध्यक्ष से मिलकर अभिलंब अपराधियों के गिरफ्तारी की मांग किया है सपा अध्यक्ष ने कहा कि समाजवादी पार्टी केवल राजनीति करने के लिए राजनीति नहीं करती वल्कि हमारा उद्देश्य क्षेत्र के जन समस्याओं के संघर्ष कर क्षेत्र को विकास की दहलीज तक ले जाना है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य हमारे क्षेत्र का जहां है कि सुशासन सरकार में जिले में निरंतर हत्या का ग्राफ बढ़ रहा है जब जनप्रतिनिधियों के परिजन सुरक्षित नहीं है तो आम आदमी का क्या हाल होगा इसका सहज अनुमान लगाया जा सकता है । उन्होंने आगे कहा कि कारण चाहे जो भी हो पुलिस अपराध पर अंकुश लगाने और उद्वेदन के मामले में स्थिरता बरती है उन्होंने कहा कि धरहरा थाना प्रभारी काफी गंभीर पदाधिकारी है जिले में पद स्थापित पुलिस अधीक्षक की कर्तव्य निष्ठा और ईमानदारी लोगों में चचाएं आम है बावजूद अगर अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं होती है तो हम सपाई आंदोलन के लिए सड़क पर उतरेंगे, मौके पर मनोज क्रांति कुमार प्रभाकर सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

डीएम ने जिला सड़क सुरक्षा समिति की किया बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। समाहरणालय जिला पदाधिकारी सह अध्यक्ष जिला सड़क सुरक्षा समिति वर्षा सिंह की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान जिला पदाधिकारी द्वारा ट्रैफिक थाना एवं परिवहन विभाग को निदेशित किया गया कि सड़क सुरक्षा जागरूकता हेतु विशेष अभियान चलायें साथ ही नहर रोड़ पर ओवरहेड बैरियर पर रेडियम पट्टी भी लगायें। उनके द्वारा जिला परिवहन पदाधिकारी को निदेशित किया गया कि सड़कों पर जितने भी अवैध बिजली के पोल ब्रेकर के रूप में है, उन ब्रेकरों का विद्युत विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए यथाशीघ्र हटाना सुनिश्चित करें। कार्यपालक अभियंता दाउदनगर एवं खगौल प्रमंडल को निदेशित किया गया कि पेड़ों की कटाई एवं छटाई का कार्य नियमानुसार यथाशीघ्र निष्पादित किये

जायें। जिला पदाधिकारी द्वारा ट्रैफिक थानाध्यक्ष एवं ट्रैफिक डीएसपी को निदेशित किया गया कि ओवर स्पीडिंग एवं दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की निगरानी कर स्थल का चयन करें एवं आवश्यकतानुसार सीसीटीवी/ एएनपीआर लगायें जिससे कि दुर्घटना की स्थिति को कम किया जा सके। इसके साथ ही उनके द्वारा निदेशित किया गया कि अतिक्रमण के कारण भी दुर्घटना होने की संभावना बढ़ती है, तदनुसार एनएच 110 पर जितने भी अतिक्रमित स्थल है उन्हें यथाशीघ्र मुक्त करायें। बैठक में पुलिस उपाधीक्षक, जिला परिवहन पदाधिकारी के साथ अन्य उपस्थित रहे।

एमएलसी श्री भगवान सिंह ने कहा कि जांच में दोषी पाए जाने पर होगी कार्रवाई

प्रात : किरण संवाददाता

जगदीशपुर/भोजपुर, अंग भारत। जगदीशपुर नगर के संत श्री बरहना महिला कॉलेज में सम्मान समारोह आयोजित किया गया ।इसमें जदयू एमएलसी श्री भगवान सिंह कुशवाहा समेत एनडीए के तमाम नेता शामिल हुए ।मालूम हो कि कॉलेज प्रबंधन पर स्नातक 2024-28 सत्र के प्रथम सेमेस्टर में नामांकन के नाम पर छात्राओं से लिए गए अवैध राशि को लेकर जांच चल रहा है। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय द्वारा त्रिस्तरीय जांच टीम का गठन किया गया था। वहीं श्री भगवान सिंह कुशवाहा से पत्रकारों ने प्रेस वार्ता के दौरान जब पूछा की, जिस कॉलेज में गए थे ।उस कॉलेज पर स्नातक में छात्राओं से लिए गए अवैध राशि का जांच चल रहा है ।पूछे गए सवाल को उन्होंने कहा कि छात्राओं से राशि लेना गलत है, एक

भी रुपया नहीं लेना है ।जो भी जांच हो रहा है उचित जांच होगा जांच उपरांत कार्रवाई की जाएगी ।वही उन्होंने कहा कि कॉलेज की स्थिति पूर्व में बहुत खराब था ।अब स्थिति सुधर रहा है ।कॉलेज के प्राचार्य और शिक्षकों ने कहा है कि कॉलेज को अच्छे ढंग से संचालित किया जाएगा ।गौरतलब हो कि संत बरहना महिला कॉलेज द्वारा उच्च न्यायालय और शिक्षा विभाग सहित वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय का नियमों का अवहेलना करते हुए स्नातक नामांकन के दौरान छात्रों से अवैध रूप से नामांकन शुल्क लिया था जिस पर छात्र कल्याण अध्यक्ष ने तुरंत एक्शन लेते हुए प्राचार्य से स्पष्टीकरण मांगा था। इसके बाद विश्वविद्यालय द्वारा तिरस्तरीय जांच टीम का गठन किया गया था ।वहीं भगवान सिंह कुशवाहा ने बजट पर कहा कि बिहार को विशेष पैकेज मिला है जिससे बिहार की तरक्की और होगा ।आगे कहा कि अधिकारियों संग बैठक कर केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं क्रियान्वयन को लेकर समीक्षा बैठक करेंगे और जनता दरबार लगाएंगे। 164 सड़कों का जल्द मरामती कराया जाएगा ।भ्रष्टाचार और गलत करने वाले को बक्सा नहीं जाएगा ।जदयू प्रखंड अध्यक्ष अनूप पटेल, जिला परिषद सदस्य पूनम कुशवाहा, पूर्व वार्ड पार्षद सुरेंद्र साह, अर्जुन प्रसाद, विनय मिश्रा, नागेंद्र केशरी, डॉक्टर शाहबाज खान, मुकेश कुशवाहा और सुधीर साहिल सहित अन्य मौजूद रहे।

पुलिस ने एक अपराधी को हथियार के साथ किया गिरफ्तार

आरा। भोजपुर पुलिस को एक बड़ी उपलब्धि हाथ लगी है जहां की गजराजगंज ओपी अंतर्गत बड़ी घटना को अंजाम देने से पूर्व एक अपराधकर्मी को एक देशी पिस्तौल 11 जिंदा कारतूस में एक मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार कर लिया है अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में सहायक पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार ने बताया कि भोजपुर के पुलिस अधीक्षक को एक गुप्त सूचना प्राप्त की एक व्यक्ति मोटरसाइकिल पर सवार होकर हवाई हथियार के साथ किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए पासवान चौक के रास्ते गांव की तरफ जा रहा है इसी सूचना के सत्यापन अपराधकर्मी की गिरफ्तारी एवं अवैधहथियार की बरामद की हेतु थाना अध्यक्ष गजराजगंज ओपी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया और गठित टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए मौलना चक गांव के पहुंची तो देखा की एक व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा जिसको सशस्त्र बलों ने खदेड़ कर पकड़ा और इसकी विधिवत तलाशी ली गई उसी क्रम में कमर से एक देशी पिस्तौल 11 जिंदा कारतूस और एक मोटरसाइकिल जप्त किया गया गिरफ्तार अपराधकर्मी अनीश कुमार पिता किशोरी सिंह ग्राम रघुनीपुर थाना उदवंत नगर का निवासी बताया जा रहा है गिरफ्तारी के बाद थाने में कांड दर्ज कर उसकी न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

जिला प्रेस क्लब के बैनर तले किया गया प्रतिरोध मार्च, प्रतिवाद सभा व छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साईं का किया पुतला दहन

खगड़िया। पत्रकारों के मकान को बुलडोजर से ध्वस्त करने तथा आए दिन पत्रकारों पर उठा मुकदमा शोषण दोहन अन्याय अत्याचार जानलेवा हमला हत्या के खिलाफ प्रतिरोध मार्च निकालकर प्रतिवाद सभा का आयोजन किया गया तथा सदर अस्पताल चौक पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साईं का पुतला दहन किया गया। पत्रकारों के घर को बुलडोजर से तोड़ देने के विरोध में बुलडोजर संस्कृति के खिलाफ एवं लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को मजबूत करने हेतु आंदोलन का शंखनाद किया गया ।उगता आंदोलन का नेतृत्व जिला प्रेस क्लब के संरक्षक किरण देव यादव, अध्यक्ष सुमलेश कुमार, सचिव संजय कर्ण ने संयुक्त रूप से किया। श्री यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर के वरिष्ठ पत्रकार अविनाश सिंह के घर को सरकार प्रशासन द्वारा बिना नोटिस दिए

बगैर बुलडोजर से ढाह दिया गया। उक्त पत्रकार का पिता की पिछले सप्ताह ही मौत हुई थी, पत्रकार अपने पिता के दाह संस्कार के बाद कर्ता के रूप में था, श्राद्ध कार्यक्रम होना बांकी था। सरकार प्रशासन ने मानवीय संवेदना को तार तार कर दिया। उक्त पत्रकार पर आरोप था कि वे अवैध तरीके से घर निर्माण किये थे, उक्त मामला कोर्ट में लंबित था। उक्त पत्रकार सरकार विरोधी बयान, समाचार प्रकाशन, अनशन आंदोलन भी किए थे। जबकि हजारों मंत्री यूपी और छत्तीसगढ़ में अवैध तरीके से मकान निर्माण किए हैं फिर सरकार उसे क्यों नहीं ध्वस्त करती है। वहीं बक्सर जिला में व्यवस्था से तंग आकर पत्रकार रोहित ओझा ने आत्महत्या कर लिया या उनकी हत्या हुई, यह सवाल सुरसा के तरह मुंह फैलाए हुए हैं। वही राज्य और देश में कई पत्रकारों की हत्या व जानलेवा हमला हो चुकी है। झूठे मुकदमे में फंसाया जा रहा है। वहीं जिले में कई पत्रकारों को टारगेट कर झूठे मुकदमे में फंसाने, हमला हत्या करने की षड्यंत्र निरंतर जारी है। वही लाखों रुपए की लागत से बनी, ढाई वर्षो से बंद पड़े भूतबंगला बनी प्रेस क्लब भवन पत्रकारों को तकनीकी कारण का बहाना बनाकर सुपुर्द नहीं किया जा रहा है। वहीं पत्रकारों को सम्मान सुरक्षा सुविधा नहीं दी जा रही है। जबकि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ एवं समाज का दर्पण है, सरकार प्रशासन एवं जनता के बीच संवाद सेतु का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं, बावजूद इसके पत्रकार दोयम दर्जे की जिंदगी जीने को विवश है। श्री यादव ने कहा कि लोकतंत्र को बचाने, चौथे स्तंभ को मजबूत करने, पत्रकार सुरक्षा कानून बनाने, पत्रकारों पर हो रहे झूठा मुकदमा धमकी हमला हत्या को रोकने, बुलडोजर संस्कृति पर रोक लगाने, प्रेस क्लब भवन पत्रकारों को निशुल्क बिना शर्त सुपुर्द करने, छत्तीसगढ़ के पत्रकार अविनाश सिंह को न्याय देने एवं घर निर्माण हेतु 5 करोड रुपए मुआवजा देने, बुलडोजर संस्कृति के जिम्मेदार शासन प्रशासन पर कार्रवाई करने, बक्सर के पत्रकार रोहित ओझा के आत्महत्या करने पर आश्रितों को 10 लाख रुपया मुआवजा देने, जिले के पत्रकारों पर कही गई मुकदमा को सहानुभूति पूर्वक पुनर्विचार कर समाप्त करने, पत्रकारों को सम्मान सुरक्षा सुविधा देने की मांग सरकार एवं प्रशासन से किया।

सब लोग मिलजुल कर शांति एवं सद्भाव कायम रखें, भाईचारा बनाए रखें : सिद्धार्थ पटेल

हाजीपुर। गोरौल प्रखंड के सोंधों दूल्ह पंचायत के गुलजारबाग में दो गुटों के बीच आपसी विवाद को लेकर उत्पन्न तनाव को देखते हुए प्रशासन द्वारा सभी दुकान , बाजार,हाट को बंद किया गया था। अमन और शांति के प्रतीक वैशाली विधायक श्री सिद्धार्थ पटेल एवं प्रबुद्ध लोगों एवं सामाजिक कार्यकताओं संगआज सोंधो दुल्ल पंचायत में शांति एवं अमन के पहल के लिए बैठक बुलाई गई। बैठक में प्रशासन के पदाधिकारी एवं सभी जनप्रतिनिधि उपस्थित हुए। बैठक में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्र की जनता ने माननीय विधायक पर भरोसा जताया और सबों ने उन्हें आश्वासन दिया कि हम सब लोग मिलजुल कर शांति एवं सद्भाव कायम रखेंगे। भाईचारा बनाए रखेंगे।

तत्पश्चात विधायक ने सभी प्रशासनिक पदाधिकारी को आज से सभी दुकान , बाजार, सड़क खोलने का निर्देश दिया। भीषण गर्मी एवं तपती धूप में विधायक ने सोंधो अंधारी गाछी से लेकर सोंधो गुलजारबाग, सोंधो कहरटोली सभी गांव का पैदल भ्रमण कर लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की ..साथ ही भय के कारण घर छोड़कर पलायन हो चुके लोगों से, उनके परिजनों से, सामाजिक कार्यकताओं से अपील की कि उन्हें घर वापस बुलाया जाए। जहां कहीं भी हो अपने अपने घर वापस चले आए। प्रशासन को उन्होंने सख्त निर्देश दिया जल्द से जल्द पलायन किय लोगों को घर वापसी कराई जाए, और किसी भी असामाजिक तत्वों द्वारा आपसी सौहार्द बिगड़ने का प्रयास किया गया ,उस पर सख्त से सख्त कार्रवाई किया जाए, इनके साथ प्रखंड प्रमुख मुन्ना राय, विधायक प्रतिनिधि अवधेश्वर सिंह, प्रखंड अध्यक्ष भगवान सिंह, सुनील कुमार सुमन,त्रिविक्रम प्रसाद सिंह ,रंजीत कुमार सिंह, मोड्ड महमूद आलम, मोड्ड कैसर अली सहित आसपास के अनेक प्रबुद्ध लोग मौजूद थे। विधायक श्री पटेल के इस पहल की क्षेत्र के सभी जनता ने भूरी भूरी प्रशंसा एवं सराहना किया। साथ ही सबों ने हृदय से अपने स्थानीय विधायक का आभार जताया।

एसपी ने 118 लोगों को उनके गायब हुए मोबाइल किये सुपुर्द

हाजीपुर ।वैशाली के एसपी हरि किशोर राय ने 118 मोबाइल धारकों को उनके गायब हुए मोबाइल सुपुर्द किया ।मोबाइल मिलने के बाद मोबाइल धारक काफी खुश थे। एसपी हरिकिशोर राय ने बताया कि ऑपरेशन मुस्कान अभियान लगातार चलाए जा रहा है ।इसमें जिले के सभी थानाक्षेत्रो में आम लोगो के चोरी या गायब हुए मोबाइल का सनहा एवं प्राथमिक दर्ज

कराया गया है ।इसमें ऑपरेशन मुस्कान के तहत 118 मोबाइल फोन बरामद किया गया ।जिसकी कीमत लगभग 25 लाख रुपए है। ऑपरेशन मुस्कान" को लेकर प्रेसवार्ता करते हुए, वैशाली एसपी ने कहा अबतक 423 लोगों का गुम हुआ मोबाइल खोज कर मोबाइल धारक को दिया गया ह ।ऑपरेशन मुस्कान अभियान के तहत बीते 21 सितंबर 2023 को 64, 20 अक्टूबर 2023 को 61, 17 नवंबर 2023 को 60, 11 जनवरी 2024 को 60 एवं 24 मार्च 2024 को 60 मोबाइल धारकों को मोबाइल सुपुर्द किया गया है।

भाकपा माले जिला कमेटी ने धरना दे समाहरणालय पर किया प्रदर्शन

हाजीपुर। भाकपा माले जिला कमेटी के आह्वान पर सैकड़ो गरीबों ने वैशाली कला मंच पर धरना और समाहरणालय के समक्ष प्रदर्शन करके महुआ के गांधी चौक पर राजू वारसी पर हुए प्राण घातक हमले महुआ थाना कांड संख्या 620 /24 दिनांक 20 जुलाई 2024 की अभिक्तों को गिरफ्तार करने, इस केस से बचने के लिए दर्ज किया गया झूठा मुकदमा महुआ थाना कांड संख्या 640 /24 दिनांक 23 जुलाई 2024 को समाप्त करने, 25 जून 2024 को राजापाकर के पोखरैरा गांव में पुलिस के अग्निशमन वाहन से कुचलकर मरी काजल कुमारी के परिजनों को उचित मुआवजा देने, लाश देखने राजापाकर थाना परिसर पहुंचे गरीबों के ऊपर दर्ज राजापाकर थाना कांड संख्या 226/24 को समाप्त करने, 98 52 12 43 80 नंबर से फोन पर बैकुंठपुर के गरीबों को धमकी देकर 7000/7000 रुपया की मांग करने वाले मोबाइल धारक पर केस दर्ज करने, हाजीपुर अंचल के रंदाहा डीहवारनी स्थान और बिदुपुरांचल के बालाटांड़ में राजकीय नलकूप के खराब मोटर की मरम्मत करवाने की मांगों से संबंधित जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को प्रेषित ज्ञापन अनुमंडल पदाधिकारी हाजीपुर सदर को सोपा। धरना स्थल पर सबसे पहले भाकपा माले के संस्थापक महासचिव कामरेड चारूमजूमदार सहित भारतीय क्रांति के तमाम शहीदों को 1 मिनट मौन श्रद्धांजलि दिया गया।

पेरिस ओलंपिक में इतिहास रचने के बाद मनु भाकर ने कहा

मुझे वास्तव में गर्व महसूस हो रहा है

शैटोरॉक्स (एजेंसी)। निशानेबाज मनु भाकर ने मंगलवार को ओलंपिक के एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बनने की उपलब्धि हासिल करने पर कहा कि वह बहुत आभारी महसूस कर रही हैं। कांस्य पदक के प्लेऑफ में 13 शॉट के बाद दक्षिण कोरिया पर 16-10 की जीत दर्ज करने के बाद मनु और सरबजोत सिंह ने 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने के बाद मनु ने कहा, मुझे वास्तव में गर्व महसूस हो रहा है। यह उपलब्धि हासिल करने पर मैं बहुत आभारी महसूस कर रही हूं। यह सिर्फ आशीर्वाद है। सभी आशीर्वाद और प्यार के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। पेरिस खेलों में यह मनु और भारत का दूसरा पदक था। 22 वर्षीय मनु के पास महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भाग लेने पर तीसरा पदक जीतने का भी मौका है।

...जो भी हो हम स्वीकार करेंगे – कांस्य पदक के प्लेऑफ में ली वोनहो और ओह ये जिन की दक्षिण कोरियाई टीम ने पहली सीरीज जीती। हालांकि भारतीय जोड़ी ने वापसी करते हुए 8-2 की बढ़त बना ली। कोरिया ने वापसी की और मैच के दूसरे हाफ में रोमांचक मोड़ लिया, लेकिन भारत ने अपनी बढ़त को कभी नहीं खोया और जीत सुनिश्चित की।

ओलंपिक में पदक जीतने वाले अन्य निशानेबाज

राज्यवर्धन सिंह राठौर - एथेंस 2004,
अभिनव बिंद्रा - बीजिंग 2008
विजय कुमार - लंदन 2012
गगन नारंग - लंदन 2012
मनु भाकर - पेरिस 2024

34 साल बाद भारत 2025 में टी20 एशिया कप की मेजबानी करेगा

बांग्लादेश 2027 में करेगा आयोजन

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत 2025 में टी-20 फॉर्मेट में मेंस एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। यह 2026 में देश में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप से पहले खेला जाएगा। भारत को मेंस एशिया कप के इतिहास में दूसरी बार मेजबानी मिली है। इससे पहले, 1990 में मिली थी।इसके बाद एशिया कप 2027 की मेजबानी बांग्लादेश करेगा। यह टूर्नामेंट वनडे फॉर्मेट में खेला जाएगा। इसी साल (2027 में) साउथ अफ्रीकी सरजमीं पर वनडे वर्ल्ड कप खेला जाना है। एशिया क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) की ओर से जारी किए गए इनविटेशन फॉर एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (आईईओआई) डॉक्यूमेंट के मुताबिक, भारत 2025 में मेंस एशिया कप की मेजबानी करेगा, जो टी-20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। वहीं, 2027 का एशिया कप बांग्लादेश की मेजबानी में होगा। 2027 का एशिया कप वनडे फॉर्मेट में ही होगा।

भारत सबसे सफल टीम

एशिया कप का आयोजन एशियन क्रिकेट काउंसिल (एससी) करती है। भारत ने रिकॉर्ड 8 बार एशिया कप अपने नाम किया है। इनमें 7 बार यह वनडे फॉर्मेट में और 1 बार टी-20 फॉर्मेट में हुआ। भारत के बाद श्रीलंका सबसे कामयाब टीम है। वह 6 बार यह ट्रॉफी जीती है। तीसरे नंबर पर पाकिस्तान है। वह 2 बार यह टाइटल जीता है।

पिछला एशिया कप हाइब्रिड मॉडल में खेला गया

एशिया कप के 2023 सत्र की मेजबानी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने 'हाईब्रिड मॉडल' पर की थी। भारत ने तब पाकिस्तान का दौरा करने से मना कर दिया था और इसके अधिकतर मैच श्रीलंका में खेले गए थे।

भारत में अब तक एक ही बार क्यों हुआ एशिया कप

भारत और पाकिस्तान के रिश्ते अच्छे नहीं रहे हैं इसलिए भारत और पाकिस्तान दोनों में बहुत कम एशिया कप हुए हैं। 2023 से पहले इन दोनों देशों में एक-एक एशिया कप ही हुआ। 2023 में पाकिस्तान को मेजबानी मिली तो भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं गई। भारत के मैच और फाइनल श्रीलंका में कराए गए। श्रीलंका और बांग्लादेश द्वष्टष्ट की पॉलिटिक्स में भारत को सपोर्ट करते हैं। एशिया कप के जरिए द्वष्टष्ट इन दो पार्टनर देशों को बड़े टूर्नामेंट होस्ट करने का मौका देता रहा है।

बांग्लादेश ने सबसे ज्यादा 5 बार एशिया कप की मेजबानी की

भारत ने अब तक सिर्फ एक बार एशिया कप की मेजबानी की है। इस टूर्नामेंट की मेजबानी सबसे ज्यादा 5 बार बांग्लादेश ने की है। सबसे पहले बार एशिया कप साल 1984 में यूएई में खेला गया था। यूएई और श्रीलंका ने 4-4 बार एशिया कप का आयोजन किया है। पाकिस्तान-भारत को बार 1-1 मेजबानी मिली है। वहीं पाकिस्तान और श्रीलंका ने संयुक्त रूप से पिछले एशिया कप का आयोजन किया था। ऐसा दूसरी बार होगा जब एशिया कप की मेजबानी भारत करने जा रहा है। भारत को एशिया कप की मेजबानी मिलने के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या पाकिस्तान टीम भारत खेलने आएगी। भारत ने पिछले साल एशिया कप के लिए पाकिस्तान जाने से मना कर दिया था। जिसके बाद एशिया कप 2023 हाईब्रिड मॉडल में खेला गया था। टीम इंडिया सुरक्षा संबंधी खतरों की वजह से पाकिस्तान नहीं जाती है। पाकिस्तान टीम ने टीम इंडिया के साथ वनडे और टी-20 की बाइलैटरल सीरीज के लिए 2012-13 में भारत का दौरा किया था।

नौकायन खिलाड़ी बलराज फाइनल में पांचवें स्थान पर रहे

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में नौकायन में भारत के एकमात्र प्रतिनिधि बलराज पंवार पुरूषों की एकल स्कल में अपनी हीट रेस में पांचवें स्थान पर रहे और अब 13वें से 24वें स्थान के लिए खेलेंगे। 25 वर्ष के पंवार ने क्वार्टर फाइनल में चौथी हीट में सात मिनट और 5.10 सेकंड का समय निकाला। वह सेमी फाइनल सी.डी में खिसक गए जिसके मायने हैं कि ये खिलाड़ी 13वें से 24वें स्थान के लिए उतरेंगे। पंवार रेपेचेज दौर की रेस में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। वह शनिवार को पहले दौर की हीट रेस में चौथे स्थान पर रहकर रेपेचेज में पहुंचे थे। चार क्वार्टर फाइनल हीट में शीर्ष तीन पर रहने वाले खिलाड़ी सेमीफाइनल ए.बी में पहुंचे जो पदक के लिए मुकाबला करेंगे।

सरबजोत सिंह ने गोल्ड जीतकर की थी करियर की शुरुआत , कांस्य पदक जीतने में निभाई आदर्श भूमिका

चेटौरॉक्स (फ्रांस) (एजेंसी)। मनु भाकर ने धैर्य का परिचय दिया जबकि सरबजोत सिंह ने आदर्श खिलाड़ी की भूमिका निभाई जिससे इस जोड़ी ने मंगलवार को यहां ओलंपिक में इतिहास रचते हुए दक्षिण कोरिया को हराकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा का कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने कोरियाई टीम को 16-10 से हराकर देश को इस चतुष्कोणीय शोपीस में दूसरा पदक दिलाया। सरबजोत सिंह का जन्म 30 सितम्बर 2001 को हुआ था। सरबजोत हरियाणा के बरारा ब्लॉक के अंबाला के धीन गांव से हैं। वह किसान जतिंदर सिंह और गृहिणी हरदीप कौर के बेटे हैं। उन्होंने चंडीगढ़ के सेक्टर 10 स्थित डीएवी कॉलेज से पढ़ाई की है। वह सेंट्रल फीनिक्स क्लब में अंबाला कैंट स्थित एआर शूटिंग अकादमी के कोच अभिषेक राणा के अधीन प्रशिक्षण लेते हैं।

2019 में गोल्ड से करियर की शुरुआत

सरबजोत के होनहार करियर की शुरुआत 2019 जूनियर विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक के साथ हुई थी। उन्होंने हांग्जो में 2022 एशियाई खेलों में टीम स्वर्ण और 2023 एशियाई चैंपियनशिप में व्यक्तिगत कांस्य पदक जीतकर प्रभावित करना जारी रखा। अब उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में मनु भाकर के कांस्य जीता।

मनिका बत्रा ने फ्रांस की प्रीथिका पवाडे को हराया, प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंची

पेरिस (एजेंसी)। भारत की अनुभवी खिलाड़ी मनिका बत्रा ने ओलंपिक टेबल टेनिस स्पर्धा के अंतिम 32 मैच में फ्रांस की 12वीं वरीय प्रीथिका पवाडे को सीधे गेमों मे शिकस्त दी। राष्ट्रमंडल खेलों की चैम्पियन और 18वीं वरीय मनिका ने 37 मिनट तक चले मुकाबले में 11-9, 11-6, 11-9, 11-7 से जीत दर्ज की। वह ओलंपिक टेबल टेनिस के अंतिम-16 में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनी।

मनिका को पहले गेम में बाएं हाथ की खिलाड़ी के खिलाफ सामंजस्य बिठाने में परेशानी हुई और यह काफी करीबी मुकाबला रहा। मनिका ने अखिरी तीन अंक अपने नाम कर इसे 11-9 से जीता। दूसरे गेम की शुरुआत में भी मुकाबला काफी करीबी था लेकिन 6-6 की बराबरी के बाद मनिका ने प्रीथिका को कोई मौका नहीं दिया और 11-6 से वह जीत गई। भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे गेम की लय तीसरे गेम में जारी रखते हुए पांच अंक की बढ़त बनाई लेकिन प्रीथिका ने लगातार चार अंक हासिल कर स्कोर को 9-10 कर दिया।

प्रीथिका दबाव में गेंद को नेट पर खेल गई और मनिका ने 11-9 से इस गेम को जीत लिया। मनिका ने चौके गेम में 6-2 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत को 10-4 में बदल कर छह मैच प्वाइंट हासिल किए। प्रीथिका तीन मैच प्वाइंट बचाने में सफल रही लेकिन मनिका ने चौथे अंक को भुनाकर मैच अपने नाम किया। प्री क्वार्टर फाइनल में मनिका की भिड़ंत जापान की आठवीं वरीय हिरोनो मियू और हांगकांग की झू चेंगझू के बीच होने वाले मैच की विजेता से होगी।

मैग्नस कार्लसन ने फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रांड स्लैम के लिए 12 मिलियन डॉलर जुटाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक शतरंज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन और जान हेनरिक बुएटनर ने घोषणा की कि उन्होंने वीसी लेफ्ट लेन कैपिटल से 12 मिलियन डॉलर का फंड जुटाया है। इस नई टूर्नामेंट सीरीज में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ शतरंज खिलाड़ियों को आकर्षक प्रारूप में पेश किया जाएगा, जिसका उद्देश्य शतरंज की दुनिया में क्रांति लाना है। नए टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि 1 मिलियन प्रति इवेंट – फ्रीस्टाइल शतरंज, मैग्नस कार्लसन और जान हेनरिक बुएटनर द्वारा स्थापित एक नई पहल है, इसी वर्ष की शुरूआत में पहली फ्री स्टाइल शतरंज स्पर्धा आयोजित हुई थी जिसे खुद कार्लसन नें जीता था। इस सीरीज में 25 सुपर ग्रांड मास्टर्स शामिल होंगे, जिनकी रेटिंग 2725 से ऊपर है। मैग्नस कार्लसन द्वारा चुने गए नौ सुपर ग्रांड मास्टर्स विशेष रूप से इस ग्रांड स्लैम सीरीज में खेलेंगे। सभी टूर्नामेंट चुनिन्दा अच्छे स्थलों में आयोजित किए जाएंगे और खेल फिशर रैंडम प्रारूप में होंगे।

सीन नदी में पानी की गुणवत्ता पर चिंता बरकरार, पुरुष ट्रायथलॉन स्थगित

पेरिस (एजेंसी)। सीन नदी में पानी की गुणवत्ता की चिताओं के कारण मंगलवार को होने वाली पुरुष ओलंपिक ट्रायथलॉन को स्थगित कर दिया गया है। सीन नदी पर इस खेल की तैराकी स्पर्धा का आयोजन किया जाना है। आयोजकों ने कहा कि वे पुरुषों की ट्रायथलॉन को बुधवार को आयोजित करने का प्रयास करेंगे। महिलाओं की प्रतियोगिता भी बुधवार को निर्धारित है, लेकिन इन दोनों का आयोजन पानी की गुणवत्ता पर निर्भर करेगा।

मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार, बुधवार और गुरुवार की शाम को तूफान आ सकता है जिससे स्थिति और बिगड़ सकती है। भारी बारिश के कारण आमतौर पर सीन नदी में बैक्टीरिया का स्तर बढ़ जाता है। शुक्रवार को ओलंपिक उद्घाटन समारोह के दौरान पेरिस में भारी बारिश हुई और शनिवार को भी बारिश जारी रही। सीन नदी में पानी की गुणवत्ता की चिंता के कारण ही रविवार और सोमवार को ट्रायथलॉन के अभ्यास सत्र रद्द करने पड़े थे।

बोपन्ना का 22 साल बाद संन्यास

पेरिस ओलिंपिक मेंस डबल्स के पहले दौर में हारे, कहा- यह देश के लिए मेरा आखिरी टूर्नामेंट था

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस ओलिंपिक के मेंस डबल्स के पहले दौर में रविवार को हार के बाद भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना ने संन्यास की घोषणा कर दी। 44 साल के बोपन्ना 22 साल से भारत के लिए खेल रहे थे। उन्होंने 2002 में देश के लिए डेब्यू किया था।रविवार को खेले गए मुकाबले में उन्हें फ्रांस की गेल मोनफिल्स और एडौर्ड रोजर वेसलिन की जोड़ी ने 5-7, 6-2 हरा दिया। इसी के साथ भारतीय जोड़ी टूर्नामेंट से बाहर हो गई।वे 6 ग्रैंड स्लेम के मेंस डबल्स मैच में फाइनलिस्ट रहे। 2017 में मिक्स्ड डबल में फ्रेंच ओपन, 2024 में मेंस डबल्स में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत चुके हैं।पेरिस ओलंपिक से पहले बोपन्ना ने आखिरी बार एशियन गेम्स 2023 में भारत के लिए शिरकत की थी, जिसमें उन्होंने मिक्स्ड डबल्स में रुतुजा भोसले के साथ गोल्ड मेडल जीता था।

यह मेरा आखिरी इवेंट था –पहले राउंड में हार के बाद बोपन्ना ने संन्यास की घोषणा की। उन्होंने मीडिया से कहा, यह निश्चित रूप से देश के लिए मेरा आखिरी इवेंट होगा। मैं पूरी तरह से समझता हूं कि मैं कहां हूं और अब, जब तक यह चलता रहेगा, मैं टेनिस सर्किट का आनंद लेता रहूंगा। मैं जहां हूं, उसके लिए यह पहले से ही एक बड़ा बोनस है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं दो दशकों तक भारत का प्रतिनिधित्व करूंगा। 2002 से अपने डेब्यू से और 22 साल बाद भी भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलना। मुझे इस पर बेहद गर्व है।

बोपन्ना ने लंदन 2012 में ओलंपिक डेब्यू किया – बोपन्ना का यह तीसरा ओलिंपिक था। बोपन्ना ने अपना ओलंपिक डेब्यू लंदन 2012 में किया, जहां वह मेंस डबल्स के लिए महेश भूपति के साथ जोड़ी बनाकर दूसरे दौर में पहुंचे थे। रियो 2016 में बोपन्ना और सानिया मिर्जा मिक्स्ड डबल्स में ब्रॉन्ज मेडल मैच हारने के बाद चौथे स्थान पर रहे। बोपन्ना टोक्यो 2020 ओलंपिक में जगह नहीं बना सके।

बोपन्ना ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी – इस साल की शुरुआत में बोपन्ना 43 साल और नौ महीने की उम्र में अपने साथी मैथ्यू एब्डेन के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन की जीत के बाद टेनिस के ओपन एरा में ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति बन गए। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 की जीत बोपन्ना का दूसरा ग्रैंड स्लैम टाइटल था। उन्होंने 2017 में फ्रेंच ओपन में मिक्स्ड डबल्स जीता था। बोपन्ना और एबडेन ने पिछले महीने फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में भी जगह बनाई थी।

सबसे उम्रदराज वर्ल्ड नंबर-1 बोपन्ना इस साल 29 जनवरी को आई एसोसिएशन ऑफ टेनिस प्रोफेशनल्स (एटीपी) रैंकिंग में दुनिया के नंबर-1 मेंस डबल्स खिलाड़ी बने थे। उस समय बोपन्ना 43 साल के थे। वे 43 साल की उम्र में दुनिया के नंबर-1 मेंस डबल्स खिलाड़ी बनने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। फिलहाल उनकी एटीपी रैंकिंग 4 है।

ओलिंपिक टैली में जापान नंबर 1

6 गोल्ड समेत 12 मेडल जीते, भारत के नाम दो ब्रॉन्ज

पेरिस (एजेंसी)। ओलिंपिक मेडल टैली में जापान की टीम 6 गोल्ड, 2 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल जीतकर नंबर वन है। दूसरे पर फ्रांस और तीसरे नंबर पर चीन है। मंगलवार को मनु भाकर और सरबजोत सिंह की भारतीय जोड़ी ने 10 मीटर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट के ब्रॉन्ज मेडल मैच में कोरिया को 16-10 से हराया। इसी के साथ भारत के नाम दो मेडल हो गए हैं।

पेरिस ओलिंपिक 2024 : मेडल टैली

		गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	कुल
25	इंडिया	0	0	2	2
1	जापान	6	2	4	12
2	फ्रांस	5	8	3	16
3	चीन	5	5	2	12
4	ऑस्ट्रेलिया	5	4	0	9
5	कोरिया	5	3	1	9

संक्षिप्त समाचार

राम पथ की जांच चाहते हैं अवधेश प्रसाद, बोले- अयोध्या में जमीन खरीद में हुई धांधली

फैजाबाद, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के फैजाबाद से समाजवादी पार्टी सांसद अवधेश प्रसाद ने अयोध्या में हुए जमीन के सौदों की जांच की मांग की है। उन्होंने साल 2019 में आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अयोध्या में हुई डील्स की जांच के लिए एक कमेटी भी गठित किए जाने की मांग की है। उन्होंने सौदों में अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। साथ ही कहा है कि प्रोजेक्ट्स के कारण लोगों के घर तोड़ दिए गए इसलिए अयोध्या की जनता ने भारतीय जनता पार्टी को नकार दिया। सोमवार को बजट को लेकर हो रही चर्चा में प्रसाद ने कहा कि कोर्ट के फैसले के बाद अयोध्या में बड़े स्तर पर जमीन की बिक्री हुई थी। इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, उन्होंने कहा, अनियमितताएं हुई हैं। 2 करोड़ रुपये की कीमत की एक जमीन 18 करोड़ रुपये में बिकी है। इसके खरीदने वाले भाजपा के लोगों के अलावा कोई और नहीं है। उन्होंने किसानों को तबाह कर दिया इसलिए जनता नाराज है। उन्होंने राम पथ, एयरपोर्ट प्रोजेक्ट्स समेत कई अन्य निर्माणों की जांच की भी मांग की है। सांसद ने कहा, स्थिति साफ हो सके इसलिए उस रिपोर्ट को संसद के पटल पर रखा जाना चाहिए। प्रसाद का कहना है कि सत्तारूढ़ दल ने अयोध्या के लोगों को धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि बजट में न ही अयोध्या न ही उत्तर प्रदेश का जिक्र कहीं भी आया है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रोजेक्ट्स के कारण अयोध्या में घर तोड़े गए इसलिए जनता ने भाजपा को नकार दिया। उन्होंने कहा, राम पथ हो या एयरोड्रोम हो या कोई भी अन्य निर्माण हो, बुलडोजर का इस्तेमाल कर लोगों के घर तोड़ दिए गए। इसलिए भाजपा को पूरी तरह नकार दिया गया है। सपा सांसद ने यह भी कहा कि ओबीसी निषाद समुदाय की बस्ती को तोड़कर दुकानें बनाई गई हैं। उन्होंने आरोप लगाए कि इन दुकानों को करोड़पति लोगों को दे दिया गया। उन्होंने 2027 में राज्य में और 2029 में लोकसभा चुनाव में भाजपा के हारने का दावा किया है।

राजस्थान में राशन का गेहूं लेने वालों को भी मिलेगा 450 में सिलेंडर

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के सीएम भजनलाल ने घोषणा की है कि राजस्थान में 450 रुपये में गैस सिलेंडर देने की योजना का दायरा अब और बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को विधानसभा में वित्त एवं विनियोग विधेयक पर चर्चा के दौरान कई नई घोषणाएं की। उन्होंने बड़े शहरों में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए 500 इलेक्ट्रिक बसों को बढ़ाकर 1000 इलेक्ट्रिक बस चलाने का ऐलान किया. इसके साथ ही सीएम शर्मा ने बड़ी घोषणा करते हुए राज्य में 450 रुपये में गैस सिलेंडर देने की योजना का दायरा बढ़ा दिया। पहले राजस्थान में प्रधानमंत्री उवला योजना और बीपीएल श्रेणी के परिवार को 450 रुपये में गैस सिलेंडर मिलता था। जिसका दायरा बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अब राज्य में सभी राशन का गेहूं लेने वाले परिवारों मतलब एनएफएसए का लाभ लेने वालों को भी 450 रुपये में गैस सिलेंडर मिलेगा. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कच्ची बस्तियों में रहने वाले परिवार को पक्का मकान बनवाने के लिए एक लाख रुपये सहायता दी जाएगी. इसका लाभ उन लोगों को मिलेगा, जिनके खुद के पक्क घर नहीं हैं।

15 अगस्त को बाबुओं का लाल किला पहुंचना जरूरी

नईदिल्ली, एजेंसी। 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम से दूरी बनाने वाले बाबुओं की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। खबर है कि कैबिनेट सचिव ने हाल ही में साफ कर दिया है कि लाल किले पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम से अधिकारियों की गैरमौजूदगी को गंभीरता से लिया जाएगा। भारत इस साल आजादी का 78 वर्ष मनाने जा रहा है। अंग्रेजी की सदियों तक गुलामी के बाद देश को 15 अगस्त 1947 में आजादी मिली थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कार्यक्रम में मौजूद रहने को लेकर कैबिनेट सचिव राजीव गौबा ने सभी सचिवों को पत्र लिखा है। इसमें सभी अधिकारियों की कार्यक्रम में मौजूदगी सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

कर्नाटक सरकार में होगा बड़ा फेरबदल!

दिल्ली में महामंथन, डीके शिवकुमार पर भी हो सकता है फैसला

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में लोकसभा चुनाव के बाद से बीजेपी कांग्रेस सरकार पर ज्यादा ही हमलावर है। बीजेपी और जेडीएस के विपक्ष से निपटने के लिए दिल्ली में मंगलवार को महामंथन होने वाला है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ होने वाली बैठक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार भी शामिल होंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अन्य कई सीनियर नेता आगे की रणनीति तय करेंगे। जानकारी के मुताबिक कर्नाटक सरकार में बड़े फेरबदल पर भी फैसला किया जा सकता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक कर्नाटक सरकार में कुछ मंत्रियों के पोर्टफोलियो में भी परिवर्तन किया जा सकता है। मंत्रिमंडल में बदलाव की चर्चा काफी दिनों से चल रही है। महर्षि वाल्मीकि एसटी डिवेलपमेंट कॉर्पोरेशन के 84 करोड़ से ज्यादा रुपये के अवैध ट्रांसफर को लेकर ईडी कार्रवाई कर रही है। इस जांच में विधायक बी नागेंद्र की

गिरफ्तारी हो चुकी है और उन्हें मंत्रिपद से भी हटा दिया गया है। बीजेपी लगतारा सीएम सिद्धारमैया का इस्तीफा मांग रही है। दरअसल वित्त मंत्रालय सिद्धारमैया के ही पास है और अवैध ट्रांजैक्शन का मामला उनके विभाग से जुड़ा हुआ है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि अगर वित्तीय मामलों में गड़बड़ी हो रहीथी तो पुलिस या फिर बैंक के अधिकारियों को इस घोटाले की जानकारी क्यों नहीं दी गई। अवैध रूप से सरकारी फंड के पैसे प्राइवेट अकाउंट में ट्रांसफर करवा लिए गए। इस बैठक में कांग्रेस नेतृत्व कर्नटाक में बीजेपी-जेडीएस से निपटने का प्लान तैयार कर कता है। दरअसल सिद्धारमैया के इस्तीफे की मांग को लेकर बीजेपी एक सप्ताह की पदयात्रा करने जा रही है। बीजेपी का आरोप है कि मैसूर अर्बन डिवेलपमेंट अथॉरिटी ने करोड़ों के प्लॉट नियमों का उल्लंघन करते हुए आवंटित कर दिए। इसमें मुख्यमंत्री के रिश्तेदार भी शामिल हैं।

लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद से कर्नाटक सरकार डिफेंस मोड में हैं। दरअसल लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के खाते में केवल 9 सीटें ही आई थीं। वहीं बीजेपी-जेडीएस गठबंधन ने 21 सीटों पर जीत हासिल की। अब विधानसभा में भी बीजेपी-जेडीएस जमकर सरकार को घेर रही हैं और सीएम का इस्तीफा मांग रही हैं। कर्नाटक में जल्द ही स्थानीय चुनाव भी होने जा रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस संगठन में भी बदलाव करना चाहती है। वहीं चर्चा यह भी है कि डीके शिवकुमार को कर्नाटक कांग्रेस चीफ के पद से हटाया जा सकता है। दरअसल कुछ नेताओं का कहना हैकि वन मैन वन पोस्ट के नियम का पालन होना चाहिए। वहीं पार्टी के अंदर उन मंत्रियों का भी विरोध हो रहा है जो जिनके विधानसभा क्षेत्र में लोकसभा चुनाव के दौरान प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा।

शाहिद अग्निवीरों पर राहुल गांधी के दावे को रक्षा मंत्रालय ने बताया गलत, मुआवजे पर दिया पूरा विवरण

नईदिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के अग्निवीर वाले दावे को रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने खारिज किया है। यह कहा गया कि मिलिट्री सर्विस के दौरान जान गंवाने वाले किसी भी अग्निवीर के परिवार को 1 करोड़ रुपये से अधिक की राशि दी जाती है। सूत्रों ने यह भी बताया कि इसमें बीमा और दूसरी मदें भी शामिल हैं। दरअसल, राहुल गांधी ने आज लोकसभा में कहा कि रक्षा मंत्री ने कहा था कि शहीद अग्निवीर के परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया। मगर, उनकी बात गलत थी। उन्होंने कहा, उस परिवार को बीमा दिया गया था, मुआवजा नहीं। यह सच है। इसे कोई नकार नहीं सकता। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने बताया, अगर मिलिट्री सर्विस के दौरान किसी अग्निवीर की मृत्यु हो जाती है, तो उसके परिजनों को 1 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मिलती है। इसमें 48 लाख रुपये का बीमा है, जिस पर अग्निवीर से कोई भुगतान नहीं लिया जाता है। 44 लाख रुपये की अनुग्रह राशि, सेवा निधि पैकेज लगभग 11.70 लाख रुपये और सर्विस की शेष अवधि के लिए वेतन भी शामिल है। इसके अलावा, अग्निवीरों को 50 लाख से 1 करोड़ रुपये तक का बीमा कवर भी मिलता है, जिसे लेकर सरकार ने कई बैंकों के साथ समझौता किया है। उन्होंने कहा कि अग्निवीरों को किसी भी प्रीमियम का भुगतान करने की जरूरत नहीं होती है।

रेल हादसों पर ममता का केंद्र पर करारा प्रहार, कहा- आपकी संवेदनहीनता कब खत्म होगी

कोलकाता, एजेंसी। देश में लगातार हो रहे रेल हादसों को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। पश्चिम बंगाल में आज सुबह एक और विनाशकारी ट्रेन दुर्घटना हुई, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई और बड़ी संख्या में लोगों के घायल होने की खबर हैं। इससे पहले लगातार रेल हादसे हो रहे हैं। रविवार को ही बिहार में संपर्क क्रांति दो हिस्सों में टूट कर अलग हो गई, जिससे एक बड़ा हादसा होते-होते बचा। इससे पहले ओडिशा में हुए ट्रेन हादसे की एक वीभत्स तस्वीर सामने आ गई थी जिसमें कई लोगों की मौत हो गई थी। ममता ने केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि एक और विनाशकारी रेल दुर्घटना, हावड़ा- मुंबई मेल आज सुबह झारखंड़ के चक्रधरपुर मंडल में पटरी से उतर गई, जिसके कारण कई लोगों की मौत हो गई और बड़ी संख्या में लोग घायल हो गए हैं। मैं गंभीरता से पूछती हूं, क्या यही शासन व्यवस्था है? लगभग हर हफ्ते दुःस्वप्नों का यह सिलसिला,रेल पटरियों पर मौतों और चोटों का यह अंतहीन सिलसिला कब तक हम इसे सहन करेंगे? क्या भारत सरकार की संवेदनहीनता का कोई अंत नहीं होगा? ममता बनर्जी यूपीए 2 की सरकार में रेल मंत्री रह चुकी हैं और उनको रेल मंत्रालय चलाने का काफी अनुभव भी है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का इस्तीफा मांगा जा रहा है। भारतीय रेल में लोगों की परेशानी लगातार सामने आ रही है, आए दिन लोग अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर ट्रेनों की भीड़ को लेकर पोस्ट करते रहते हैं जिस पर भी सोशल मीडिया और विपक्षी नेता रेल मंत्री पर इस्तीफा देने का दवाब बनाने लगते हैं।

अमरनाथ यात्रा : 31 दिनों में 4.66 लाख श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

जम्मू , एजेंसी। 29 जून को शुरू हुई अमरनाथ यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से आगे बढ़ रही है। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को 1,477 श्रद्धालुओं का एक और जत्था जम्मू से कश्मीर के लिए रवाना हुआ। इसी के साथ अब तक अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं की कुल संख्या 4.66 लाख हो गई है। अमरनाथ यात्रा 29 जून को शुरू हुई थी। यह 52 दिनों के बाद 19 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा और रक्षाबंधन के त्यौहार के साथ समाप्त होगी। मंगलवार को 1,477 तीर्थयात्रियों का जत्था दो सुरक्षा काफिलों में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से रवाना हुआ।

अधिकारियों ने बताया, 377 यात्रियों को लेकर 13 वाहनों का पहला सुरक्षा काफिला सुबह 3.25 बजे उत्तरी कश्मीर के बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। 1,100 यात्रियों को लेकर 39 वाहनों का दूसरा सुरक्षा काफिला भी उसी समय दक्षिण कश्मीर के नुनवान

(पहलगाम) बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। दोनों काफिलों के आज दोपहर से पहले घाटी में पहुंचने की उम्मीद है। सीएपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के असाधारण सुरक्षा इंतजामों के कारण इस साल यात्रा शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से चल रही है।

गुफा मंदिर में बर्फ की एक संरचना है जो चंद्रमा के चरणों के साथ घटती-बढ़ती रहती है। भक्तों का मानना है कि यह बर्फ की संरचना भगवान शिव की पौराणिक शक्तियों का प्रतीक है। यह गुफा कश्मीर हिमालय में समुद्र तल से 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। भक्त या तो पारंपरिक दक्षिण कश्मीर पहलगाम मार्ग से या फिर उत्तर कश्मीर बालटाल मार्ग से गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं। पारंपरिक पहलगाम गुफा मंदिर मार्ग 48 किलोमीटर लंबा है। जिससे बाबा बर्फानी तक पहुंचने में 4 से 5 दिन लग जाते हैं। दूसरा मार्ग बालटाल का है।

डोनाल्ड ट्रंप का भारतवंशी नेता पर वार- राष्ट्रपति पद के लिए बाइडन से भी खराब उम्मीदवार हैं कमला हैरिस

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उप राष्ट्रपति और चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कमला हैरिस राष्ट्रपति जो बाइडन से भी खराब उम्मीदवार हैं। वहीं बाइडन की तुलना में कहीं अधिक कट्टर वामपंथी हैं। हैरिस के उम्मीदवार बनने के बाद पहली बार ट्रंप ने एक साक्षात्कार में कई सवाल उठाए। ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता था कि वह मुझसे थोड़ी छोटी हैं। मगर वह तो 60 साल की है। छोटी उम्र में वह बड़े खेल की बात कर रही हैं। मगर उनका खेल पहले से ही बहुत खराब है। वह सीमा पार से आई हैं, लेकिन यह दिखाने की कोशिश करती हैं कि ऐसा कुछ नहीं है। वह पुलिस को बदनाम करना चाहती थी। वह सीमाओं को खोलने और किसी को भी देश में आकर बसने और नागरिकता देना चाहते हैं। यह बहुत बुरी हालत है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में कभी ऐसी स्थिति नहीं थी। हमारे देश में 20 मिलियन लोग बाहरी देशों से आए हैं। अब यह आंकड़ा बढ़ गया है। इससे देश तीसरे विश्व युद्ध में फंस सकता है। ट्रंप ने एक बार

फिर डेमोक्रेटिक पार्टी पर बाइडन के खिलाफ तख्तापटल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने अमेरिका के राष्ट्रपति का तख्तापलट किया। वे बाइडन के पास गए और कहा आप जा रहे हैं। आप सर्वे में काफी नीचे हैं। यह बिल्कुल ऐसा हुआ कि जिसके साथ आप लड़ाई में हैं और जीतने की ओर हैं। अचानक उसको बदलकर किसी और को लड़ाई मे भेज दिया जाता है। पार्टी ने बाइडन को हटा दिया। उनको पिछली बार बेशक 14 मिलियन वोट मिले, लेकिन फिर भी उन्हें बाहर कर दिया गया। अब वह कुछ कहना चाहता है। वह खाली बैठा है और उसके पास कोई काम नहीं है, कोई बात करने वाला नहीं है। पहली बार अमेरिका के राष्ट्रपति का ऐसे तख्ता पलट हुआ है। ट्रंप ने कहा कि वह हैरिस के साथ जरूर डिबेट करेंगे, क्योंकि अगर वह ऐसा नहीं करेंगे तो यह गंभीर मुद्दा बन जाएगा। इसके बाद हैरिस फॉर प्रेसिडेंट अभियान ने ट्रंप से हैरिस से बहस करने के लिए कहा। हैरिस के लिए राष्ट्रपति के प्रवक्ता अम्मार मौसा ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप उपराष्ट्रपति हैरिस से बहस पर सीधा जवाब क्यों नहीं देंगे? वह डरे हुए हैं। उनको बहस में महिलाओं पर हुए हमलों, अमेरिका में चुनाव करने के बयान पर जवाब देना होगा। क्या ट्रंप आ सकते हैं? गौरतलब है, कुछ दिन पहले यानी 21 जुलाई को 81 साल के जो बाइडन ने चुनावी दौड़ से बाहर होने का एलान कर सबको चौंका दिया था। हालांकि, राष्ट्रपति बाइडन ने 59 साल की कमला हैरिस को अपना समर्थन दिया था।

बीमारी से जूझ रहा खूंखार तानाशाह किम जोंग उन, उत्तराधिकारी घोषित करने की तैयारी

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन इन दिनों मोटापे की समस्या से जूझ रहे हैं। किम का वजन काफी ज्यादा बढ़ गया है और इसकी वजह से उन्हें हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज जैसी समस्याएं हो रही हैं। दक्षिण कोरिया की स्पाई एजेंसी ने इस बात की जानकारी दी है। इसमें बताया गया है कि किम जोन उन के अधिकारी विदेश से नई दवाएं मंगाने के बारे में सोच रहे हैं। ताकि तानाशाह का बेहतर ढंग से इलाज किया जा सके। रिपोर्ट में यह भी जानकारी दी गई है कि किम के उत्तराधिकारी के तौर पर उनकी बेटी को तैयार किया जा रहा है। इसके लिए उन्हें खास ट्रेनिंग भी दी जा रही है।

उत्तरी कोरिया के तानाशाह शासक, 40 वर्षीय किम जोंग उन को बहुत ज्यादा शराब पीने और स्मोकिंग की आदतें हैं। इसके अलावा उनके परिवार में हार्ट प्रॉब्लम की भी हिस्ट्री है। जानकार बताते हैं कि साल 2021 में किम जोंग उन ने अपना वजन काफी घटा लिया था। इसके पीछे सख्त डाइट प्लान को वजह माना गया था। लेकिन किम की हालिया तस्वीरों में यह साफ नजर आ रहा है कि उनका वजन काफी ज्यादा बढ़ गया है। किम के वजन की चर्चाएं काफी तेज हैं और उन्होंने अभी तक आधिकारिक रूप से अपने उत्तराधिकारी की घोषणा नहीं की है।

अब बताया जा रहा है कि उनकी सबसे छोटी बेटी को किम के उत्तराधिकारी के तौर पर ट्रेनिंग दी जा रही है। तानाशाह की इस बेटी का नाम किम जू ए है। उसकी उम्र अभी मात्र 12 साल बताई जा रही है। फिलहाल उसको लेकर बहुत ज्यादा गोपनीयता बरती जा रही है। 2013 में किम जू ए सबसे पहली बार सामने आई थी। तब केवल अनुमान लगाए जा रहे थे कि वह किम जोंग उन की उत्तराधिकारी बनेगी। हालांकि इसके बाद से वह पिता के साथ कई इवेंट्स में हिस्सा ले चुकी है।

कोयला खदान ढहने से हुआ बड़ा हादसा, मलबे में दबकर पांच लोगों की मौत

हनोई, एजेंसी। उत्तरी वियतनाम में एक बड़ा हादसा हुआ है। बताया जा रहा है कोयला खदान ढहने से पांच लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है। यह हादसा सोमवार को क्वांग निन्ह में एक कोयला खदान में हुआ। जानकारी के लिए बता दें कि ये देश का सबसे बड़ा कोयला खनन क्षेत्र है। पीपुल्स कमेटी ने एक बयान में कहा, दुर्घटना के कारणों की जांच चल रही है। बता दें कि ये पहला ऐसा हादसा नहीं है, वियतनाम में इससे पहले भी कई हादसे हुए हैं। इससे पहले पिछले साल अगस्त में वियतनाम के खनन केंद्र क्वांग निन्ह में एक कोयला खदान ढहने से एक बड़ा हादसा हो गया था। सरकारी थान निएन ने इस बात की जानकारी दी है।

ब्रिटेन में चाकू के हमले में दो बच्चों की मौत, नौ घायल

लंदन, एजेंसी। उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड के साउथपॉर्ट (मर्सीसाइड) में सोमवार को चाकू के हमले में दो बच्चों की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने बताया कि हमले में नौ लोग भी घायल हुए हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, चीफ कांस्टेबल सेरेना कैनेडी ने बताया कि हमले में घायल हुए नौ लोगों में से छह की हालत गंभीर है।

पुलिस ने बताया, सात से ग्यारह साल के बच्चे टेलर स्विफ्ट योगा एंड डांस वर्कशॉप में क्लास ले रहे थे, तभी अचानक एक हमलावर आया और उन पर हमला कर दिया। दो वयस्क जो बच्चों को बचाने की कोशिश कर रहे थे, वह भी घायल हो गए। लंकाशायर के बैंक्स से एक 17 साल के लड़के को हत्या और हत्या के प्रयास के शक में गिरफ्तार किया गया है। हमले के पीछे की मंशा अभी स्पष्ट नहीं है। जांच अभी शुरुआती चरण में है। पुलिस ने चाकूबाजी की इस घटना को एक बड़ी घटना घोषित किया है। फिलहाल, इसे आतंकवाद से संबंधित नहीं माना जा रहा है। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि यह हमला सच में भयानक है। हमले से लोगों को दुख है।

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने सुबह करीब 11.50 बजे साउथपोर्ट के हार्ट स्ट्रीट पर हुए हमले के संदिग्ध को चाकू के साथ गिरफ्तार कर लिया। उत्तर पश्चिमी एंबुलेंस सेवा ने कहा कि उसके कर्मचारियों ने आठ घायलों का इलाज किया। घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। एक महिला ने बताया कि उसने मदद के लिए एक मां की चीख सुनी, उसकी बेटी को चाकू मारा गया था।

नाम न बताने की शर्त पर महिला ने बीबीसी को बताया कि मां ने कहा कि उसकी बेटी बमुश्किल होश में थी। हार्ट स्ट्रीट पर एक दुकान के मालिक ने स्थानीय मीडिया को बताया कि उसने सात से दस बच्चों को खून से लथपथ देखा। उन सभी की उम्र लगभग दस वर्ष थी। उसने बताया कि पुलिस ने एक व्यक्ति को उस इमारत से बाहर निकाला, जहां हमला हुआ था। उसने यह भी कहा कि उसे बताया गया कि

हमलावर एक टैक्सी में आया था और उसके पास एक चाकू था।

मौके पर पहुंचे स्थानीय पत्रकार टिम जॉनसन, ने बताया कि यह घटना होप ऑफ हार्ट चिल्ड्रन क्लब में हुई। बीबीसी के अनुसार, घायल बच्चों के माता-पिता उनके पीछे भाग रहे थे। यह भयानक था।

वाणिज्यिक अंतरिक्ष में चीन की तेजी, वैश्विक सुरक्षा को खतरा

बीजिंग, एजेंसी। असफलताओं के बीच, चीन का वाणिज्यिक अंतरिक्ष उद्योग धीरे-धीरे वैश्विक मंच पर एक मजबूत खिलाड़ी के रूप में खुद को स्थापित कर रहा है। एक चीनी रॉकेट स्टार्ट अप को एक और लॉन्च विफलता का सामना करना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप वैश्विक मौसम पूर्वानुमान और भूकंप की भविष्यवाणी के लिए एक वाणिज्यिक समूह के हिस्से के रूप में तीन उपग्रहों का नुकसान हुआ। हाइपरबोला-1- आईस्पेस द्वारा निर्मित 24-मीटर (79 फीट) ऊंचा ठोस ईंधन वाला रॉकेट - हाल ही में सुबह उत्तर पश्चिमी चीन के गोबी रेगिस्तान में जिउक्वान सैटेलाइट लॉन्च सेंटर से प्रक्षेपित किया गया। प्रक्षेपण के साथ एक और झटका लगा। ये विफलताएं अलग-थलग घटनाएं नहीं हैं, फिर भी इनसे वाणिज्यिक अंतरिक्ष कंपनियों का उत्साह कम नहीं हुआ है। सरकारी समर्थन, निजी पूंजी और महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के मिश्रण का लाभ उठाते हुए, उद्योग पश्चिमी प्रतिस्पर्धियों से आगे निकलने और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में अपना प्रभुत्व स्थापित करने के लिए आक्रामक रूप से प्रयास कर रहा है।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद

(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129